स्वदेश TODAY digital

रांची, बुधवार
01.05.2024
वर्ष : 09, अंक : 120, पृष्ठ : 12
मूल्य : 3 रुपया
www.swadeshtoday.com

हिन्दी दैनिक
स्वदेश टुडे
देश की आवाज

मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित कर रहे सरकारी स्कूलों के बच्चे
▶▶ 3

@swadeshtoday | @swadesh_today | swadesh_today | swadesh today | @swadesh_today | 8092174888 | 9031730388

अवकाश की सूचना

मजदूर दिवस के अवसर पर दैनिक स्वदेश टुडे कार्यालय 01 मई को बंद रहेगा। अतः अखबार का अगला अंक 03 मई शुक्रवार को प्रकाशित होगा। इस दौरान देश-दुनिया की खबरों से जुड़े रहने के लिए देखें - www.swadeshtoday.com

– प्रबंधक

NEWS IN Gallery

छत्तीसगढ़: मुठभेड़ में तीन महिला नक्सली समेत 10 नक्सली ढ़ेर

नारायणपुर : छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में मंगलवार सुबह हुई चार घंटे की मुठभेड़ के बाद घटनास्थल पर चलाए गए तलाशी अभियान में तीन महिला नक्सली समेत 10 नक्सलियों के शव बरामद किए गए। इसके साथ ही एके 47, इंसास राइफल समेत भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद की बरामदगी हुई है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ में 10 नक्सलियों के शव बरामद होने की पुष्टि करते हुए बताया कि मुठभेड़ में शामिल सभी जवान सुरक्षित हैं। मंगलवार की सुबह करीब छह बजे ग्राम टेकमेटा एवं काकूर के मध्य जंगल में डीआरजी एवं एसटीएफ जवानों के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ जो लगभग चार घंटे चली। मुठभेड़ के बाद घटनास्थल पर चलाए गए तलाशी अभियान में नक्सलियों के शव और हथियार मिले हैं। इससे पहले पुलिस को सूचना मिली थी कि अबूझमाड़ के ग्राम टेकामेटा इलाके में बड़ी संख्या में नक्सलियों के बड़े कैडर की मौजूदगी है। सूचना के आधार पर सोमवार देर रात डीआरजी और एसटीएफ की संयुक्त टीम को सर्चिंग अभियान के लिए रवाना किया गया था। जवान मंगलवार की सुबह जब टेकमेटा एवं काकूर के मध्य जंगल में पहुंचे तो यहां नक्सलियों ने उन्हें देखते ही फायर खोल दिया। जवानों ने जवाबी कार्यवाही में 02 महिला नक्सली सहित कुल 07 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। मारे गये 07 नक्सलियों के शव बरामद किये गय है, जिसकी शिनाख्त की जा रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हाई कोर्ट से एक दिन की मांगी प्रोविजनल बेल

रांची : राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हाई कोर्ट से एक दिन की प्रोविजनल बेल मांगी है। उन्होंने कोर्ट से कहा है कि उन्हें अपने चाचा के श्राद्ध कर्म में शामिल होना है। सोरेन फिलहाल जमीन घोटाले के आरोप में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद हैं। हेमंत सोरेन की ओर से दाखिल याचिका में जल्द सुनवाई का आग्रह किया गया है। हाई कोर्ट इस मामले की सुनवाई तीन मई को करेगा। हेमंत सोरेन ने छह मई के लिए प्रोविजनल बेल मांग की है।

विद्युत वरण महतो, केएन त्रिपाठी और ढुल्लू महतो ने किया नामांकन

स्वदेश संवाददाता

रांची: जमशेदपुर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार विद्युत वरण महतो ने मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके पूर्व भाजपा कार्यकर्ता विभिन्न मंडलों से बाइक-कार रैली के साथ साकची स्थित बोधि मंदिर पहुंचे और वहां से पैदल जुलूस की शक्ल में समाहरणालय परिसर तक प्रत्याशी विद्युतवरण महतो के साथ आए। नामांकन के बाद बोधि मंदिर मैदान में रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एक बार फिर सशक्त भारत के निर्माण में जमशेदपुर सहित राज्य की सभी 14 लोकसभा सीटों पर कमल खिलाकर दिल्ली भेजने की अपील की।

चतरा लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी ने नामांकन दाखिल किया। नामांकन के बाद केएन त्रिपाठी ने कहा कि ये संविधान बचाने की लड़ाई है। भाजपा 400 पार का नारा लगा रही है लेकिन क्या वह बिना जनता के वोट के ही 400 पार कर लेंगे। जनता ने इस बार सब कुछ भाप लिया है। भाजपा बाहरी-भितरी का आरोप लगाती है लेकिन मैं बता दूं कि मेरे पास 500 साल का वंशावली है वो चाहेंगे तो मैं दिखा भी दिखा भी दूंगा। क्या कालीचरण अपनी वंशावली दिखा सकते हैं। वो बक्सर के हैं। वो बाहरी हैं मैं नहीं। बाहरी भीतरी कहकर भाजपा मेरा ही प्रचार कर रही है। नामांकन के समय राज्य के मंत्री सत्यानंद भोक्ता मौजूद थे।

धनबाद लोकसभा संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी सह बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो मंगलवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, आजसू प्रमुख सुदेश महतो समेत कई बड़े नेता शामिल थे। नामांकन के बाद पार्टी प्रत्याशी एवं वरिष्ठ नेताओं ने रोड शो किया।

झारखंड में सभी 14 लोकसभा सीटें जीतेगा एनडीए : भजनलाल

धनबाद : राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को धनबाद पहुंचे। वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी ढुल्लू महतो के नामांकन में शामिल होने वाले थे लेकिन विलंब होने के कारण सीधे धनबाद के रणधीर वर्मा स्टेडियम गोल्फ ग्राउंड में आयोजित भाजपा के प्रबुद्ध सम्मेलन में पहुंचे। यहां उन्होंने मंच से कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि चार जून को झारखंड की सभी सीटों पर एनडीए की जीत होगी। झारखंड से हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 13 फूल (भाजपा) और एक फल (आजसू) भेंट करेंगे। भजनलाल ने कहा कि राजस्थान में 2014 के लोकसभा चुनाव में 25 सीट आए थे, 2019 में भी 25 सीट दिया और इस बार भी 25 में से 25 सीट भाजपा को मिलने वाली है। उन्होंने कहा कि धनबाद के युवाओं, महिलाओं और आम लोगों में जिस तरह का उत्साह दिख रहा है उससे यह साफ हो गया है कि झारखंड में भी सभी 14 सीटें एनडीए गठबंधन को मिलने जा रहा है।

जैक ने तीनों संकाय के घोषित किए परीक्षा परिणाम

इंटर में लड़कियों ने मारी बाजी

- **40.78 प्रतिशत प्रथम और 55.71 प्रतिशत द्वितीय**

एजेंसी

रांची: झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने मंगलवार को इंटरमीडिए के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए। कॉमर्स में 90.60 प्रतिशत, कला में 93.16 फीसदी, वोकेसनल में 83 और साइंस में 72.72 प्रतिशत छात्र सफल हुए हैं। पहली बार है जब जैक ने तीनों संकायों के परीक्षा परिणाम एक साथ जारी किए हैं। शिक्षा विभाग के प्रभारी सचिव उमा शंकर सिंह, माध्यमिक शिक्षा के निदेशक उत्कर्ष गुप्ता और जैक अध्यक्ष अनिल महतो ने संयुक्त रूप इंटर बोर्ड का रिजल्ट जारी किए। शिक्षा विभाग के प्रभारी सचिव उमा शंकर सिंह ने बताया कि परीक्षा पैटर्न में बदलाव होने की वजह से रिजल्ट में गिरावट आयी है। साथ ही बताया कि फिजिक्स और केमेस्ट्री में रिजल्ट संतोषजनक नहीं रहा। इस साल 03 लाख 44 हजार

परीक्षार्थी 12वीं बोर्ड की परीक्षा में बैठे थे। इनमें साइंस के 94,433, कॉमर्स के 25,907 और आर्ट्स के 2,24,502 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। इनमें 72.70 फीसदी पास हुए हैं। छात्र जैक की ऑफिशियल वेबसाइट jacresults.com और jac.jharkhand.gov.in पर परिणाम देख सकते हैं। आर्ट्स में 93.7 फीसदी छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। इसमें 83404 छात्र फर्स्ट डिवीजन हैं। आर्ट्स में कुल 02 लाख 24 हजार 502 स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इनमें 02 लाख 06 हजार 685 छात्र ही परीक्षा में पास हुए। कॉमर्स में 90.06 प्रतिशत (23235) छात्र पास हुए हैं। 61 प्रतिशत परीक्षार्थी फर्स्ट डिवीजन से पास हुए हैं। कॉमर्स में कुल 25907 स्टूडेंट ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इसमें 25644 परीक्षार्थी ही परीक्षा में शामिल हुए थे। साइंस में 94433 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इनमें 93,805 छात्र परीक्षा में शामिल हुए और 68,203 स्टूडेंट परीक्षा में उत्तीर्ण हुए, जिसमें 72.70 फीसदी छात्र फर्स्ट डिवीजन से उतीर्ण हुए हैं। वोकेशनल में 508 परीक्षार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इनमें केवल 493 छात्र ही परीक्षा में बैठे थे और 439 छात्र यानी 89.22 फीसदी स्टूडेंट पास हुए हैं। साइंस में 72.2 फीसदी लड़के और 72.67 फीसदी लड़कियां उत्तीर्ण हैं। कॉमर्स में 93 प्रतिशत लड़कियां सफल हुई हैं। आर्ट्स में भी लड़कियां आगे रहीं।

कॉमर्स में ये पांच जिले टॉप

लातेहार, कोडरमा, सिमडेगा, पाकुड़ और खूंटी

साइंस में ये जिले टॉप पांच में

कोडरमा, लातेहार, चतरा, जामताड़ा और हजारीबाग

आर्ट्स में टॉप पांच में ये जिले शामिल

सिमडेगा, खूंटी, कोडरमा, गुमला, हजारीबाग

जैक इंटर के टॉपर

साइंस

1. स्नेहा, उर्सलाइन, रांची
2. रीतिका कुमारी, हजारीबाग
3. पंकज कुमार साहू, सिसई

आर्ट्स

1. जीनत परवीन, रांची
2. बहमनी खान, खूंटी
3. दीपाली कुमारी, रांची

कॉमर्स

1. प्रतिभा साहा, उर्सलाइन इंटर, रांची
2. रिया कुमारी, उर्सलाइन इंटर कॉलेज, रांची
3. श्रृष्टि कुमारी, उर्सलाइन इंटर कॉलेज, रांची

जैक 12वीं बोर्ड की परीक्षा छह से 26 फरवरी तक दूसरी पाली में आयोजित की गयी थी जबकि 27 फरवरी से पांच मार्च तक प्रैक्टिकल एग्जाम हुआ था। बोर्ड परीक्षा को लेकर कुल 740 परीक्षा केंद्र बनाये गये थे। जैक ने इससे पहले 19 अप्रैल को माध्यमिक बोर्ड परीक्षा (10वीं बोर्ड) का रिजल्ट जारी किया था। मैट्रिक की परीक्षा में 90.39 फीसदी बच्चों ने सफलता हासिल की थी। साल 2024 में 4,21,687 (1,91,262 छात्र और 2,00,549 छात्राएं) छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया था लेकिन 418623 परीक्षार्थी ही परीक्षा में शामिल हुए थे। इनमें से 3,38,398 (90.39 फीसदी) छात्र परीक्षा में पास हुए थे। इसमें 2,05,110 परीक्षार्थी (54.20 फीसदी) फर्स्ट डिवीजन, 1,53,733 (40.65 फीसदी) सेकेंड डिवीजन और 19,555 (5.17 फीसदी) थर्ड डिवीजन से उत्तीर्ण हुए थे।

मोहब्बत की दुकान में बिक रहे हैं फेक वीडियो : नरेंद्र मोदी

एजेंसी

उस्मानाबाद : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को महाराष्ट्र के उस्मानाबाद में रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने फर्जी वीडियो फैलाने को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला। गृह मंत्री अमित शाह का फेक वीडियो सोशल मीडिया पर फैलाने के मामले में कई कांग्रेसी नेता सवालों के घेरे में है। इस मामले की जांच दिल्ली पुलिस कर रही है। तेलंगाना के कांग्रेसी सीएम रेवंत रेड्डी को दिल्ली पुलिस ने समन भेजा है। रैली में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को लेकर नरेंद्र मोदी ने कहा कि जिनके घोटाले मैंने रोके हैं। वो मोदी पर गुस्सा करेंगे, यह स्वाभाविक है। वो मोदी को गालियां देते फिरेंगे। अनगिनत झूठे आरोप लगाएंगे। आजकल ये दिन-रात मोदी को गाली देने में लगे हैं। देश के लिए क्या करेंगे, इसके लिए कुछ नहीं है। मोदी को मारो, मोदी को पीटो, मोदी को गाली दो। पीएम ने कहा कि ये लोग आपको कैसे-कैसे डरा रहे हैं। कभी कहते हैं मोदी आया तो लोकतंत्र चला जाएगा। कभी कहते हैं मोदी आया तो संविधान को खत्म कर देगा, आरक्षण छीन लेगा। ऐसा झूठ बोलने की जरूरत क्या पड़ गई भाई आपको? क्या आपके पास सच बोलने के लिए कोई जगह नहीं बची है? आज संसद हो या विधानसभा, एससी, एसटी, ओबीसी सबसे ज्यादा एमएलसी, एमएलए, एमपी भाजपा, एनडीए के हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज दलित, आदिवासी, पिछड़े, हमारा समर्थन इसलिए कर रहे हैं कि हम जी जान से उनके कल्याण के लिए खप रहे हैं। अब इनकी हालत यह है कि जब झूठ नहीं चलता है तब हमारे चेहरा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इस्तेमाल कर उनकी मुहब्बत की दुकान में फेक वीडियो बिकने लगे हैं। ये फेक वीडियो बना रहे हैं।

नौसेना प्रमुख वाइस एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने कार्यभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली: वाइस एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने मंगलवार को नई दिल्ली में देश के 26वें नौसेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया। इससे पहले उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। साउथ ब्लॉक में गार्ड ऑफ ऑनर के बाद निवर्तमान नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार से उन्होंने चार्ज लिया। केंद्र सरकार ने 19 अप्रैल को वाइस एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी को भारतीय नौसेना का अगला

अध्यक्ष नियुक्त किया था। वह वर्तमान में नौसेना में उप प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। देश के 25वें नौसेना प्रमुख के रूप में 30 नवंबर, 2021 को कार्यभार संभालने वाले एडमिरल आर हरि कुमार 30 अप्रैल की दोपहर को सेवानिवृत्त हो गए। इसलिए वाइस एडमिरल त्रिपाठी ने आज ही नए नेवी चीफ के रूप में कार्यभार संभाल लिया। इससे पहले उन्हें साउथ ब्लॉक में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने परंपरा के अनुसार राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके शहीदों को श्रद्धांजलि दी। नए भारतीय नौसेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने से पहले उन्होंने अपनी मां रजनी त्रिपाठी से आशीर्वाद लिया।

हम महिलाओं को बनाएंगे लखपति: राहुल गांधी

एजेंसी

भोपाल: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि हमने मनरेगा लागू की तो कहा गया कि गरीबों की आदत बिगाड़ रहे हैं। मोदी जी अरबपतियों को पैसा देते हैं तो कहते हैं विकास हो रहा है। जितना उन्होंने 10 साल में उनको दिया, हम आपको देने जा रहे हैं। महालक्ष्मी योजना के तहत हर गरीब परिवार की लिस्ट बनेगी। हर परिवार से एक महिला का नाम चुना जाएगा। साल में एक लाख रुपये दिए जाएंगे। हर महीने 8500 रुपये एक तारीख को सरकार आपके खाते में डालेगी। राहुल गांधी मंगलवार को मध्य प्रदेश के भिंड लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार फूल सिंह बरैया के समर्थन में एमजेएस मैदान पर चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में आप बाहर जाते काम करते हो, हिंदुस्तान में महिलाएं भी मजदूरी करती हैं, जॉब करती हैं। महिलाएं आठ घंटे बाहर तो आठ घंटे घर

में भी काम करती हैं। इंडिया गठबंधन की सरकार घर में काम करने वाली इन महिलाओं को पैसा देने जा रही है। उन्होंने कहा कि 30 लाख सरकारी पद खाली पड़े हैं। हम छह महीने में आपके हवाले कर देंगे। अरबपतियों के बेटे अपने पिता की कंपनियों में अप्रेंटिसशिप करते हैं, उनको पैसा मिलता है। ये उनको कंपनी में डालने का मौका होता है। हमारी सरकार दुनिया की पहली सरकार होगी जो हर ग्रेजुएट को ये अधिकार देने जा रही है। आप सरकार से एक साल की गारंटी की नौकरी मांग सकते हो।

स्वास्थ्य | कोविशील्ड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स पर बोले विशेषज्ञ, घबराने की जरूरत नहीं

वैक्सीन के लाभ अधिक, नुकसान नगण्य

एजेंसी

नई दिल्ली: कोविशील्ड वैक्सीन साइड इफेक्ट्स को लेकर एक बार फिर चर्चा में है। यूके की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने पहली बार लंदन के कोर्ट में स्वीकार किया है कि उसकी कोरोना वायरस के खिलाफ लगने वाली वैक्सीन से दुर्लभ मामलों में गंभीर साइड इफेक्ट हो सकते हैं। हालांकि विशेषज्ञ मानते हैं कि इस वैक्सीन के फायदे अधिक और नुकसान बेहद कम हैं, इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है। इस पर ज्यादा हो हल्ला मचाने की भी आवश्यकता नहीं है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रोफेसर डॉ. संजय

राय ने बताया कि इस विवाद में पड़ने की कोई आवश्यकता नहीं है। किसी भी दवाई के साइड इफेक्ट्स होते हैं, लेकिन उसके लाभ ज्यादा और नुकसान बेहद कम होते हैं। इसलिए इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। आईएमए के पूर्व महासचिव डॉ. नरेन्द्र सैनी बताते हैं कि सभी दवाइयों के साइड इफेक्ट होते हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम सभी दवाएं लेना बंद कर दें। कोविशील्ड ने उस समय कोरोना से बचाव में काम किया, तो कुछ साइड इफेक्ट्स भी सामने आए हैं। लेकिन इसके फायदे अधिक हैं और नुकसान कम है। कोई भी वैक्सीन को बनाने में सालों लगते हैं। अमूमन करीब दस साल में जा कर वैक्सीन ट्रायल पूरे होते हैं, तब जाकर मार्केट में आती है लेकिन कोरोना काल ऐसा काल था, जहां लोगों की जान को देखते हुए वैक्सीन तैयार की गई और करोड़ों लोगों की जान बची। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स का पता चला है। अब चिकित्सक इस तरह से भी बीमार का इलाज करने में सक्षम होगा और आगे शोध किए जा सकेंगे। उल्लेखनीय है कि फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने कोविशील्ड के गंभीर साइड इफेक्ट्स में टीटीएसआई यानी थ्रोम्बोसिस के साथ थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम का जिक्र किया। कंपनी के कहा कि उसका टीका बहुत ही दुर्लभ मामलों में, टीटीएस का कारण बन सकता है। इस स्थिति में प्लेटलेट काउंट घटने और खून के थक्के जमने जैसी समस्याएं आ सकती हैं। भारत में इस वैक्सीन को कोविशील्ड के नाम से जानते हैं, जिसका भारत में निर्माण पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा किया गया था।

तो दंगाइयों को उल्टा लटका देता : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

कोलकाता: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के बहरमपुर लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में जनसभा को सम्बोधित करते हुए ममता बनर्जी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि क्या कारण है कि उत्तर प्रदेश में हर त्योहार शांति व उल्लास से मनाया जाता है और यहां बंगाल में रामनवमी पर दंगा हो जाता है। संदेशखाली जैसी घटना होती है। उन्होंने कहा कि यदि वे होते तो अभीतक दंगाइयों को उल्टा लटका कर सीधा कर चुके होते। उन्होंने कहा कि रामनवमी के अवसर पर आपकी आस्था से खिलवाड़ करने वालों को मोदी सरकार सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि ममता

सरकार केंद्र की योजनाओं को जमीन पर उतरने ही नहीं देती। आज, मैं यहां पश्चिम बंगाल सरकार से पूछने आया हूं कि जिस राज्य ने हमें दुर्गा पूजा का संदेश दिया, वहां संदेशखाली जैसी घटनाएं कैसे हो रही हैं ? आज का बंगाल सोनार बांग्ला नहीं है, जिसकी कल्पना हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी। पश्चिम बंगाल को दंगों में धकेलने की कोशिश की जा रही है। चाहे कांग्रेस हो या तृणमूल कांग्रेस- दोनों पार्टियां राज्य को लूटने और भारत के खिलाफ साजिश रचने के लिए एकजुट हैं। सात साल पहले यही स्थिति उत्तर प्रदेश में थी, आज उत्तर प्रदेश में बेटियां और व्यापारी-कारोबारी सुरक्षित हैं। उल्लेखनीय है कि बहरमपुर सीट से कांग्रेस दिग्गज अधीर रंजन के मुकाबले में तृणमूल कांग्रेस ने क्रिकेटर यूसुफ पठान को उतारा है।

NEWS IN Gallery

पत्नी की शोक में युवक ने दी जान

सिल्ली/मुरी : मुरी ओ पी थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटा मुरी बाजार के समीप रहने वाला 30 वर्षीय युवक मुकुम शर्मा ने अहले सुबह 6 बजे रस्सी के सहारे पंखे से लटक कर अपनी जान दे दी। बताते चले की युवक की पत्नी संध्या देवी उम्र 26 वर्ष 29 अप्रैल को दोपहर 12 बजे अपने कमरे में दुपट्टा के सहारे पंखे से लटक कर अपनी जान दे दी थी। अभी उसका पोस्टमार्टम भी नहीं हो पाया था कि उससे पहले ही 24 घंटा के अंदर युवक ने अपनी जान दे दी। ग्रामीणों के अनुसार युवक पत्नी की मौत के बाद काफी तनाव में था। लोगों ने बताया कि युवक काफी मृदुभाषी एवं मिलनसार व्यक्ति था तथा प्राइवेट काम करके अपने परिवार का जीविका चलता था। उसकी पत्नी भी प्राइवेट स्कूल में शिक्षक के रूप में काम कर रही थी। आत्महत्या के बाद ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे सिंगपुर नर्सिंग होम ले गई परंतु डॉक्टरों ने जांच के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। दोनों आत्महत्यो के कारण का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले को लेकर छानबीन कर रही है। घटना के बाद से क्षेत्र में गमहीन माहौल कायम हो गया है।

मुरी पुरुलिया चेक नाका पर जांच के दौरान रुपए बरामद

मुरी : मुरी ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार की देर रात आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर मुरी ओपी पुलिस मुरी पुरुलिया सीमा पर वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी क्रम में चेक नाका पर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारी के द्वारा वाहन जांच के क्रम में एक मोटरसाइकिल सवार युवक को जांच के लिए रोका गया एवं उसके पास एक बैग भी था। जब उसकी बैग की जांच की गई तो उसके बैग से 56000 रुपए बरामद किया गया। उसके पास से बरामद रुपए को सत्यापन एवं अग्रिम कार्रवाई हेतु मुरी पुरुलिया सीमा पर प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट को सुपुर्द कर दिया गया।

शहीद वीर बुधु भगत इंटर कॉलेज का रिजल्ट शानदार

चान्हो : शहीद वीर बुधु भगत इंटर कॉलेज का रिजल्ट शानदार रहा। कॉमर्स में शत प्रतिशत विद्यार्थियों ने पास किया वहीं आर्ट्स में 88.7प्रतिशत विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की। आर्ट्स में कुल 379विद्यार्थियों ने परीक्षा में शामिल हुए जिसमे 374 उतीर्ण हुए। कॉमर्स में 84 विद्यार्थियो ने परीक्षा दी थी, जिसमें सभी उत्तीर्ण हुए। आर्ट्स में अनु कुमारी तो कॉमर्स में निशा कुमारी कॉलेज टॉपर बने। कॉलेज की शानदार सफलता पर प्राचार्य सुशील कुमार मिंज और उप प्राचार्य मोहसिन खान ने विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य की शुभकामना दी। साथ ही कहा कि यहां के बच्चे अलग-अलग क्षेत्र में आप आज नाम रोशन कर रहे हैं। ज्ञात हो कि इसी कॉलेज में पढ़ने वाली एक लड़की नरगिस नाज ने कॉलेज के प्रथम बैच में ही पूरे झारखंड में आर्ट्स में द्वितीय स्थान प्राप्त की थी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने किया खूंटी जिले के विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

मतदाताओं के बीच वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप का वितरण पूर्ण करें: के रवि

स्वदेश संवाददाता

खूंटी : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने मंगलवार को खूंटी जिले में निर्वाचन की तैयारी सहित विभिन्न मतदान केंद्रों और घर-घर वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप वितरण की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने लोकसभा चुनाव को लेकर बीएलओ द्वारा अब तक संपन्न और किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली और कार्य में तेजी प्रगति लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस बार लोकसभा निर्वाचन में कार्यरत बीएलओ को इंसेंटिव का प्रावधान है, लेकिन खराब प्रदर्शन अथवा कार्य में लापरवाही बरतने वाले बीएलओ को इंसेंटिव से वंचित रखा जाएगा। उन्होंने सभी बीएलओ को अच्छा कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया और ससमय निर्वाचन कार्य पूर्ण करने को कहा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने खूंटी के पिपरा टोली बेलाहाथी रोड जाकर मतदाताओं के बीच बीएलओ द्वारा वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप के वितरण की जानकारी ली। साथ ही उनके द्वारा भरे गये प्रपत्रों की जांच की। उन्होंने खूंटी जिले के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कर्रा रोड स्थित मतदान केंद्र पर बीएलओ से मुलाकात की और लोकसभा निर्वाचन से संबंधित कार्यों के अद्यतन स्थिति से अवगत हुए। उन्होंने सीएम स्कूल ऑफ एक्सिलेंस (गर्ल्स), खूंटी एवं सामुदायिक भवन नामकोम स्थित मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने अब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ सूची, वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप, मतदान केंद्र जागरूकता समूह की अद्यतन जानकारी ली और कार्य में प्रगति लाने का निर्देश दिया। उन्होंने तीन मई तक सभी मतदाताओं के बीच वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप वितरण पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके पूर्व मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कालामाटी चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने चेकपोस्ट पर तैनात जवानों एवं दंडाधिकारी की शिथिलता पर नाराजगी जताते हुए वाहनों के आवागमन पर पैनी नजर रखने, वाहनों की सघन जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वाहन चेकिंग कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निरीक्षण के दौरान खूंटी के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त लोकेश मिश्रा, अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान, प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी आदि मौजूद थे।

सेंट्रल कोलफील्डस लिमिटेड के अध्यक्ष नलेन्दु सिंह ने पदभार ग्रहण किया

स्वदेश संवाददाता

रांची : सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) से चयनोपरांत कोयला मंत्रालय, भारत सरकार और कोल इंडिया लिमिटेड के आदेशों के आलोक में निलेन्दु कुमार सिंह ने मंगलवार को सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया। इस कार्यभार से पूर्व श्री सिंह ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के निदेशक तकनीकी (परियोजना एवं योजना) पद पर कार्यरत थे। श्री सिंह ने वर्ष 1989 में आईआईटी-आईएसएम, धनबाद से खनन इंजीनियरिंग (बी.टेक) में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और वर्ष 1994 में प्रथम श्रेणी खान प्रबंधक प्रमाणन प्राप्त किया।अपने शिक्षण के उपरांत वर्ष 1989 में कोल इंडिया लिमिटेड के अनुषंगी सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड से अपने करियर की शुरूआत की । श्री सिंह ने 2011 तक सीसीएल में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। इस दौरान वे पिपरवार, अशोका, उरीमारी और कल्याणी इत्यादि परियोजनाओं में खान प्रबंधक के रूप में अपनी सेवाएं दी। इसके बाद, जनवरी, 2012 में उनकी पदस्थापना एसइसीएल में हुई । जहाँ उन्होंने गेवरा में खान प्रबंधक; दीपका और छाल परियोजना में उप क्षेत्र प्रबंधक (एजेंट) और एसईसीएल के दीपका क्षेत्र, कोरबा क्षेत्र और रायगढ़ क्षेत्र में महाप्रबंधक के रूप में अपना योगदान दिया । श्री सिंह के पास मेगा ओपन कास्ट खदानों में काम करने, एफएमसी परियोजनाओं के संचालन , साइडिंग शुरू करने, नई खनन प्रौद्योगिकियों को अपनाने और उच्चतम क्षमता वाले एचईएमएम के साथ काम करने का व्यापक अनुभव है। श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने खनन तकनीकों में अनुभव प्राप्त करने के लिए उन्होंने 1997 में ऑस्ट्रेलिया का भी दौरा किया है। उन्हें खेल और पेंटिंग में गहरी रुचि है। उन्होंने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय स्तर पर वॉलीबॉल का प्रतिनिधित्व किया है। कोयला उद्योग में तीन दशकों से अधिक के विशाल अनुभव के धनी, श्री सिंह विभिन्न नई खनन पद्धतियों की शुरूआत करने में और कंपनी के कामकाज में सुधार लाने में अपना अहम योगदान दिया है। इसके साथ-साथ विभिन्न श्रमसंगठनों व कंपनी के हितधारकों को साथ लेकर कार्य करने का उन्हें कोयला उद्योग में विविध और दीर्घकालीन अनुभव प्राप्त है । कोयला उद्योग में श्री सिंह के तीन दशकों से अधिक के अनुभव से टीम सीसीएल को लाभ मिलेगा। इनके कुशल नेतृत्व में कंपनी निश्चित रूप से निर्धारित लक्ष्य को हासिल करेगी। उल्लेखनीय रूप से सीसीएल ने वित्त वर्ष 23-24 में अब तक का सबसे अधिक उत्पादन और प्रेषण हासिल करके प्रदर्शन में नए रिकॉर्ड बनाया हैं।

एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड ने मतदान का अधिकार पर किया जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्वदेश संवाददाता

रांची : एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड के संस्थापक अध्यक्ष और चांसलर के दृष्टिकोण और मिशन को ध्यान में रखते हुए एमिटी लॉ स्कूल की कानूनी सहायता समिति ने हाल ही में एक विस्तार कार्यक्रम का आयोजन किया। जहां उन्होंने सिलवे गांव नामकुम, रांची का दौरा किया और लोगों के साथ बातचीत की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वहाँ के नागरिकों को वोट के महत्त्व एवं अपने अधिकार की जानकारी देना था । एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड के कुलपति डॉ. अशोक के. श्रीवास्तव ने इस प्रयास पर विभाग को अपनी शुभकामनाएं दीं। इसके साथ साथ एमिटी लॉ स्कूल की कानूनी सहायता समिति ने झारखंड सरकार द्वारा शुरू की गई नई योजना, झारखंड राज्य फसल राहत योजना के बारे में वहाँ के निवासियों को जानकारी प्राप्त कराई। छात्रों ने ग्रामीणों को वोट देने के अधिकार और चुनाव प्रक्रिया से परिचित कराने, मतदाता पहचान पत्र बनाने और इसके लिए पंजीकरण करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताने की भी पहल की ' विद्यार्थियों ने लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग कर वोट डालने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं और चुनाव प्रक्रिया के बारे में उनकी जागरूकता का आकलन करने के लिए गांव के निवासियों का भी सर्वेक्षण किया।

मेडिका में डॉ. विजय मिश्र इंस्पायरिंग इंटेनसिविस्ट ऑफ इंडिया से सम्मानित

स्वदेश संवाददाता

रांची : मेडिका हॉस्पिटल रांची के क्रिटिकल केयर विभाग के निदेशक डॉ. विजय मिश्र को उनकी मेहनत जिम्मेदारीपूर्ण कार्यप्रणाली और सामाजिक भागीदारी के लिए टाइम्स ग्रुप द्वारा ₹इंस्पायरिंग इंटेनसिविस्ट ऑफ इंडिया₹ के सम्मान से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान डॉ. मिश्र को उनकी उत्कृष्टता और चिकित्सा क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए दिया गया। सम्मान समारोह दिल्ली के होटल ताज पैलेस में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि फ्रांस की यूनिवर्सिटी पेरिस-सैकले में थेरेप्यूटिक्स और क्रिटिकल केयर मेडिसिन के प्रोफेसर जीन-लुई टेबौल थे. समारोह में देश-विदेश की प्रतिष्ठित हस्तियों सहित कई गणमान्य उपस्थित थे। डॉ. मिश्र की इस उपलब्धि पर मेडिका के एवीपी श्री अनिल कुमार ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा डॉ. विजय मिश्र और मेडिका के सभी चिकित्सक अपने-अपने क्षेत्र में धुरंधर हैं और समाज तथा देश के प्रति गहरी समर्पण भावना रखते हैं। डॉ. मिश्र ने सम्मान प्राप्त करते हुए कहा इस सम्मान ने मेरी जिम्मेदारियों को और बढ़ा दिया है और मुझे चिकित्सा क्षेत्र में मरीजों के प्रति और अधिक कार्य करने की प्रेरणा मिली है । डॉ. मिश्र की यह उपलब्धि मेडिका हॉस्पिटल और झारखंड के अन्य चिकित्सकों के लिए भी यह प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

ईसीएल मुख्यालय में सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन

स्वदेश संवाददाता

रांची : ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के मुख्यालय से अप्रैल माह, 2024 में सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के सम्मान में मंगलवार को मुख्यालय में सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस माह ईसीएल मुख्यालय से दो अधिकारी तथा चार कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत होने वाली अधिकारियों में श्री आनंद प्रताप सिंह महाप्रबंधक (वित्त), श्री प्रिय रंजन मुख्य प्रबन्धक (एमएम), एवं कर्मचारियों में श्रीमती सोमा बैनर्जी सिस्टर-इन-चार्ज, शंकरी मित्रा सिस्टर-इन-चार्ज, श्री सुरेन्द्र नाथ मुर्मु मकैनिकल फिटर तथा श्री बिकाश मण्डल जनरल मजदूर शामिल हैं । सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों ने कंपनी में अपने द्वारा दिये गए योगदान व अपने कार्यकाल के अनुभव को सभी उपस्थितगण के साथ साझा किया, एवं कंपनी को धन्यवाद व्यक्त किया। मुख्यालय की भांति ईसीएल के विभन्न क्षेत्रों में भी सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित किए गए। उक्त कार्यक्रम में ईसीएल की निदेशक (कार्मिक) श्रीमती आहुती स्वाईं, एवं निदेशक(तकनीकी) संचालन श्री नीलाद्रि रॉय की गरिमामयी उपस्थिती रही एवं उन्होंने सेवानिवृत्त होने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके द्वारा कंपनी में दिये गये योगदान को सराहा तथा उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की । इस अवसर पर मुख्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे ।

दुनिया में क्या हम बड़ा बंगला बनाने आये हैं या बैंक बैलेंस बढ़ाने आये हैं?: श्याम माधव सुंदर

स्वदेश संवाददाता

खूंटी : श्याम माधव सुंदर प्रभु ने कहा कि बहुत जन्मों के बाद हम मानव जन्म में आये हैं, क्या बड़ा बंगला बनाने आए हैं? या बैंक बैलेंस बढ़ाने आए हैं? बड़ा आदमी बनने आए हैं? नहीं हम भक्ति करने आए हैं। जो सरकार के नियमों को नहीं मानता, उसकी जगह जेल में होती है इसी तरह जो भगवान के नियमों को नहीं मानता उसकी जगह भौतिक जेल मानी गई है। जेल में रहते हुए वहीं मानव मुक्त है जो भक्ति करता है। हरे कृष्ण मंदिर खूंटी के तत्वावधान में खूंटी केंद्र में प्रवास काल में पहुंचे श्याम माधव सुंदर प्रभुजी ने मंगलवार को गोविंदपुर शाखा मैदान में प्रवचन कर रहे थे।

संत अन्ना इंटर कॉलेज मांडर का रिजल्ट रहा शानदार

स्वदेश संवाददाता

मांडर : संत अन्ना इंटर कॉलेज मांडर में आर्ट्स का रिजल्ट शानदार रहा। उषा खलखो 434 (86.8%) अंक के साथ कॉलेज टॉपर रही साथ ही अंकित उराव 430(86%) द्वितीय स्थान और खुशबु परवीन 423(84.8%) तृतीय स्थान पर रही। आर्ट्स में कुल 123 छात्रों ने परीक्षा दिए थे जिसमे से 97 छात्रों ने प्रथम श्रेणी 23 छात्रों ने द्वितीय श्रेणी से पास हुए । दो छात्र अनुपस्थित और एक छात्र फेल रहा। जबकि साइंस में नमन आर्या 409 (81.8%) कॉलेज टॉपर पलक कुमारी गुप्ता 397(79.4%) द्वितीय स्थान और नेहा परवीन 387(77.4%) लेकर तीसरे स्थान पर रही। कॉमर्स का भी रिजल्ट शानदार रहा पायल कुमारी गुप्ता 447(89.4%)प्रथम स्थान रानी कुमारी गुप्ता 426(85.2%)द्वितीय स्थान और अनीश कुमार 393(78.8%) तृतीय स्थान पर रहा। कॉमर्स में 95.65% रिजल्ट रहा, कुल 69 छात्रों ने परीक्षा दिया जिसमे 48 छात्र प्रथम श्रेणी 18 द्वितीय श्रेणी और 03 छात्र असफल रहें। संत अन्ना इंटर कॉलेज की प्राचार्या सिस्टर निर्मला ज्योति कच्छप ने छात्र- छात्राओं के उजवल भविष्य की कामना करते हूए कहा की आने वाले शैक्षणिक सत्र में और बेहतर रिजल्ट के लिए प्रयासरत है।

बच्चों के कौशल विकास के लिए खूंटी में आठ दिवसीय समर कैंप 17 मई से

स्वदेश संवाददाता

खूंटी : वीर बिरसा तीरंदाजी अकादमी और खूंटी राइफल शूटिंग क्लब के तत्वावधान में आगामी 17 से 24 मई तक खूंटी में समर कैंप सह प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। गर्मी की छुट्टियों में बच्चों के कौशल विकास के लिए आयोजित द्वितीय समर कैंप सह प्रतियोगिता के माध्यम से तीरंदाजी अकादमी में पांच साल के ऊपर और राइफल एवं पिस्टल शूटिंग में नौ साल से ऊपर के बालक-बालिकाओं का चयन किया जाएगा। समर कैंप में तीरंदाजी और राइफल शूटिंग के अलावा शारीरिक प्रशिक्षण, मनोरंजक गतिविधियां, योग आदि की कक्षाएं शामिल होंगी। इसके लिए प्रतिदिन सुबह छह से आठ बजे और शाम चार से छह बजे तक विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। समर कैंप का हिस्सा बनने के लिए रजिस्ट्रेशन कराने की अंतिम तिथि 15 मई है। इसके लिए खूंटी जिले के बच्चों का शुल्क 1000 रुपये और खूंटी जिले के बाहर के बच्चों के लिए 1500 रुपये निर्धारित किया गया है। अधिक जानकारी के लिए तीरंदाजी प्रशिक्षक बसंत कुमार (एनआईसी कोच) के मोबाइल नंबर 7004941546 और राइफल क्लब प्रशिक्षक अनुज कुमार (एनआईसी कोच) के मोबाइल नंबर 8340757924 पर संपर्क कर सकते हैं।

विश्लेषण | खूंटी में नोटा भी देता है टक्कर, 2019 में रहा तीसरे स्थान पर

भाजपा और कांग्रेस के बाद सबसे अधिक वोट नोटा को

स्वदेश संवाददाता

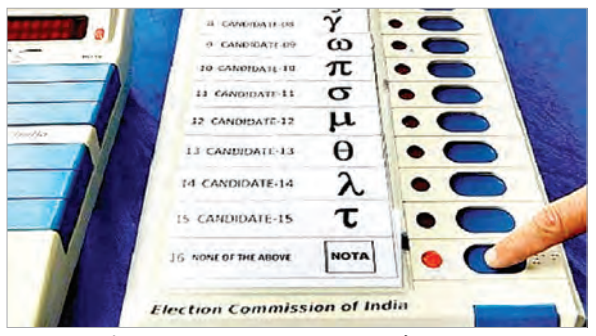

खूंटी : नोटा यानी राइट टू रिजेक्ट। चुनाव के दौरान प्रत्येक मतदाता को यह अधिकार है कि अपने पसंदीदा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करें। अगर निर्धारित प्रत्याशियों की सूची में कोई उसके पसंद का नहीं है, तो इसके लिए नोटा का विकल्प चुन सकता है। वर्ष 2013 में राइट टू रिजेक्ट के तहत यह अधिकार मतदाताओं को मिला है। 2014 के लोकसभा चुनाव से इवीएम में प्रत्याशी की सूची में नोटा का बटन भी शामिल हो गया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में तीसरी बार इस बटन का उपयोग होगा। 2019 के लोकसभा चुनाव में खूंटी संसदीय सीट के चुनाव परिणाम ने सबको चौंका दिया था। यहां कांटे के टक्कर में भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा मात्र 1445 वोट से चुनाव जीत गये थे। कांग्रेस के कालीचरण मुंडा दूसरे स्थान पर रहे। वहीं 21 हजार 245 वोट लाकर नोटा तीसरे स्थान पर रहा। यानि हार जीत के अंतर से काफी अधिक वोट नोटा को मिला था। एक फीसदी से भी कम वोट के अंतर से हार जीत का फैसला हुआ। 2019 के लोकसभा चुनाव में खूंटी सुरक्षित सीट से विजयी प्रत्याशी भाजपा के अर्जुन मुंडा को 382638 0वोट मिले थे, वहीं कांग्रेस के कालीचरण मुंडा को 381193 वोट मिले थे। तीसरे स्थान पर नोटा रहा था, जिसने 21245 वोट हासिल किये थे। चौथे स्थान पर निर्दलीय प्रत्याशी मीनाक्षी मुंडा थी, जिसने 10989 मत प्राप्त किये थे। जेएचकेपी के अजय टोपनो को 8838 वोट, बीएसपी की इंदुमति देवी को 7663, निर्दलीय सुखराम हेरेंज को 5255, निर्दलीय नियारन हेरेंजको 4560, आरएसजीपी की सिविल कंडुलना को 3895 एचबीपी की अवनिशी मुंडू को 2373 एएनपी के मुन्नाबड़ाईक को 1864 और बीएमएसएम के नील जस्टिन बैक ने भी 1864 वोट प्राप्त किये थे।

इस बार भाग्य आजमा रहे है सात उम्मीदवार

2024 के लोकसभा चुनाव में खूंटी संसदीय सीट से दीलय-निर्दलीय सात प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वैसें 16 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दखिल किया था, लेकिन नौ उम्मीदवारों की छंटनी संविक्षा में हो गई थी। इस बार भी इस संसदीय सीट में दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने फिर से उन्हीं पुराने प्रतिद्वंदियों को मैदान में उतारा है। भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा और कांग्रेस के कालीचरण मुंडा फिर से आमने सामने हैं। झारखंड पार्टी ने अपर्णा हंस पर दांव खेला है। अपर्ण हंस और निर्दलीय बसंत कुमार लोंगा की चुनावी मैदान में इंट्री से मुकाबला और रोचक हो गया है, जो सात प्रत्याशी मैदान में हैं उनमें भाजपा से अर्जुन मुंडा, कांग्रेस से कालीचरण मुंडा, बहुजन समाज पार्टी की सावित्री देवी, झारखंड पार्टी की अपर्णा हंस, भारत आदिवासी पार्टी की बबीता कच्छप, निर्दलीय पास्टर संजय कुमार तिर्की और बसंत कुमार लोंगा शामिल हैं।

इंटर के रिजल्ट में छात्राओं का जलवा सभी संकायों में लड़कियां रही टॉपर

- कॉमर्स में एसएस 2 हाई स्कूल की छात्रा फियांशु बनी जिला टॉपर

स्वदेश संवाददाता

रामगढ़ : झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने मंगलवार को इंटर का रिजल्ट जारी कर दिया है। जिले में तीनों संकाय साइंस, आर्ट्स और कॉमर्स पर छात्राओं का दबदबा रहा। सभी संकायों में लड़कियां ही टॉपर रही। सबसे बड़ी बात यह है कि साइंस और आर्ट्स में राजीव गांधी इंटर कॉलेज पिंडरा, तापीन की छात्राएं टॉपर रही। जबकि कॉमर्स में एसएस 2 हाई स्कूल, गोला की छात्रा सबसे अधिक अंक लाकर जिला टॉपर बनी है। साइंस में राजीव गांधी इंटर कॉलेज पिंडरा, तापीन की छात्रा शहनाज खातून ने 451 नंबर लाकर टॉप किया है। इसी कॉलेज की छात्रा ललिता कुमारी ने 449 नंबर लाकर कॉमर्स में टॉप किया है। जबकि कॉमर्स में एसएस 2 हाई स्कूल, गोला की छात्रा फियांशु कुमारी ने 452 नंबर लाकर टॉप रैंक हासिल किया है।

विज्ञान संकाय में टॉप 10 की सूची

विज्ञान संकाय में टॉप टेन रहे छात्रों में 14 लोगों का नाम शामिल है। कुछ छात्र ऐसे हैं जिन्होंने बराबर अंक हासिल किया है। पहले नंबर पर राजीव गांधी इंटर कॉलेज पिंडरा तापिन की छात्रा शहनाज खातून 451 अंक, एसएस 2 हाई स्कूल, मांडू की छात्रा तनजिला परवीन 450 अंक, राजीव गांधी इंटर कॉलेज पिंडरा का छात्र हरिओम राणा 446 अंक, श्रवण यादव 445 अंक, एसएस मॉडल 2 हाई स्कूल, पतरातु की छात्रा रिया गुप्ता 444 अंक, एसएस 2 हाई स्कूल, गोला का छात्र रितेश चंद्र पोद्दार 443 अंक, रिझुनाथ चौधरी मेमोरियल इंटर कॉलेज, सिरू, दुलमी का छात्र ऋतिक कुमार 443 अंक, राजीव गांधी इंटर कॉलेज पिंडरा की छात्रा पूजा कुमारी 441 अंक, विवेक कुमार शर्मा 441 अंक, एसएस मॉडल 2 हाई स्कूल, पतरातु की छात्रा प्रिया वर्मा 440 अंक, राजीव गांधी इंटर कॉलेज पिंडरा का छात्र अरशद अयूब 439 अंक, गांधी मेमोरियल 2 हाई स्कूल, रामगढ़ की छात्रा आरती कुमारी 348 अंक, राजीव गांधी इंटर कॉलेज पिंडरा का छात्र सचिन कुमार को 438 अंक और उत्क्रमित आरबी 2 हाई स्कूल सांडी की छात्रा बिंदी कुमारी को 438 अंक मिले हैं।

NEWS IN Gallery

एटीएस ने गैंगस्टर अमन साहू गिरोह के दो बदमाशों को दबोचा, हथियार बरामद

रांची: आंतकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने गैंगस्टर अमन साहू गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनमें मनिन्दर कुमार उर्फ मिलावट और राजा अंसारी शामिल हैं। इनके पास से आठ चक्र का एक रिवाल्वर, अलग-अलग तरह की 51 गोलियां बरामद की गयी हैं। एसपी ऋषव झा ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि एटीएस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि गैंगस्टर अमन साहू गिरोह के बदमाश राजा अंसारी एवं मनिन्दर कुमार उर्फ मिलावट रामगढ़ के पतरातू आया हुए हैं। इस सूचना पर एटीएस ने छापेमारी कर दोनों अपराधियों को गिरफ्तार किया। मनिन्दर कुमार के पास से अवैध हथियार एवं कारतूस बरामद किया गया। एसपी ने बताया कि मनिन्दर कुमार से पूछताछ के दौरान यह बात सामने आयी है कि वह गैंगस्टर अमन साहू गिरोह के जरिये अपराध में प्रयुक्त होने वाले हथियार एवं कारतूसों को जमा करता था। जेल में बंद बदमाश चंदन साव और अमन साहू के निदेर्शानुसार वह चिह्नित अपराधियों को हथियार मुहैया कराता था।

केंद्रीय गृह मंत्री के फेक वीडियो मामले में भाजपा ने कराई प्राथमिकी

रांची : भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को अरगोड़ा थाने में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का फेक वीडियो वायरल करने के आरोपित शैलेंद्र हाजरा एवं रूपेश रजक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। भाजपा जनता युवा मोर्चा के कार्यालय मंत्री संजय कुमार महतो ने यह प्राथमिकी दर्ज कराई। मौके पर भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुधीर श्रीवास्तव ने कहा कि देश के गृह मंत्री के वायरल फेक वीडियो को भी थाने में दिया गया है। यह वीडियो न सिर्फ आदर्श चुनाव आचार संहिता का मामला है, बल्कि यह वीडियो देश में आशांति फैलाने के उद्देश्य से किया गया है। आरक्षण जैसे मुद्दे पर अमित शाह ने कभी नहीं कहा कि इसको खत्म कर देंगे। यह वीडियो न सिर्फ अमित शाह की व्यक्तिगत मानहानि है, बल्कि देश के सामने गलत तथ्य रखने का प्रयास भी है। संजय महतो ने कहा कि इससे न सिर्फ अमित शाह की छवि धूमिल हुई है, बल्कि पार्टी की छवि पर भी धब्बा लगा है। प्रतिनिधिमंडल में विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुधीर श्रीवास्तव, न्यायिक मामले के उप प्रमुख प्रकाश झा, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज, संजय महतो, रोमित नारायण सिंह और पवन पासवान शामिल थे।

भाजपा का मुख्यमंत्री से सवाल- झामुमो का जमीन दलालों के साथ रिश्ता क्या कहलाता है?

स्वदेश संवाददाता

रांची: भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने मंगलवार को मारू टावर स्थित मीडिया सेंटर में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर हमला बोलते हुए कहा कि झामुमो का हाथ जमीन दलालों के साथ है। उन्होंने मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से जानना चाहा कि उनकी सरकार, झामुमो पार्टी, जमीन दलाल एवं ट्रांसफर-पोस्टिंग के रैकेट में लगे लोगों के बीच का रिश्ता क्या कहलाता है? प्रतुल ने कहा कि पीएमएलए कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों ने स्पष्ट कर दिया है कि झामुमो नेता अंतू तिर्की, सद्दाम हुसैन और अफसर अली समेत तमाम लोगों ने हेमंत सोरेन की 8.86 एकड़ जमीन के फर्जी कागजात तैयार किए थे। साथ ही इन अभियुक्तों ने यह भी स्वीकार किया है कि वे ट्रांसफर-पोस्टिंग और जमीन के फजीर्वाड़ा का बहुत बड़ा रैकेट चलाते हैं। प्रतुल ने कहा कि जमीन घोटाला अरबों रुपये का हो सकता है। उन्होंने कहा कि झामुमो के महासचिव सुप्रिया भट्टाचार्य और अंतू तिर्की के बीच व्हाट्सएप चैट से बहुत चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इस चैट से स्पष्ट है कि अंतू तिर्की जो जमीन की गोरखधंधे में लिप्त था, वह सुप्रियो भट्टाचार्य से डीसीएलआर, खूंटी के पद पर कार्यरत प्रवीण मुंडा की पोस्टिंग रांची में जिला लैंड एक्विजिशन अफसर के रूप में करने की पैरवी कर रहा था। दलालों को यह भी पता था कि फाइल सीएम हाउस तक पहुंच गई है। प्रतुल ने कहा कि सीएम हाउस के भीतर की बातें कैसे लीक हो गईं और सुप्रियो भट्टाचार्य ने अंतू तिर्की के द्वारा इस बात को बताने पर एफआईआर क्यों नहीं किया? क्या यह ऑफिसियल सीक्रेट एक्ट एवं गोपनीयता का उल्लंघन नहीं है? प्रतुल ने कहा कि दस्तावेजों से स्पष्ट है कि कमीशन लेकर अंतू तिर्की अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग कराता था। उन्होंने कहा कि झामुमो को महिला मोर्चा, युवा मोर्चा की तर्ज पर एक 'ट्रांसफर पोस्टिंग मोर्चा' भी खोल लेना चाहिए। प्रतुल ने कहा कि जमीन के गोरखधंधे से जुड़े दलाल तक फाइल की जानकारी पहुंचना दिखाता है कि या तो सीएमओ भी मिला हुआ था या फिर इन दलालों की सीएमओ तक पकड़ थी। उन्होंने कहा कि सुप्रिया भट्टाचार्य ने गलतबयानी करके हेमंत सोरेन का कई बार बचाव किया। नवीनतम बचाव था जब हेमंत सोरेन के दिल्ली वाले घर से 36 लाख रुपये बरामद गए थे।

लोकसभा चुनाव में थर्ड फ्रंट उतारेगा उम्मीदवार

स्वदेश संवाददाता

रांचीः राज्य में पहले और दूसरे चरण के चुनाव में थ्रर्ड फ्रंट सभी लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारेगा। इसके अलावा गाण्डेय विधानसभा सीट पर उप चुनाव में भी उम्मीदवार देगा। थ्रर्ड फ्रंट के घटक दलों के नेताओं ने मंगलवार को प्रेस क्लब में आयोजित संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। फ्रंट के समन्वयक एवं झारखंड नवनिर्माण दल के अध्यक्ष विजय सिंह ने कहा कि लोहरदगा में निर्दलीय उम्मीदवार चमरा लिंडा और कोडरमा में प्रो. जयप्रकाश वर्मा को थर्ड फ्रंट समर्थन देगा। गाण्डेय विधानसभा सीट पर उप चुनाव में मुख्तार अंसारी को समर्थन देने की घोषणा की। साथ ही पलामू लोकसभा सीट पर बहुजन मुक्ति पार्टी के रामबचन राम, खूंटी से झारखंड नवनिर्माण दल के संजय तिर्की, सिंहभूम में आशा कुमारी रुण्डा, चतरा में बहुजन मुक्ति पार्टी के महेश बाण्डो को थर्ड फ्रंट समर्थन देगा। सिंह ने कहा कि भाजपा संविधान पर चोट कर रही है। संविधान बदलने और आरक्षण समाप्त करने की उसकी मंशा है। इसलिए पहला काम भाजपा को सत्ता से दूर करना है। भाजपा महंगाई और बेरोजगारी जैसे गंभीर मुद्दों से जनता का ध्यान भटका रही और 2047 का सपना बेच रही है जबकि नोटबंदी और जीएसटी से जनता त्रस्त हो चुकी है। थर्ड फ्रंट के प्रमुख मीडिया प्रभारी पंकज मिश्रा ने एनडीए और आईएनडीआईए दोनों को एक नजर से देखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पहले विधायक और सांसदों को खरीद कर भाजपा दूसरों की सरकार गिरा कर सरकार बनाती थी। अब नया खेल शुरू कर दिया है। जनता के वोट देने के अधिकार को छीन लिया गया है। वोटों को सीधा खरीद लिया जा रहा है। पंकज ने कहा कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव में सबसे पहले खेल शुरू हुआ। अभी सूरत और इंदौर में जनता को वोट देने से वंचित कर दिया गया। भ्रष्टाचार पर बड़ी बात करना भाजपा को शोभा नहीं देती। इलेक्टोरल बॉन्ड इतना ही पारदर्शी होता तो सुप्रीम कोर्ट को इसे असंवैधानिक नहीं कहना पड़ता। उन्होंने कहा कि थर्ड फ्रंट पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगा और बाद के चरणों में भी प्रत्याशी उतारेगा।

ईडी के अधिकारी ने आवाज बंद रखने की दी थी नसीहत : सुप्रियो भट्टाचार्य

स्वदेश संवाददाता

रांची : झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य में एक साल से अधिक समय से ईडी की कार्रवाई चल रही है। राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर जमीन घोटाले का आरोप है। इसके बाद 31 जनवरी से जेल में बंद हैं, तो वहीं झामुमो के नेता अंतु तिर्की को भी पूर्व मुख्यमंत्री से जुड़े जमीन मामले में ईडी ने गिरफ़्तार किया और रिमांड पर लेकर हुई पूछताछ में कई चौंकनेवाले नाम सामने आये हैं। इसमें सबसे पहला नाम पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य का आ रहा है। इस पर सुप्रियो ने कहा कि मैंने कुछ दिन पहले ही इशारा किया था कि अब मैं टारगेट में हूं। मुझे कुछ दिन पहले ही ईडी के एक अधिकारी ने अपनी आवाज बंद रखने का निर्देश दिया था। मैं एक राजनीतिक व्यक्ति हूं और कई विषयों को लेकर कॉल आते हैं। बहुत होगा तो क्या होगा अपने नेता का साथ निभाने के लिए होटवार जेल में जाना होगा। अच्छा रहेगा, बिना होटवार गये आवाज शांत नहीं होगी। जेल जाने के बाद भी हमारी आवाज बंद नहीं होगी। जेल में रह कर प्रेस विज्ञप्ति लिखूंगा और जेल अधीक्षक की मुहर लगवा कर भेजता रहूंगा। प्रधानमंत्री के दौरे से पहले ही हमें ईडी बुलायेगी और मैं पूरी तैयारी से जाऊंगा, अपना लगेज तक लेकर जाऊंगा। मैं अपना जमीर नहीं बेच सकता हूं। अपने लोगों को कभी भी व्यक्तिगत लाभ के लिए बदनाम नहीं कर सकता हूं। हमें जितना परेशान करना है कर सकते हैं। हम परेशान होने वाले नहीं हैं। भट्टाचार्य मंगलवार को हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। मौके पर विधायक विकास मुंडा उपस्थित थे।

भाजपा कार्यसमिति के सदस्य मृत्युंजय शर्मा सहित कई नेता हुए कांग्रेस में शामिल

स्वदेश संवाददाता

रांची : प्रदेश कांग्रेस कमिटी की ओर से चलाये जा रहे आ अब लौट चले अभियान के तहत भाजपा कार्यसमिति के सदस्य मृत्युंजय शर्मा सहित कई नेताओं ने मंगलवार को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इनके अलावा जिला परिषद के पूर्व सदस्य संजय सिंह और भाजपा के मंडल महामंत्री सहित कई नेता कांग्रेस में शामिल हुए। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने माला और कांग्रेस का पट्टा पहनाकर सभी का स्वागत किया । उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के प्रति जिस प्रकार युवाओं का रूक्षान बढ़ा है यह उसी का परिणाम है कि युवाओं को कांग्रेस के पांच न्याय और 25 गारंटी पर भरोसा हो रहा है और देश के प्रधानमंत्री के झूठ और प्रपंच से लोग अब उब चुके है और कांग्रेस की और अपना रूख कर रहे है हम तमाम लोगों का हम कांग्रेस परिवार में स्वागत और हार्दिक अभिनंदन करते हैं। इस अवसर पर डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू ने कहा कि झारखंड में आईएनडीआईए गठबंधन काफी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रही है। ऐसे समय में पुराने साथियों के कांग्रेस में शामिल होने से पार्टी को काफी मजबूती मिलेगी और राज्य के 14 लोकसभा सीटों पर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित होगी।

राज्य में अब तक 71 करोड़ 11 लाख रुपये से अधिक की हुई जब्ती

रांची : उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नेहा अरोड़ा ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के लागू होने से लेकर अब तक झारखंड में 71 करोड़ 11 लाख रुपये से अधिक की जब्ती की गई है। इसमें अवैध शराब और ड्रग्स आदि समेत 05 करोड़ 18 लाख से अधिक नकदी है। वह मंगलवार को निर्वाचन सदन धुर्वा में पत्रकार वार्ता में बोल रहीं थीं। नेहा ने बताया कि राज्य में विधि व्यवस्था को लेकर राज्य के 18577 आर्म्स लाइसेंस में से 817 को रद्द करने की कार्रवाई की गई है। लाइसेंस रद्द हथियारों के मालिकों ने उसका सत्यापन नहीं कराया था। उन्होंने बताया कि पांचवे चरण के निर्वाचन को लेकर 14 नामांकन हुए हैं। इनमें चतरा में नौ, कोडरमा में चार और हजारीबाग में एक नामांकन हुआ है। छठे चरण के लिए अब तक आठ नामांकन हुए हैं। इनमें गिरीडीह में एक, धनबाद में दो, रांची में दो और जमशेदपुर में तीन नामांकन हुए हैं। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता जागरुकता का अभियान विभिन्न माध्यमों से लगातार जारी है।

उपायुक्त कोर्ट का सुनवाई का समय तीन मई से बदलेगा

रांचीः रांची के उपायुक्त कोर्ट में होने वाली सुनवाई के समय में कुछ दिनों के लिए बदलाव किया गया है। आगामी तीन मई से 15 मई तक उपायुक्त कोर्ट में सुबह 10 बजे से ही सुनवाई होगी। लोकसभा चुनाव के नामांकन को लेकर यह बदलाव किया गया है । कोर्ट के समय में बदलाव की जानकारी रांची जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और महासचिव को मंगलवार को पत्र लिखकर दी गई है । उल्लेखनीय है कि रांची उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा सुबह 11 बजे से लोकसभा चुनाव के कार्यों में व्यस्त हैं। इसकी वजह से उपायुक्त कोर्ट में सुनवाई का समय बदल दिया गया है ।

एनआईए के डीजी ने झारखंड डीजीपी से की मुलाकात

स्वदेश संवाददाता

रांची : एनआईए के डीजी सदानन्द दाते ने मंगलवार को रांची के धुर्वा स्थित पुलिस मुख्यालय पहुंचकर राज्य के डीजीपी अजय कुमार सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की। इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान दोनों पदाधिकारियों ने झारखंड में आतंकवाद और नक्सलवाद सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान राज्य में आंतकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ योजनाबद्ध तरीके से की जा रही कार्रवाई एवं हाल के दिनों में प्राप्त सफलताओं पर विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान एडीजी आरके मल्लिक, एडीजी डॉ संजय आनन्दराव लाठकर, एनआईए के आईजी आशीष बत्रा, एनआईए डीआईजी ज्योति प्रिया, एनआईए एसपी प्रशान्त आनन्द, मनोज कौशिक सहित अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में हर्ष राज खलखो ने झारखंड को दिलाया स्वर्ण पदक

स्वदेश संवाददाता

रांची : हर्ष राज खलखो ने रोलर स्केटिंग महासंघ की ओर से अमृतसर में आयोजित 5वीं रैंकिंग रोलर स्केटिंग चैम्पियनशिप-2024 में राज्य को गोल्ड मेडल दिलाया है। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में भारत के सभी राज्यों तथा केन्द्र-शासित प्रदेशों से प्रतिभागियों ने भाग लिया। हर्ष राज खलखो झारखंड राज्य के उस स्कैटर में से हैं, जिन्होंने पांच से सात वर्ष के आयु समूह में बेहतर प्रदर्शन किया। पांच सौ मीटर में रजत पदक के अलावा अपने दूसरे इवेंट 200 मी. में स्वर्ण पदक जीत कर झारखंड का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। रोलर स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष विकास सिंह, कोषाध्यक्ष जय प्रकाश गुप्ता, सचिव सुमित शर्मा, संरक्षक अजित खेस और अभिषेक सिंह राठौर एवं रोलर स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ झारखंड के सभी सदस्यों ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हर्ष के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

रांची संसदीय क्षेत्र से दो दिनों में 20 उम्मीदवारों ने खरीदे नामांकन पत्र

स्वदेश संवाददाता

रांचीः रांची संसदीय क्षेत्र के लिए अधिसूचना जारी होने के बाद अब तक कुल 20 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र (नाम-निर्देशन पत्र) खरीदे हैं। अधिसूचना जारी होने के दूसरे दिन मंगलवार को 12 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र खरीदे। इनमें निर्दलीय से कामेश्वर प्रसाद साव, निर्दलीय से अरशद अयूब, राष्ट्रीय जनसंघर्ष स्वराज पार्टी से निपु सिंह, संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी से प्रवीण कच्छप, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से यशस्विनी सहाय, निर्दलीय से प्रवीण चन्द्र महतो, जय महाभारत पार्टी से सोमा सिंह, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) से रंजना गिरि, अबुआ झारखण्ड पार्टी से बीरेन्द्र नाथ मांझी, निर्दलीय से देवेन्द्र नाथ महतो, निर्दलीय से कोलेश्वर महतो और बहुजन मुक्ति पार्टी से विनोद उरांव ने नामांकन पत्र खरीदे। पहले दिन सोमवार को आठ उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र खरीदे थे। अम्बेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया के उम्मीदवार रामहरि गोप ने समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित निवार्ची पदाधिकारी के कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल किया। अब तक रांची संसदीय क्षेत्र से दो उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। इससे पहले एसयूसीआई के उम्मीदवार मिंटू पासवान ने नामांकन किया था।

भाजपा उम्मीदवार संजय सेठ कल करेंगे नामांकन

रांचीः भाजपा के उम्मीदवार और रांची सांसद संजय सेठ दो मई को नामांकन करेंगे। नामांकन में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, आजसू के प्रदेश अध्यक्ष सुदेश महतो, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो सहित सांसद, विधायक, एवं प्रदेश के सभी पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। नामांकन के पूर्व एक जनसभा आयोजित की गई है, जिसमें छह विधानसभा क्षेत्रों के लगभग 50 हजार कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसके बाद मोरहाबादी मैदान से गाजे-बाजे के साथ उपायुक्त कार्यालय नामांकन के लिए प्रस्थान करेंगे। यह जानकारी संजय पोद्दार ने मंगलवार को दी।

जागरूकता लोकसभा चुनाव को लेकर स्कूलों में निरंतर हो रहा रोचक प्रतियोगिताओ का आयोजन

मतदान के लिए प्रेरित कर रहे सरकारी स्कूलों के बच्चे

स्वदेश संवाददाता

रांचीः लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य के सरकारी स्कूलों में भी मतदाता जागरुकता के लिए मतदान से संबंधित रोचक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। स्कूलों में आयोजित होने वाले चेतना सत्रों में भी बच्चों को भारत के विराट लोकतांत्रिक विरासत और इसकी गौरवगाथा के बारे में बताया जा रहा है। बच्चे इन प्रयासों से लोकतांत्रिक इतिहास और मतदान के महत्त्व को आसानी से समझ पा रहे हैं। इतना ही नहीं वे अपने टोलों, गांवों में भी जागरुकता अभियान चला रहे हैं।

स्कूलों में बनाया गया डेमोक्रेसी रूम

राज्य के सरकारी स्कूलों में छात्रों एवं उनके अभिभावकों को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए 'लोकतंत्र कक्ष' बनाया गया है। इस रूम में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से जुड़े चित्रों, पेंटिंग्स, आर्ट एंड क्राफ्ट, ईवीएम, वीवीपैट मशीन आदि की प्रतीकात्मक प्रदर्शनी लगाई गयी है। बच्चे इस कक्ष में अभिभावकों के साथ आकर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को आसानी से समझ सकते हैं। बच्चे प्रतीकात्मक ईवीएम और वीवीपैट मशीन के माध्यम से अभिभावकों के मन में ईवीएम को लेकर उत्पन्न भ्रम को भी दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। इस कक्ष में भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के बारे में भी बच्चे जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

रोचक बाल संसद का गठन

विद्यालयों में बाल संसद का गठन किया गया है। इसके माध्यम से स्कूली बच्चे भविष्य में मतदान करने की प्रक्रियाओं को समझ रहे हैं। स्कूल में हाउस कप्तान, क्लास मॉनिटर का चयन किया जा रहा है। चुनाव को देखते हुए स्कूल में चुने हुए छात्र प्रतिनिधियों को 'प्रधानमंत्री, मंत्री व सांसद' जैसे पद दिए जा रहे हैं, जिससे बच्चे काफी उत्साहित भी नजर आ रहे हैं।

अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन

राज्य के विभिन्न सरकारी स्कूलों को अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन करने के संबंध में निर्देश जारी किया गया है। इस बैठक में शामिल होने वाले अभिभावकों को शिक्षकों, प्राचार्य, एसएमसी सदस्यों द्वारा चुनाव में बढ़-चढ़ कर मतदान करने के लिए प्रेरित एवं जागरूक किया जा रहा है। विद्यालय द्वारा टोला टैगिंग कर अभिभावकों से संपर्क किया जा रहा है तथा बैठक में अनिवार्य रूप से शामिल होने को कहा गया है। पीटीएम के माध्यम से अभिभावकों को चुनावी तिथियों की जानकारी तो दी ही जा रही है। साथ ही उनकी वोटर पर्ची, मतदाता पहचान पत्र, बूथ संख्या आदि से जुड़ी शंकाओं को भी दूर किया जा रहा है।

लगातार प्रतियोगिताओं का आयोजन

मतदाता जागरुकता के उद्देश्य से सरकारी विद्यालयों में बच्चों के लिए लगातार चुनाव से संबंधित रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसमें रंगोली, पेंटिंग, स्लोगन मेकिंग, वाल पेंटिंग, स्पीच आदि प्रतियोगिताएं शामिल हैं। स्कूली बच्चे लगातार इन प्रतियोगिताओ में भाग लेकर पाठ्येत्तर कौशल को विकसित कर रहे हैं। साथ ही चुनाव को लेकर उनकी दिलचस्पी और उत्साह भी बढ़ रही है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा कई विद्यालयों को वोटर अवेयरनेस प्रोग्राम के तहत सम्मानित भी किया गया है।

हाई कोर्ट ने खरकई डैम प्रोजेक्ट मामले में मुख्य सचिव से मांगे जवाब

रांचीः झारखंड हाई कोर्ट ने सरायकेला के खरकई डैम प्रोजेक्ट में छह हजार करोड़ से अधिक राशि खर्च किए जाने के बाद राज्य सरकार द्वारा इसे बंद करने पर आपत्ति जताते हुए संतोष कुमार सोनी द्वारा दायर जनहित याचिका की सुनवाई मंगलवार को हुई। मामले में हाई कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव से पूछा है कि 6100 करोड़ रुपये खर्च होने के बाद खरकाई डैम प्रोजेक्ट क्यों पूरा नहीं किया जा रहा है? कोर्ट ने कहा कि इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बाद क्या काम बंद रहेगा? यदि वहां ग्रामीण आंदोलनरत हैं तो उसके लिए क्या कर रहे हैं? खरकाई डैम प्रोजेक्ट को लेकर अंतिम रूप से सरकार ने क्या निर्णय लिया है? कोर्ट ने इन बिंदुओं पर मुख्य सचिव को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले का अगली सुनवाई 14 मई निर्धारित की है। इस मामले में जल संसाधन विभाग ने शपथ पत्र दाखिल कर कोर्ट को बताया कि जमीन अधिग्रहण पर स्थानीय ग्रामीणों के विरोध के कारण खरकाई डैम प्रोजेक्ट रुका हुआ है। इस पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुए मौखिक कहा कि 6100 करोड़ से अधिक रुपये इस प्रोजेक्ट पर खर्च हो चुका है। इस प्रोजेक्ट के लिए टेंडर करने से पहले राज्य सरकार ने प्रोजेक्ट रिपोर्ट जरूर बनाई होगी। क्या प्रोजेक्ट रिपोर्ट में राज्य सरकार को जमीन अधिग्रहण को लेकर ग्रामीणों के आंदोलन को लेकर किसी प्रकार का विचार नहीं किया था। नाराज कोर्ट ने मौखिक कहा कि यदि यही स्थिति है तो मामले में सीबीआई को प्रतिवादी बनाकर जांच करवा देते हैं। फिर सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा।

NEWS IN Gallery

भीषण गर्मी में लू लगने से दुमका में एक की मौत, दूसरा इलाजरत

दुमका : जिले में पड़ रही भीषण गर्मी में लू लगने से एक मजदूर की मौत हो गई जबकि दूसरा मजदूर मूर्छित होकर सड़क पर गिरा पड़ा था। सूचना पर नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को उठाकर फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है। मृत मजदूर की शिनाख्त जरुवाडीह निवासी शिव कुमार मंडल के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार दोनों मजदूर जिला नियंत्रण कक्ष के निकट गिरे पड़े थे। स्थानीय लोगों की जब नजर दोनों पर पड़ी तो नगर थाना की पुलिस को सूचित किया। नगर थाना की गश्ती दल की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को उठाकर पीजेएमसीएच में लेकर पहुंची लेकिन एक की मृत्यु हो चुकी थी।

सिमडेगा में हाथी ने मचाया आतंक, एक युवक घायल

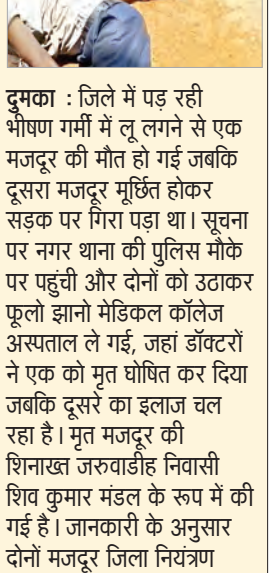

सिमडेगा : जिले में हाथियों ने खूब आतंक मचाया हुआ है। हाथियों के आतंक से आसपास के लोगों का जीना बेहाल है। सोमवार देर रात एक हाथी ने बानो प्रखंड के बांकी पंचायत के बादलुंग गांव में जमकर उत्पात मचाया। इस घटना में एक युवक घायल हो गया। हालांकि ग्रामीणों ने मिलाकर रात में ही हाथी को खदेड़ने का प्रयास किया। जंगली हाथी को भगाने के क्रम में अंकित का पैर टूट गया है। ग्रामीणों ने बताया कि बादलुंग में जंगली हाथी तीन दिनों से अपना उत्पात मचा रहे हैं। किसानों के फसलों को नष्ट कर रहे हैं। रात भी जंगली हाथी गांव के समीप पहुंचा और उत्पात मचाने लगा। उसके बाद ग्रामीणों जंगली हाथी को खदेड़ते हुए बांकी स्कूल के पास ले गए, जहां हाथी के दौड़ाने की वजह से भागने के क्रम में अंकित का पैर टूट गया।

भाजपा के पक्ष में मतदान कराने के लिए पन्ना प्रमुख की भूमिका महत्वपूर्ण : लक्ष्मीकांत वाजपेयी

स्वदेश संवाददाता

पीएम मोदी चार मई को आयेंगे सिसई तैयारियों में जुटे भाजपा कार्यकर्ता

गुमला : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार मई को सिसई प्रखंड मुख्यालय स्थित कुलकेरी मोड़ सिसई कॉलेज के पास भाजपा प्रत्याशी समीर उरांव के पक्ष में एक चुनावी सभा को संबोधित करेंगें। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर भाजपा के झारखंड राज्य प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी और प्रदेश संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह मंगलवार को गुमला पहुंचे। उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों के संग बैठक की और कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिये। बैठक में वाजपेयी ने शक्ति केंद्र में योजना बनाकर बूथ में भाजपा के पक्ष में मतदान कराने के लिए पन्ना प्रमुख की महती भूमिका बताया । कार्यकर्ताओ के साथ भाजपा का स्वर्णिम काल साझा किया । मात्र दो सीट जीतने वाली भाजपा राष्ट्र सेवा के दम पर 303 सीट हासिल किया। ये कार्यकताओं के दम पर ही संभव हो सका है। उन्होंने कहा कि लोहरदगा लोकसभा में मोदी की रैली मील का पत्थर साबित होगा। कार्यकताओं तथा जनता के प्यार विश्वास के दम पर चुनाव में भाजपा की जीत होगी । वहीं संगठन महामंत्री कर्मवारी सिंह ने लोहरदगा लोकसभा कोर कमिटी के पांचों विधानसभा प्रभारियों के साथ बैठक कर संगठन को बूथ स्तर पर विकसित भारत बनाने के लिय कार्यकताओं को घर-घर मोदी का प्रणाम प्रेषित करने को कहा।

14 लोकसभा सीट भाजपा गठबंधन जीतेगा : कर्मवीर सिंह

संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि मोदी जी का झारखंड में जनसभा सारे कार्यकताओं में एक नई ऊर्जा का संचार करेगा। सभी 14 लोकसभा सीट भाजपा गठबंधन जीतेगी। बैठक में प्रदेश महामंत्री मनोज, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ दिनेश उरांव,जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शिव शंकर उरांव , पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर,प्रदेश मंत्री सह लोहरदगा लोकसभा संयोजक मुनेश्वर साहु , सह संयोजक सन्नी टोप्पो ,जिला संगठन प्रभारी मनोज मिश्रा ,जिलाध्यक्ष शिवप्रसाद साहु,लोहरदगा विधानसभा प्रभारी कमलेश उरांव, गुमला विधानसभा प्रभारी श्रीचंद प्रजापति सहित प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर डीसी-एसपी ने सौंपे अलग-अलग टास्क

पलामू : आगामी 4 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित मेदिनीनगर के दौरे को लेकर मंगलवार को उपायुक्त शशि रंजन और एसपी रीष्मा रमेशन ने समाहरणालय के सभागार में विभिन्न पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में डीसी ने प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा के दृष्टिकोण से विभिन्न पदाधिकारियों को अलग-अलग टास्क सौंपें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री दौरे पर आने वाले लोगों को कैसे नियंत्रित करना है, सुरक्षा के दृष्टिकोण से कहां-कहां बैरेकेडिंग होने है, इसका आकलन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने भवन निर्माण के कार्यपालक अभियंता को स्टेज के साइज का आकलन करने व प्रोटोकॉल व नियमानुसार प्रमाण पत्र जारी करने को लेकर निर्देशित किया। इसी तरह स्थल के चारों ओर व विभिन्न स्थानों पर मजिस्ट्रेट का डेप्लॉयमेंट करने को लेकर सदर एसडीओ को जिम्मेदारी दी गयी। इसी क्रम में प्रॉक्सिमिटी पास, वर्क फोर्स पास व प्रतिनियुक्ति मजिस्ट्रेट व पुलिस पास को लेकर नगर आयुक्त जावेद हुसैन को निर्देशित किया गया।

गोलीकांड के खिलाफ भड़का आक्रोश, बाजार बंद सुरक्षा नहीं तो वोट नहीं के नारे के साथ प्रदर्शन

स्वदेश संवाददाता

पलामू : जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र में 24 घंटे के भीतर दो गोलीकांड समेत तीन आपराधिक घटनाएं सामने आने पर आक्रोश भड़क गया। बाजार बंद करा दी गयी। साथ ही सुरक्षा नहीं तो वोट नहीं के नारे लगाते हुए व्यवसायी, चालक एवं स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए व जमकर प्रदर्शन किया। छतरपुर थाना की चाहरदीवारी से सटे कन्या मध्य विद्यालय के समीप खैनी दुकानदार संतोष साव को बीती रात गोली मार दी गयी। संतोष का प्रारंभिक इलाज करने के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया गया है। मेडिका में उनका इलाज चल रहा है। इसी तरह सोमवार की शाम मन्देया में सड़क किनारे संजय डोम की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। बाइपास रोड में धनश्याम यादव के साथ मारपीट करते हुए उसकी मोटरसाइकिल और 40 हजार रूपए लूट लिए गए। साथ ही उसे सुनसान जगह पर ले जाकर फेंक दिया गया। एक के बाद एक तीन घटनाएं सामने आने पर मंगलवार को व्यवसाई संघ के तत्वावधान में छतरपुर के व्यवसायी, स्थानीय लोग और विभिन्न वाहनों के चालक सड़क पर उतर गए। दुकाने बंद रखी। दुकान बंद होने से छतरपुर के बाजार के सरईडीह चौक और थाना के बगल में जपला मोड़ चौक सुनसान पड़ा रहा। प्रदर्शन करते हुए दुकानदारों ने सुरक्षा नहीं तो वोट नहीं के नारे लगाए। हालांकि डीएसपी नौशाद आलम ने सभी को भरोसा दिलाते हुए कहा कि गोलीकांड में शामिल अपराधियों की पहचान हो गयी है। जल्द उन्हें गिरफ्तार कर लिया जायेगा। लोग धीरज बनाये रखे हैं। जानकारी के अनुसार सोमवार की रात खाटीन निवासी खैनी दुकानदार संतोष साव (48 वर्ष) को दुकान बंद करके घर जाने के दौरान कन्या मध्य विद्यालय के पास अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी थी। उन्हें पहले इलाज के लिए छतरपुर के अनुमंडलीय अस्पताल में लाया गया था। फिर वहां से एमआरएमसीएच मेदिनीनगर भेजा गया था। यहां कुछ देर इलाज चलने के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची रिम्स रेफर करने का निर्णय लिया गया। घटना की जांच में छतरपुर थाना पुलिस जुटी हुई है।

बंथु गांव निवासी पारुल कुमारी कला वर्ग में जिला टॉपर बनी

इटखोरी/स्वदेश संवाददाता : के बी+2उच्च विद्यालय,इटखोरी की छात्रा रौल नम्बर 30017 टोटल मार्क्स 449 पारुल कुमारी कला वर्ग में जिला टॉपर बनी है। ग्राम- बंथु, पोस्ट-परसौनी, पंचयात -कोनी जिला -चतरा पिता सामिक प्रजापति किसान खेती-बाड़ी का काम करते है। इस बच्चे की सफलता पर मुखिया सह मुखिया संघ के अध्यक्ष रंजय भारती ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्ची से मिलकर उसके हौसले को बढ़ाएंगे।

प्रेरणा शाखा ने मजदूरों के बीच गमछा, सत्तू व अन्य सामान बांटे

श्रम शक्ति राष्ट्र की उन्नति का आधार : सारिका लड्ढा

स्वदेश संवाददाता

कोडरमा : अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस की पूर्व संध्या पर झुमरीतिलैया के जैन ट्रांसपोर्ट में कार्य करने वाले मजदूर के बीच गमछा, सत्तू और मिठाई का वितरण मारवाड़ी युवा मंच की इकाई प्रेरणा शाखा की ओर से अपने सामाजिक दायित्व के तहत किया गया। इस अवसर पर मजदूरों के चेहरे पर खुशी देखी गई। प्रेरणा शाखा की अध्यक्ष सारिका लड्ढा ने कहा कि श्रम शक्ति राष्ट्र की उन्नति का आधार है। जीवन में श्रम से ही आगे बढ़ा जा सकता है। इसलिए हमें मेहनत कर जीवन का लक्ष्य पाने की कोशिश करनी चाहिए। मजदूरों के परिश्रम और मेहनत से ही क्षेत्र, राज्य और राष्ट्र का विकास संभव है। उन्होंने कहा कि मजदूर के बिना विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। इस अवसर पर लगभग दो दर्जन मजदूरों को आनंद सबके लिए कार्यक्रम के तहत बेल का शरबत भी पिलाया गया। मौके पर नंदकिशोर जैन, संतोष लड्ढा, प्रेरणा शाखा की आकृति चौधरी, मिनी हिसारिया आदि उपस्थित थे।

कस्तूरबा की छात्रा श्वेता कुमारी 81 प्रतिशत लाकर स्कूल टॉपर बनी

स्वदेश संवाददाता

पत्थलगड़ा: कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय पत्थलगड़ा की छात्रा श्वेता कुमारी 81% अंक लाकर स्कूल टॉपर बनी मालूम हो कि श्वेता कुमारी अनाथ बच्ची है उनके माता-पिता का देहांत हो गया है वह लाचार होकर कस्तूरबा विद्यालय में पढ़ती हैं वह प्रखंड क्षेत्र के तेतरिया निवासी स्वर्गीय अर्जुन दांगी माता स्वर्गीय रुक्मणि देवी की पुत्री है वे इस सफलता का श्रेय कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की वार्डन रूमा कुमारी अपने चाचा चाची मुखिया नोनगांव पंचायत के कुमारी संगीता सिन्हा पूर्व जिला परिषद अनीता देवी को देती है वही विद्यालय के द्वितीय स्थान अमीषा कुमारी पिता बाबूलाल दांगी ग्राम नावाडीह तृतीय स्थान अनिता कुमारी पिता फागुन प्रसाद नावाडीह 76.2% चौथा स्थान अंशु कुमारी पिता अनिल भुइयां मेराल पंचायत के जोरी गांव के 75% लाकर पर स्कूल टॉप की

पत्थलगडा की बेटी सोनी ने इंटर में जिले में चौथा स्थान प्राप्त किया

पत्थलगडा: इंटरमीडिएट के आर्ट्स कला में पत्थलगडा प्रखंड के नावाडीह निवासी तारकेश्वर राणा के पुत्री सोनी कुमारी ने जिले में चौथा स्थान प्राप्त किया है। वे उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय नावाडीह के छात्र हैं। पिता तारकेश्वर राणा व माता मीरा देवी के पुत्री सोनी कुमारी को कुल 415 अंक प्राप्त हुए हैं। इसमें हिन्दी में उसने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है।उसकी इस सफलता से पिता और माता व भाई सहित गांव व परिवार वालों में खुशी का ठिकाना नहीं है। पिता तारकेश्वर राणा बताते हैं, इस सफलता के लिए घर में छह-सात घंटे तक पढ़ाई करता था। उनके पिता कृषि कार्य करते हैं। मां गृहिणी हैं। वह सभी भाई बहन में सबसे छोटी है। सोनी चार बहन एक भाई हैं, जो पढ़ाई कर रहे हैं। सोनी आगे की पढ़ाई कर शिक्षक बनना चाहती है उच्च विद्यालय नवाडीह प्रधानाध्यापिका मीना कुमारी नावाडीह पंचायत के मुखिया कंचन देवी ने इस सफलता के लिए शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

डीसी ने अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की

स्वदेश संवाददाता

लोहरदगा : लोकसभा आम निर्वाचन अंतर्गत मतदाता जागरूकता के लिए मंगलवार को नदिया हिंदू उच्च विद्यालय लोहरदगा में जिला प्रशासन और प्रतिभा केंद्र लोहरदगा के बीच फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। मैच का शुभारंभ जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण द्वारा फुटबॉल को किक मार कर किया गया। इसमें उपायुक्त ने सभी प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त किया और सभी पात्र मतदाताओं से 13 मई 2024 को लोहरदगा जिला में होनेवाले मतदान में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। उपायुक्त ने कहा कि आप स्वयं और अपने परिवार में सभी पात्र मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित करें। 13 मई को लोहरदगा जिला में मतदान होना है। लोकतंत्र के इस महापर्व में आप सभी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें।उपायुक्त द्वारा सभी उपस्थित प्रतिभागियों, पदाधिकारियों व कर्मियों को मतदाता शपथ दिलायी गई। मौके पर उन्होंने जिला में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास को लेकर सभी का हौसला बढ़ाया।

1984 के दंगे के बाद मुआवजे से वंचित 33 सिख पीड़ितों की सौंपी गई सूची

स्वदेश संवाददाता

पलामू : झारखंड हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता सतनाम सिंह गम्भीर को निर्देश दिया था कि वह जिलावार बताएं कि कितने पीड़ितों को मुआवजा नहीं मिला है? इसपर सतनाम मंगलवार को डालटनगंज पहुंचे। श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा साहिब पहुंचने पर सतनाम को इंद्रजीत सिंह डिंपल एवं चनप्रीत सिंह जॉनी ने स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पीड़ित परिवार श्री गुरु सिंह सभा के गुरुद्वारा साहिब पहुंचे हुए थे। इंद्रजीत सिंह डिंपल एवं चनप्रीत सिंह जॉनी ने संयुक्त रूप से 1984 सिख दंगा के 33 पीड़ितों की सूची ऑल इंडिया सिख स्टूडेंट्स फेडरेशन के पूर्वी भारत अध्यक्ष सतनाम सिंह गंभीर को सौंपी, जिन्हें अब तक मुआवजा नहीं मिला है। ऑल इंडिया सिख स्टूडेंट्स फेडरेशन के पूर्वी भारत अध्यक्ष सतनाम सिंह गंभीर ने कहा कि उनकी कोशिश रहेगी कि एक भी पीड़ित परिवार मुआवजे से वंचित ना रहे। उल्लेखनीय है कि सतनाम सिंह गंभीर सिख पीड़ितों को इंसाफ दिलाने के लिए लगातार झारखंड का दौरा कर रहे हैं। सतनाम ने कहा कि दंगों के 40 वर्ष बाद भी इंसाफ ना मिलना बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि उनका संघर्ष अंतिम पीड़ित परिवार को इंसाफ मिलने तक जारी रहेगा।

छत्तीसगढ़ से छड़-सीमेंट लेकर आ रहा ट्रैक्टर पलटा पारा शिक्षक और उसके भतीजे की मौत, पुत्र गंभीर

पलामू : जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बलथरवा घाटी में सोमवार की शाम छड़-सीमेंट लदा एक ट्रैक्टर पलट गया। छड़-सीमेंट को छत्तीसगढ़ से लाया जा रहा था। इस घटना में ट्रैक्टर चला रहे चालक सह मालिक पाटन के उताकी के रहने वाले पप्पू सिंह (30) एवं उनके फूफा पारा शिक्षक विजय कुमार सिंह (57) की मौत हो गयी, जबकि भाई लखन सिंह (20) गंभीर रूप से जख्मी है। उसका इलाज किया जा रहा है। पारा शिक्षक विजय कुमार सिंह नावाबाजार थाना क्षेत्र के नेनुआ के रहने वाले थे। विजय कुमार सिंह के मकान की ढलाई होनी है। इसके लिए वे अपने पुत्र लखन सिंह और भतीजे सह ट्रैक्टर मालिक पप्पू सिंह के साथ छत्तीसगढ़ छड़-सीमेंट लेने गए थे। वहां से सभी सोमवार की शाम लौट रहे थे। रामगढ़-चैनपुर मुख्य मार्ग पर बलथरवा घाटी में अचानक टैज्क्टर अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। ट्रैक्टर मालिक सह चालक की मौके पर मौत हो गयी, जबकि विजय सिंह को इलाज के लिए एमआरएमसीएच लाया गया।

दहेज हत्या के दोषी पति को 10 वर्ष सश्रम कारावास

पलामू : जिला व्यवहार न्यायालय के पंचम जिला और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अभिमन्यु कुमार की अदालत ने दहेज हत्या के दोषी पति तसलीम अंसारी को 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। सतबरवा थाना के झाबर गांव निवासी शहीदा बीबी ने मृतका के पति, ससुर, सास, गोतनी व भसुर के विरुद्ध लेस्लीगंज थाना में कांड संख्या 49/2021 दिनांक 17/6/2021 को भारतीय दंड विधान की धारा 304 बी/34 के तहत नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाई थी कि उसने अपनी पुत्री नाजिया खातून की शादी पांच वर्ष पूर्व तस्लीम अंसारी के साथ मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार की थी। शादी के एक वर्ष बाद से ही उसकी लड़की के साथ दहेज हेतु प्रताड़ित किया जाता था। वह बीच बीच में बराबर अपने बेटी दामाद को पैसे देते रहती थी। 16 जून 2021 को अपने पुत्र मो. अहजद से 50 हजार रुपया भेजी थी। 17 जून 2021 को नाजिया खातून की हत्या कर दी गई और उसके शव को लटकाकर फांसी का स्वरूप दे दिया और फांसी लगाकर मरने की बात बताई गई थी। वहां बांस से चारपाई के बीच की उच्चाई चार फीट थी, जबकि मृतका नाजिया खातून की लंबाई छह फीट थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक नाजिया खातून की मृत्यु दम घुटने से हुई थी। अदालत ने साक्ष्य के आधार पर दोषी पाते हुए पति को 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही मृतका नाजिया खातून के नाबालिग पुत्र को पुनर्वास की व्यवस्था करने व मृतका की माँ शहीदा बीवी को भी मुआवजा देने का निर्देश जिला विधिक सेवा प्राधिकार पलामू को दिया है। इस केस के एक मुदालय ससुर वली मोहम्मद मियां को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है।

नामांकन भाजपा कार्यकर्ताओं ने विभिन्न मंडलों से बाइक-कार रैली निकाली

राज्य की सभी 14 लोस सीटों पर कमल खिलाकर दिल्ली भेजें : गजेंद्र सिंह

स्वदेश संवाददाता

जमशेदपुर : जमशेदपुर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार विद्युत वरण महतो ने मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके पूर्व भाजपा कार्यकर्ता विभिन्न मंडलों से बाइक-कार रैली के साथ साकची स्थित बोधि मंदिर पहुंचे और वहां से पैदल जुलूस की शक्ल में समाहरणालय परिसर तक प्रत्याशी विद्युतवरण महतो के साथ आए। नामांकन की प्रक्रिया के बाद बोधि मंदिर मैदान में रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एक बार फिर सशक्त भारत के निर्माण में जमशेदपुर सहित राज्य की सभी 14 लोकसभा सीटों पर कमल खिलाकर दिल्ली भेजने की अपील की। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले यूपीए गठबंधन की सरकार थी। मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री रहे। इस समय दो खबरें अक्सर पढ़ने को मिलती थीं। एक तो यह कि देश की अर्थव्यवस्था की हालत खस्ता थी। घपले-घोटाले रोज सुनने को मिलते थे। यहां की इकोनॉमी कभी भी बिखरने की आशंका थी। दूसरा कि देश की सीमाएं असुरक्षित थीं। अक्सर आतंकी हमले, बम धमाके होते थे। शेखावत ने कहा कि देश की इकोनॉमी के प्रमुख केंद्र मुंबई, पुणे, चेन्नई जैसे शहरों और मंदिरों (अक्षरधाम वगैरह) पर आतंकी हमले होते थे। तत्कालीन सरकार बस सांत्वना देती थी या कड़ी निंदा करती थी। यूएन जाकर मदद की अपील करती थी। वर्ष 2014 में प्रचंड बहुमत से नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनी। अब देश की अर्थव्यवस्था की गति तेज हुई। सीमाएं सुरक्षित हुईं। मोदी सरकार में केवल दो आतंकी हमले (उरी, पुलवामा) हुए और आतंकी ठिकानों को नष्ट कर बदला लिया गया। शेखावत ने भरोसा जताया कि विद्युतवरण महतो चार लाख से अधिक मतों से विजयी होंगे। भाजपा देश में 400 से अधिक सीट लाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनाएगी।

भाजपा सिर्फ सांसद बनाने को नहीं, देश को सशक्त बनाने को जनसहयोग लेती है: अर्जुन मुंडा

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आज जहां है, उससे सभी भारतीय गदगद हैं। हमने सिर्फ राम मंदिर नहीं बनाया, राम राज की कल्पना को भी साकार करने में लगे हैं। मिलकर विकसित, समृद्ध, मजबूत भारत बनाने में लगे हैं। हर भारतीय मजबूती से ना सिर्फ आगे बढ़े, बल्कि यह देश विश्व का भी नेतृत्व करे। ऐसे कई काम मोदीजी के नेतृत्व में हुए भी हैं। बीते 10 वर्षों में जिन उद्देश्यों, लक्ष्यों को लेकर आगे बढ़े, उनमें कई काम पूरे भी हुए हैं। पहले विपक्ष सिर्फ सरकार बनाने का काम करता था, देश बनाने का नहीं। भाजपा सिर्फ सांसद बनाने को नहीं, देश को सशक्त बनाने को जनसहयोग लेती है। जनजातीय कल्याण मंत्रालय और कृषि मंत्रालय के जरिए देश में जनजातीय समाज और किसानों की समृद्धि के लिए प्रयास हो रहे हैं।

इटखोरी को अतिक्रमण मुक्त करने को लेकर भूमि मापी का कार्य शुरू

स्वदेश संवाददाता

इटखोरी : इटखोरी बाजार चतरा चौपारण पथ हजारीबाग पथ के किनारे अतिक्रमण मुक्त करने को लेकर प्रखण्ड प्रशासन अपनी प्रक्रिया में जुट गई है । इटखोरी प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी सोमनाथ वंकिरा थाना प्रभारी सूर्यप्रताप सिंह ने दल बल के साथ इटखोरी पहुचें । इस दौरान उन्होंने अतिक्रमण करने वाले लोगों व पथ किनारे शब्जी दुकान लगाने वाले दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि आप लोगो के कारण इटखोरी बाजार में जाम की स्थिति बनी रहती है, इसे स्वतः मुक्त करें नही तो करवाई तय है । इस मौके पर राजस्व कर्मचारी अभिनव कुमार व अमीन ने कुछ स्थानों पर मापी कर अतिक्रमण वाले भूमि को चिन्हित्त किया है । इस मौके पर बीडीओ सह सीओ सोमनाथ वंकिरा ने कहा की आज से अतिक्रमण को लेकर भूमि माफी का कार्य शुरू हुआ है । लेकिन वह समय के अभाव में पूरा नहीं हो पाया पुनः भूमि माफी का कार्य शुरू किया जाएगा । मापी के बाद अतिक्रमण की गई भूमि को चिन्हित की जाएगी , इसके पश्चात अतिक्रमण करने वाले लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान आम जनता ने इटखोरी के इतवार बाजार सेड को अतिक्रमण मुक्त करने समेत प्रभावशाली लोगों के सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की मापी कर कार्रवाई करने का मांग किया । इस पर बीडीओ सह सीओ ने कहा की आप लोग बेफिक्र रहे सभी लोगों पर सामान नियम लागू होगी । इस मौके पर भाजपा के जिला महामंत्री डॉ मृत्युंजय सिंह , पूर्व जीप सदस्य दिलीप कुमार जिला मंत्री सतीश सिंह मुखिया जुगेश्वर दांगी राम दहिन सिंह टुन्नी सिंह व अन्य उपस्थित थे ।

आप सब मतदान जरूर करें, युवाओं को बूथ ले जाएं, छात्रावास से बेटी की परिवार से अपील, लिखी चिट्ठी

स्वदेश संवाददाता

रामगढ़ : पापा मैं सकुशल हूं, लेकिन हमारा देश भी कुशल रहे इसलिए आप वोट जरूर देना। 18 वर्ष से अधिक उम्र के जितने लोग हमारे आसपास रहते हैं, आप उन्हें भी अपने साथ बूथ पर ले जाना। यह भावनात्मक बातें कोमल सी बच्चियों की मन में उठी हैं। उन्होंने अपनी भावनाओं को शब्दों में पिरोया और अपने माता-पिता को एक चिट्ठी लिखी। यह चिट्ठी इसलिए लिखी गई है, ताकि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में 20 मई को मतदान के दिन हर मतदाता वोट जरूर दे।

उदासीनता से बाहर निकालने के लिए हुई अनूठी पहल

रामगढ़ जिला प्रशासन हर मतदाता को बूथ तक पहुंचाने के लिए अलग-अलग तरीके से जागरूकता अभियान चला रहा है। रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने पहले प्रवासी मजदूरों को चिट्ठी लिखी। अब उदासीनता की दलदल में फंसे अभिभावकों को सीधे उनके बच्चों से चिट्ठी लिखवाई है। जिला प्रशासन की बात का असर कितना हो यह कह पाना मुश्किल है। लेकिन बेटी के द्वारा बाप को लिखी गई चिट्ठी का असर कितना होगा यह सभी जानते हैं।

जानिए क्या लिखा है बच्चियों ने अपनी चिट्ठी में

"पब्लिक उच्च विद्यालय कुजू की सुनैना कुमारी ने अपने अभिवावक को लिखा है कि, मैं सकुशल हैं। मैं आशा करती हूं कि आप सब सकुशल होगें। आपको जान कर बहुत खुशी होगी कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के लिए मतदान प्रातः सात बजे से संध्या पांच बजे तक 20 मई को होगा। मुझे बहुत खुशी होगी कि आप सब वोट देंगे। पिताजी, माताजी, भईया भी जाएंगे। इससे हमारे देश मे विकास होगा और हमें अच्छी सरकार मिलेगी। इसलिए आप जरूर से जरूर जाएं और वोट दें।"

जिला प्रशासन के सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट होगी चिट्ठी

रामगढ़ जिले के विद्यालयों में पढ़ने वाली बच्चियों ने जिस तरह चिट्ठी लिखी है, जिला प्रशासन को उम्मीद है कि उनके अभिभावक वोट डालने में पीछे नहीं रहेंगे। कक्षा 9 की छात्रा शिवानी, सुनैना, सुहाना, प्रियंका, प्रिया अग्रवाल, राखी, श्वेता, देवी, अंशिका और उनके साथ सैकड़ो बच्चियों की चिट्ठी जिला प्रशासन अपनी सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट करेगा। डीसी चंदन कुमार ने बताया कि बच्चियों के द्वारा लिखी गई चिट्ठी उनके माता-पिता पढ़ेंगे और उसपर अपनी प्रतिक्रिया भी देंगे। लेकिन बच्चियों के मन में उठी बातों को और भी लोग जाने इसी वजह से उन चिट्ठियों को सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया जा रहा है।

NEWS IN Gallery

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आगमन को लेकर बैठक

पत्थलगड़ा : आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर भाजपा प्रखंड क्षेत्र में जगह-जगह पर लोगों से कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह कर रही है। इसी निमित्त आगामी 2 मई को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के आगमन को लेकर पत्थलगड़ा में भाजपाइयों में चहल-पहल काफी बढ़ गई है। ज्ञात हो कि मंगलवार को प्रखंड मुख्यालय के गांधी चौक स्थित भाजपा कार्यकर्ता के यहां भाजपा की एक बैठक की गई जिसमें यह निर्णय लिया गया कि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के आगमन पर प्रखंड क्षेत्र के सभी कार्यकताओं के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने का प्रयास करेंगे। इस मौके पर चतरा जिला प्रभारी श्री विनय जायसवाल के द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है वहीं सभी मतदाताओं के घर-घर जाकर मोदी के कार्य को बताने का आग्रह किया गया है। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सतीश कुमार, उपाध्यक्ष बासुदेव दांगी,अरविंद ठाकुर,मनिषा सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कन्या दान महादान : अमल दास

बोकारो : महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर एवं शिक्षा, स्वास्थ की दिशा में लगातार कार्य कर रही सामाजिक संस्था सुकन्या सामाजिक जन सहयोग फाउंडेशन ट्रस्ट कमेटी के संस्थापक सह सचिव अमल दास के निदेर्शानुसार आज बोकारो जिला के विभिन्न क्षेत्रों के सात गरीब लड़की जैसे चंदनकियरी प्रखंड के खेड़बेड़ा गांव के वचन दास के पुत्री पुष्पा कुमारी, चोडगोई गांव के कंचन महतो, चास प्रखंड के सोलगडीह निवासी मो इसलाम अंसारी के पुत्री यसीमीन खातून, सोनाबाद गांव के सिद्धिक अंसारी के पुत्री रेशमा खातून, चास के पुराना बाजार बाउरी मोहल्ला निवासी अशोक कुमार बाउरी के पुत्री पूर्णिमा कुमारी, संकर बाउरी के पुत्री खुशबू कुमारी और चास के अंबेडकरपुरी निवासी अशोक दास की पुत्री दोना कुमारी के शादी में सहयोग हेतु आज संस्था की ओर से से पांच पांच हजार रुपए के चेक और एक एक साड़ी सगुण के तोर पर संस्था के बोकारो जिला के जिला प्रभारी अशोक दास एवं एसोसिएट के द्वारा लड़की के माता पिता के हाथो ग्रामीणों के उपस्थिति में सौंपा गया।

झारखंड में सभी 14 लोकसभा सीटें जीतेगा एनडीए गठबंधन : भजनलाल

स्वदेश संवाददाता

धनबाद (झारखंड), 30 अप्रैल (हि.स.)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को धनबाद पहुंचे। वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी ढुल्लू महतो के नामांकन में शामिल होने वाले थे लेकिन विलंब होने के कारण सीधे धनबाद के रणधीर वर्मा स्टेडियम गोल्फ ग्राउंड में आयोजित भाजपा के प्रबुद्ध सम्मेलन में पहुंचे। यहां उन्होंने मंच से कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि चार जून को झारखंड की सभी सीटों पर एनडीए की जीत होगी। झारखंड से हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 13 फूल (भाजपा) और एक फल (आजसू) भेंट करेंगे। भजनलाल ने कहा कि राजस्थान में 2014 के लोकसभा चुनाव में 25 सीट आए थे, 2019 में भी 25 सीट दिया और इस बार भी 25 में से 25 सीट भाजपा को मिलने वाली है। उन्होंने कहा कि धनबाद के युवाओं, महिलाओं और आम लोगों में जिस तरह का उत्साह दिख रहा है उससे यह साफ हो गया है कि झारखंड में भी सभी 14 सीटें एनडीए गठबंधन को मिलने जा रहा है। साथ ही कहा कि आने वाला समय आपका है। आगामी विधानसभा चुनाव में भी झारखंड में भाजपा एनडीए गठबंधन की सरकार भारी बहुमत के साथ आएगी। भजनलाल ने कहा कि भाजपा हमेशा देश की संस्कृति और विचार को लेकर के चलती है। उन्होंने इंडी गठबंधन पर जोरदार प्रहार करते हुए कहा कि ये लोग कहते थे, कश्मीर से धारा 370 हटी तो खून की नदियां बह जाएंगी लेकिन वहां तो एक कंकड़ भी नहीं चला। साथ ही कहा कि वे लोग भगवान राम को काल्पनिक बताते थे। रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा की तारीख पूछते थे। हमने रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा की तारीख भी बताई और उन्हें निमंत्रण भी भेजा।

भजनलाल ने कहा कि राजस्थान में इंडी गठबंधन वालों ने जिसे भी टिकट दिया उसने चुनाव लड़ने से ही मना कर दिया। कई ने तो कहा कि मैने तो टिकट मांगी ही नहीं। ऐसे में कई सीटों पर प्रत्याशी बदलना पड़ा। उन्होंने कहा कि जब आप राम के ही नहीं है तो राम आपमें कैसे रहेंगे। साथ ही कहा कि झारखंड में भी इंडी गठबंधन के प्रत्याशी बेमन से चुनाव लड़ रहे हैं।

पलामू के बेटे को राज्यस्तर पर इण्टर साइंस में चौथा स्थान, जिला टॉपर बना

स्वदेश संवाददाता

पलामू : कहते हैं सफलता हमेशा मेहनत करने वालों को ही मिलती है। इसका बड़ा उदाहरण है पलामू जिले का एक मेधावी छात्र। इण्टर के परीक्षा परिणाम में पलामू जिले के बीएस इंटर कॉलेज, पाटन के विज्ञान संकाय का मेधावी छात्र अमित कुमार मेहता ने 477 अंक लाकर राज्य में चौथा और जिले में पहला स्थान प्राप्त किया है। जिले के नीलांबर पीतांबरपुर प्रखंड के निवासी सतेंद्र मेहता का 18 वर्षीय पुत्र अमित कुमार मेहता ने इंटर की परीक्षा में जिला टॉप किया है। बातचीत के दौरान अमित ने कहा कि उसके पिता किसान हैं और मां नीलम देवी गृहणि हैं। वह घर से दूर एक रिश्तेदार के घर रहकर पढ़ाई करता था। उसे यह सफलता काफी मेहनत से मिली है। इसमें कॉलेज के शिक्षकों और परिजनों का भरपूर सपोर्ट मिला है। अमित ने कहा कि वह कॉलेज और घर मिलाकर 14 घंटे पढ़ाई करता था। कॉलेज में मिले हर होमवर्क को पूरा करता था। किसी भी विषय में कंसिस्टेंसी से पढ़ाई करता था। किसी भी टॉपिक में कन्फ्यूजन होने पर शिक्षक का पूरा सपोर्ट मिलता था, जिस कारण सफलता मिली। उसने कहा कि पिता भले ही किसान हैं लेकिन पढ़ाई से जुड़े कभी किसी चीज की कमी नहीं होने दी। भविष्य में यूपीएससी क्रैक कर आईएएस अधिकारी बनना चाहता है। आज के समय में करप्शन बहुत बढ़ गया है, जिसे खत्म करने के लिए उच्च स्तर का अधिकारी बनना जरूरी है।

डीएवी सेक्टर-6 के चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी को सेवा निवृत्ति पर दी गयी विदायी

स्वदेश संवाददाता

बोकारो : डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 6 के चतुर्थवर्गीय कर्मचारी भुस्की दी के सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय के शिक्षक व कर्मचारियों ने विदाई दी। विद्यालय परिवार द्वारा आयोजित विदाई समारोह को संबोधित करते प्राचार्य बृज मोहन लाल दास ने कहा कि सेवानिवृत्त हो रही भुस्की दी साढ़े तीन दशक से अधिक समय तक इस विद्यालय में ईमानदारी एवं कर्मठता, कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी के तौर पर कार्य किए हैं । उनका व्यक्तित्व सादगी से भरा रहा, उन्होंने अपने काम को पूरी ईमानदारी से किया । इस अवसर पर प्राचार्य ने भुस्की दी को पुष्प गुच्छ एवं उपहारों से

सम्मानित किया । उनके किए कार्यों कीप्रशंसा की प्राचार्य ने प्राचार्य ने उनके भावी जीवन में स्वस्थ रहने की शुभकामना दी । इस कार्यक्रम में नागेन्द्र प्रसाद , प्रशांत कुमार, कुमार समरेश, जाह्नवी बनर्जी तथा बाल शेखर झा ने उनकी उपलब्धियों को बताया। मंच संचालन आभा कुमारी ने किया।कार्यक्रम में समस्त शिक्षक व कर्मचारीगण मौजूद थे।

गिरिडीह लोकसभा सीट से डॉ उषा सिंह ने नामांकन दाखिल किया

स्वदेश संवाददाता

बोकारो : गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र से मंगलवार को डॉक्टर उषा सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। बोकारो उपायुक्त कार्यालय के सभागार में निवार्ची पदाधिकारी विजया याधव के समक्ष अपना नामांकन पर्चा भरे । डॉक्टर उषा सिंह फुसरो की रहने वाली है जो पेशे से महिला चिकित्सक है ।डॉ उषा सिंह भाजपा की नेत्री थी। गिरिडीह लोकसभा सीट आजसू पार्टी के खाते में चले जाने के बाद उन्होंने भाजपा छोड़ कर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में गिरिडीह से

लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की थी। मीडिया से बात करते हुए डॉक्टर उषा सिंह ने कहा कि वह आज भी नरेंद्र मोदी की तारीफ करती है। नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है। लेकिन जिस प्रकार से गिरिडीह लोकसभा के सांसद ने गिरिडीह क्षेत्र की अपेक्षा की है यही कारण है कि उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया है। गिरिडीह की समस्या अगर नरेंद्र मोदी भी जानेंगे तो उनका दिल छल्ली हो जाएगा। क्योंकि पलायन कोलियारियों की स्थिति और डीवीसी की स्थिति काफी खराब है।

कोडरमा लोकसभा सीट पर अन्नपूर्णा देवी दो मई को करेंगी नामांकन

स्वदेश संवाददाता

गिरिडीह : भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी कोडरमा संसदीय सीट से दूसरी बार एनडीए के टिकट पर दो मई को नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। केन्द्रीय मंत्री के जिला सांसद प्रतिनिधि भाजपा नेता दिनेस यादव ने मंगलवार बताया कि इस दौरान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और यूपी उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य के अलावा गिरिडीह, कोडरमा, हजारीबाग जिले के सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, जिला अध्यक्ष समेत अन्य पार्टी नेता गिरिडीह के सर्कस मैदान में जुटेंगे। उन्होंने कहा कि सर्कस मैदान में चुनावी सभा होगी। इधर, कोडरमा लोकसभा सीट से इंडी गठबन्धन के टिकट पर भाकपा माले के विधायक विनोद सिंह एक मई मजदूर दिवस के मौके पर नामांकन का पर्चा दाखिल करेंगे। इस दौरान भाकपा माले के अलावा कांग्रेस, झामुमो, राजद के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। उधर, भाजपा छोड़कर 2022-23 में झामुमो में शामिल हुए गण्डेय के पूर्व विधायक प्रो. जय प्रकाश वर्मा ने पार्टी से बगावत कर कोहरमा लोस सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप चुनाव लड़ने की घोषणा की है। प्रो. वर्मा ने एक मई श्रमिक दिवस के मौके पर नामांकन करने का एलान किया है। वर्मा का कहना था कि कोडरमा से टिकट दिये जाने के वादे के भरोसे पर ही वे भाजपा छोडकर जेएमएम शामिल हुए थे।

पटाखों के बारूद में विस्फोट से तीन बच्चे झुलसे, रिम्स रेफर

स्वदेश संवाददाता

बोकारो : जिले के कसमार थाना क्षेत्र अंतर्गत फुटलाही गांव में मंगलवार को तीन बच्चे पटाखों से खेलने के दौरान बारूद में विस्फोट होने से गंभीर रूप से झुलस गए। आनन-फानन में तीनों को कसमार सीएचसी ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए रिम्स रांची रेफर कर दिया। घायलों में फुटलाही निवासी प्रशांत कुमार (10), अंशु कुमार महतो (09) और अतुल महतो (11) हैं। बताया जाता है कि गांव में एक शादी थी। तीनों बच्चों ने शादी में हुई आतिशबाजी में बिखरे पड़े पटाखों को चुनकर जमा किया। इसके बाद तीनों बच्चे घर की छत पर चढ़कर पटाखों का बारुद निकालकर एक जगह इकट्ठा किया। एक बच्चे ने बारुद में आग लगा दी। आग लगते ही बारूद में जबरदस्त धमाका हुआ और तीनों बच्चे उछलकर काफी दूर जाकर गिरे। विस्फोट और बच्चों के चीखने की आवाज सुनकर परिजन छत पर पहुंचे तो देखा कि तीनों बच्चे पूरी तरह झुलस गए हैं। फिर उन्हें आनन-फानन में कसमार सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद रिम्स रेफर कर दिया गया।

विवि की लिफ्ट में एक घंटे तक फंसी रही महिला कॉलेज की प्राचार्या, मूकदर्शक बने रहे कर्मी

स्वदेश संवाददाता

पलामू : नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय की बैठक में शामिल होकर लौट रही योध सिंह नामधारी महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डा. मोहिनी गुप्ता विश्वविद्यालय की लिफ्ट में फंस कर रह गई। लगभग एक घंटे तक विश्वविद्यालय की लिफ्ट में फंसे रहने के उपरांत उन्हें किसी तरह बाहर निकाला गया। ऐसी स्थिति में वहां उपस्थित

विश्वविद्यालय कर्मचारी व पदाधिकारी मुकदर्शक बने रहे। अखिल विद्यार्थी परिषद के पलामू जिला संयोजक सुमित पाठक ने इस मामले पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करते हुए कहा कि क्या विश्वविद्यालय के पास त्वरित कार्रवाई हेतु कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं थी, जिसके कारण इस भीषण गर्मी में प्राचार्या को एक घंटे तक लिफ्ट में जद्दोजहद करनी पड़ी। इस मामले से साबित होता है कि विश्वविद्यालय सुरक्षा मानकों को पूरा करने में खरा नहीं उतर पा रहा है। बड़ा हादसा होने पर क्या स्थिति होगी, इसकी कल्पना की जा सकती है। इस विषय पर जब परिषद कार्यकताओं ने सी.सी.डी.सी. डा. ए.के. पाण्डेय से बात की तो उन्होंने भी गोलमोल जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय को हमेशा वैकल्पिक व्यवस्था रखनी चाहिए, जिससे विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी व छात्र छात्राओं को इस प्रकार की परेशानी होने पर कम समय में उनकी मदद की जा सके।

प्रतियोगिता | ईएसएल स्टील लिमिटेड ने अंतर-केंद्र क्विज प्रतियोगिता का किया आयोजन

ईएसएल समग्र विकास पर देता है बल : आशीष

स्वदेश संवाददाता

बोकारो : वेदांता समूह की कंपनी और भारत में अग्रणी एकीकृत इस्पात उत्पादक ई एस एल स्टील लिमिटेड ने सामाजिक और सामुदायिक विकास के प्रति प्रतिबद्ध है। इसी के निमित ईएसएल स्टील लिमिटेड और अन्य सभी वेदांता कंपनियां उन समुदायों की भलाई के लिए प्रयासरत है। आज बच्चों को उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में मदद करने और प्रतियोगियों के बीच उपलब्धि और गर्व की भावना पैदा करने के अलावा उनके ज्ञान को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, विशेष रूप से विभिन्न ई एस एल स्टील लिमिटेड के प्रोजेक्ट प्रेरणा केंद्रों (ट्यूटोरियल और ड्राइंग) एवं एक्सेल 30 क्लासेज जैसे शैक्षिक हस्तक्षेप कार्यक्रमों में नामांकित लोगों के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्विज प्रतियोगिता का आयोजन ई एस एल स्टील लिमिटेड द्वारा अपने कार्यान्वयन भागीदार सार्थक सस्टेनेबल डेवलपमेंट फाउंडेशन के साथ

किया गया । ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन के पीछे का विचार छात्रों को अपने पाठ्य ज्ञान से परे देखने और उन्होंने जो सीखा है उसके सिद्धांत और अनुप्रयोग के बीच संबंध स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। ईएसएल स्टील लिमिटेड विज्ञान प्रदर्शनी, कला शो, क्विज आदि सहित कई ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता है। ये इंटरैक्टिव मंच हैं जहां छात्र न केवल पुरस्कार लेने या प्रसिद्ध होने के लिए भाग लेते हैं, बल्कि ज्ञान प्राप्त करने, शिक्षाविदों से परे उत्कृष्टता हासिल करने और सुरक्षित होने के अवसर तलाशते हैं। उनका भविष्य साथ ही इनमें से अधिकांश गतिविधियाँ उन्हें अपने टीम वर्क कौशल को निखारने का अवसर भी प्रदान करती हैं। क्विज प्रतियोगिता में छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों सहित लगभग 100 लोगों की बड़ी संख्या में उपस्थिति देखी गई, जो प्रतियोगियों को प्रेरित करने के लिए आए थे। मोइन अंसारी, प्रिंसिपल, एमजेएम स्कूल, बिजुलिया सहित गणमान्य व्यक्ति, मनोज तिवारी, पूर्व मुखिया, चंदाहा पंचायत और संटू रॉय, उपाध्याय, किसान युवा मोर्चा ने इस तथ्य की बहुत सराहना की कि ई एस एल स्टील लिमिटेड ने अपनी सहयोगी कार्यान्वयन एजेंसी के साथ मिलकर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था और वे इस बात से काफी प्रभावित हुए । इस अवसर पर ई एस एल स्टील लिमिटेड के सी एस आर, ई आर और पी आर प्रमुख आशीष रंजन ने कहा कि ईएसएल स्टील लिमिटेड हमेशा हमारे संयंत्र के आसपास के समुदायों के समग्र विकास और खुशी पर ध्यान केंद्रित करता है। हम अपने छात्रों के बीच रचनात्मकता और अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान करने का प्रयास करते हैं। इस तरह की पहल प्रतिभा को आगे बढ़ाती है, टीम निर्माण प्रयासों को प्रोत्साहित करती है और एक जीवंत सीखने के माहौल को बढ़ावा देती है जो शिक्षा से परे है। हमारे पूरे इतिहास में, वर्तमान में, और भविष्य की ओर देखते हुए, ई एस एल स्टील लिमिटेड चल रहे सी एस आर पहलों के माध्यम से समुदाय की भलाई का समर्थन करने के लिए समर्पित है, जो एक खुशहाल और संपन्न समुदाय को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

बीडीओ ने बीएलओ के अधिकार और कर्तव्यों की दी जानकारी

स्वदेश संवाददाता

इटखोरी : इटखोरी प्रखंड कार्यालय की सभागार भवन में बीडीओ ने बीएलओ के साथ बैठक कर उनके अधिकारों व कर्तव्यों की जानकारी दी । बैठक की अध्यक्षता बीडीओ सह सीओ सोमनाथ वंकिरा नें की । इस मौके पर पँचायत सचिव ब्रजेश चौवे , अखिलेश सिंह , मोहम्मद बेलाल , संतोष दांगी , सेवीका बीएलओ प्रीति ममता किरण कुसुम आलोपी समेत बड़ी संख्या में बीएलओ उपस्थित थे । इस मौके बीडीओ सोमनाथ वंकिरा ने बीएलओ सुपरवाइजर के कर्तव्यों को बताया , उन्होंने योग्य मतदाताओं को नाम जोड़ने के लिए विशेष अभियान , मतदान के दिन बीएलओ और सुपरवाइजर को किन चीजों पर कार्य करना है उस पर बताया गया । स्वीप कार्यक्रम , अबकी बार 80 पार । मतदान के दिन बालेंटियर में 14 और 18 साल के बच्चो को रखा जाएगा ताकि मतदाताओं को कोई परेशानी नही हो बालेंटियर का कार्य मतदाताओं को लाइन में लगवाना ,पानी पिलाना समेत अन्य कार्य होगा । मतदान स्थल पर बीएलओ हेल्फ डेस्क भी होगा ।

संपादकीय

घाटी में चुनावी माहौल और सीमा पार की साजिश

जिस समय जम्मू-कश्मीर में लोकसभा के लिए मतदान हो रहा था, उसी दौरान बारामूला में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ चल रही थी। उसमें सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया, हालांकि दो सैनिक भी जख्मी हो गए। यह मुठभेड़ दो दिनों तक चली। सुरक्षाबलों को उस इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। गनीमत है कि चुनाव के दौरान किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने से पहले आतंकियों को मार गिराया गया। बारामूला नियंत्रण रेखा पर स्थित जिला है। वहां सीमा पार से घुसपैठ कर आतंकियों के आने में पाकिस्तानी सेना का भी सहयोग मिलता है।अनेक मौकों पर देखा गया है कि घुसपैठ कर आए आतंकियों की भारतीय सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ होती है, तो उधर से पाकिस्तानी सेना भी गोलीबारी शुरू कर देती है, ताकि उन्हें लक्षित स्थान तक पहुंचाया या फिर वापस लौटने में मदद की जा सके। मगर भारतीय सेना पाकिस्तानी सेना और आतंकियों की ऐसी रणनीतियों से वाकिफ है और उन पर लगातार नजर बनाए रखती है। इस समय भारत में लोकसभा के चुनाव चल रहे हैं, जाहिर है वे आतंकी इसमें खलल डालने के इरादे से ही इधर आए थे। भारतीय सेना की सक्रियता और तत्परता का ही नतीजा है कि सीमा पार से प्रशिक्षण पाए आतंकियों की घुसपैठ में काफी कमी आई है। यह भी उल्लेखनीय है कि चुनाव के इस माहौल में घाटी में आतंकी घटनाएं नहीं होने पाई हैं। जबसे जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त हुआ है, अलगाववादी ताकतें स्थानीय लोगों को भड़काने और वहां उग्रवाद को तेज करने का प्रयास करती रही हैं। पाकिस्तान लगातार इसे जम्मू-कश्मीर की

संप्रभुता पर हमला करार देता रहा है। मगर अब वह पहले की तरह स्थानीय लोगों को भड़काने और बरगलाने में कामयाब नहीं हो पा रहा है।लगातार तलाशी अभियान और सीमा पर कड़ी नजर रखी जाने से घुसपैठ कराने की उसकी योजनाएं सफल नहीं हो पातीं। पहले वह सड़क मार्ग से तिजारती सामान में हथियार वगैरह छिपा कर इस तरफ पहुंचाने में कामयाब हो जाता था, मगर जबसे तिजारत के रास्ते बंद हैं, वह ऐसा नहीं कर पाता। पंजाब के कुछ इलाकों में ड्रोन के जरिए हथियार, गोला-बारूद और पैसे गिराने की कोशिश करता है, पर वहां भी अत्याधुनिक निगरानी प्रणाली स्थापित हो जाने से उसे मुंह की खानी पड़ रही है। हालांकि सरकार का दावा है कि घाटी में आतंकी गतिविधियों पर काफी हद तक नकेल कसी जा चुकी है, पर अब भी स्थानीय लोगों में भरोसा पैदा होने का दावा करना मुश्किल है। घाटी में पाकिस्तान की तरफ से आतंकवाद को मिल रहे समर्थन पर जरूर अंकुश लगा नजर आ रहा है, मगर स्थानीय युवाओं को दहशतगर्दी के रास्ते से अलग कर मुख्यधारा में शामिल करना अब भी चुनौती है। पिछले कुछ महीनों में शैक्षणिक संस्थानों में आतंकी तैयार करने वालों की पहचान होने, बाहरी लोगों को निशाना बना कर मारने और कई मौकों पर सुरक्षाबलों के काफिले पर हमला करने की घटनाओं से जाहिर है कि घाटी में आतंक की जड़ें अभी बनी हुई हैं और मौका पाकर कल्ले फोड़नी शुरू कर देती हैं। ऐसे प्रमाण भी मिले हैं कि स्थानीय युवाओं में हथियार उठाने की दर बढ़ी है। इसलिए ऐसी रणनीति पर गंभीरता से काम करने की दरकार महसूस की जाती है कि जिससे स्थानीय लोगों में शासन पर भरोसा कायम किया जा सके।

सोशल मीडिया से...

आज ये लोग एक झटके में गरीबी हटाने का दावा करते हैं, लेकिन इनकी 60 साल की सरकार, इनकी कई पीढ़ियों का काम गवाह है कि वंचित वर्ग के लिए इनकी मानसिकता क्या रही है। उनके दुख, उनकी तकलीफ से कांग्रेस और उनके साथियों को कोई वास्ता नहीं था।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

आप सभी जानते हैं कि 7 चरणों में होने वाले चुनाव के 2 चरण समाप्त हो चुके हैं। इन दो चरणों के बाद हमारी पार्टी के इंटरनल असेसमेंट के हिसाब से भाजपा और साथी दल मिलकर 100 के आगे निकल चुके हैं। और हम बड़े विश्वास के साथ जनता के आशीर्वाद और समर्थन से 400 पार के हमारे लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

कांग्रेस देश के गरीबों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों सहित हम सबका मेहनत से कमाया हुआ धन छीनना चाहती है। यह लोकतंत्र में कभी नहीं हो सकता। कितना दुर्भाग्य है कि कांग्रेस हमेशा से हिन्दू-मुसलमानों के बीच में फूट डालकर शासन करती रही।

डॉ. मोहन यादव, सीएम मप्र

अंकल (पीएम मोदी) ने आपका मूड खराब कर दिया है और मैं उसे ठीक करने आया हूं। अगर मोदी जी 20-25 अरबपति बना सकते हैं तो कांग्रेस पार्टी करोड़ों लखपति बना सकती है। दिल्ली में सरकार आते ही हम प्रफुल्ल पटेल को यहां से दो मिनट में आउट कर देंगे।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

आज का कार्टून

कम मतदान होने का अर्थ क्या...!

इस बात से इंकार करना कठिन है कि मतदाताओं की उदासीनता चुनाव में आरंभ से ही बनी हुई है। हालांकि विपक्ष के प्रचार के विपरीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को लेकर आम जनता के अंदर कहीं व्यापक आक्रोश या भारी विरोधी रुझान बिल्कुल नहीं दिखा है। कल्याण कार्यक्रमों के लाभार्थी तथा विकास नीति की प्रशंसा करने वाले हर जगह दिखाई देते हैं। श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से लेकर समान नागरिक संहिता एवं नागरिकता संशोधन कानून आदि पर विपक्ष के रवैये ने भाजपा के समर्थकों और मतदाताओं में प्रतिक्रिया भी पैदा की है। आम प्रतिक्रिया यही है कि प्रधानमंत्री तो नरेंद्र मोदी को ही होना चाहिए। लोग अगर वोट डालते समय यह विचार करेंगे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ही बनाना है तो वह किसका समर्थन करेंगे? कार्यकर्त्ताओं, नेताओं और समर्थकों के एक समूह के असंतोष का कुछ असर हो सकता है।

अवधेश कुमार

प्रथम चरण एवं दूसरे चरण में लगातार मतदान की गिरावट देश में चिंता का विषय बनी है तो यह स्वाभाविक है। अब तक कुल 12 राज्यों केरल, राजस्थान, त्रिपुरा, तमिलनाडु, उत्तराखंड, अरुणाचल, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम नागालैंड, सिक्किम तथा 3 केंद्र शासित प्रदेशों अंडमान, लक्षद्वीप और पुडुचेरी का मतदान संपन्न हो चुका है। हालांकि राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो औसत मतदान में गिरावट नहीं है। राज्यों एवं राज्यों के अंदर संसदीय क्षेत्र में भी मतदान प्रतिशत कहीं ठीक-ठाक है तो कहीं गिरा है। अगर दोनों चरणों की कुल 190 सीटों पर 2019 के मतदान प्रतिशत से तुलना करें तो यह मोटा मोटा दो प्रतिशत की गिरावट ही दिखाता है। दूसरे चरण में लगभग 68.49 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2019 में 70.05 प्रतिशत से ज्यादा हुआ था। त्रिपुरा में सर्वाधिक 79.66 प्रतिशत लोगों ने मताधिकार का उपयोग किया तो मणिपुर में 78.78 प्रतिशत ने।

असम में 2019 में 76.45 की जगह 77.35 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 75 प्रतिशत प्रतिशत की जगह 75.16 प्रतिशत, कर्नाटक में 68.21 की जगह 68.47 प्रतिशत, केरल में लगभग 80 प्रतिशत की जगह 70.21 प्रतिशत, बिहार में करीब 60 प्रतिशत की जगह 56.81 प्रतिशत, मध्यप्रदेश में 67.75 प्रतिशत की जगह 58.26 प्रतिशत, महाराष्ट्रमें 61.93 में 59.63 प्रतिशत, प. बंगाल में 80 प्रतिशत की जगह 73.78 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 62. 39 प्रतिशत की जगह 54.8 प्रतिशत मतदान हुआ। तो मध्यप्रदेश में 9 प्रतिशत तथा उत्तर प्रदेश में 8 प्रतिशत से ज्यादा मतदान की गिरावट असाधारण है। निश्चित रूप से इन दो चरणों ने मतदान की प्रवृत्तियों का आकलन कठिन बना दिया है। तो क्या मायने हैं मतदान प्रतिशत की इन गिरावटों का?

अभी तक 2019 के लोकसभा चुनाव में मतदान उच्चतम स्तर पर पहुंचा था। वर्तमान मतदान को देखते हुए तत्काल यह मानना होगा कि हमारे देश में 2019 ने रिकार्ड स्तर प्राप्त किया और तत्काल इससे आगे बढ़ाने की संभावना नहीं है। जब एक बार कोई भी प्रवृत्ति ऊंचाई छूती है तो उसके बाद उसे नीचे आना ही पड़ता है। हालांकि राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा और जन जागरूकता को देखते हुए मतदान प्रतिशत में निःसंदेह वृद्धि होनी चाहिए थी। नहीं हुआ तो यह सभी राजनीतिक दलों, मीडिया के साथ सक्रिय नागरिकों के लिए दुश्चिंता का विषय होना चाहिए और आगे के दौर में सभी कोशिश करें कि ज्यादा से ज्यादा लोग निकल कर मतदान करें, किंतु राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट को देखकर ज्यादा निराश होने का कोई कारण नहीं हो सकता। नागालैंड में इसलिए मतदान प्रतिशत ज्यादा गिरा क्योंकि 6 जिलों में ईस्टर्न नागालैंड पीपुल्स फ्रंट (ई.एन.पी.ओ.) ने अलग राज्य की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार किया था।

इन 6 जिलों के 20 विधानसभा क्षेत्रों में चार लाख से अधिक मतदाता हैं। जब इतनी संख्या में मतदाता मत डालेंगे नहीं तो उसे गिरना ही है। इसे मतदान की प्रवृत्ति नहीं मान सकते। करीब डेढ़ दशक पहले मतदान घटने का अर्थ सत्तारूढ़ घटक की विजय तथा बढ़ने का अर्थ पराजय के रूप में लिया जाता था और प्रायः ऐसा देखा भी गया। किंतु 2010 के बाद प्रवृत्ति बदली है। मतदान बढ़ने के बावजूद सरकारें वापस आई हैं और घटने के बावजूद गई हैं। पिछले 17 लोकसभा चुनावों के मतदान की प्रवृत्ति का आकलन करें तो 5 बार मतदान घटा है और 4 बार सरकार बदल गई और 7 बार मतदान बढ़ा तो उसमें 4 बार सरकारें बदल गईं। इसलिए इसके आधार पर कोई एक निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। दूसरे, हर जगह मतदान प्रतिशत ज्यादा गिरा भी नहीं है। तीसरे, बंगाल में साफ दिखाई दे रहा है कि दोनों पक्षों के मतदाताओं में एक-दूसरे को हराने और जीताने की प्रतिस्पर्धा है। संदेशखाली से लेकर अन्य मामलों के कारण वहां दुश्चहदुओं के बड़े समूह के अंदर ममता बनर्जी को लेकर आक्रोश है।

सबसे ज्यादा चर्चा उत्तर प्रदेश की है तो क्षेत्र के हिसाब से देखें तो कुछ जगहों में बहुत ज्यादा गिरावट नहीं है किंतु ज्यादातर में कमी आई है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इस इलाके में मतदान प्रतिशत घटना सामान्य स्थिति का परिचायक नहीं है। इस क्षेत्र को जातीय और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का विशेषण प्राप्त है। तो यह आकलन करना कठिन है कि जहां मतदान प्रतिशत गिरा वहां किनके मतदाता नहीं आए। पिछले चुनाव में भाजपा के लिए यह चुनौतीपूर्ण क्षेत्र था तथा बसपा सपा ने उसे गंभीर चुनौती दी थी। अगर भाजपा विरोधी उसे हराना चाहते थे तो उन्हें भारी संख्या में निकलना चाहिए। कहा भी जा रहा है कि सपा के कोर मतदाता यानी मुसलमान और यादवों का बड़ा समूह आक्रामक होकर मतदान कर रहा था। कांग्रेस को भी इसका लाभ मिला होगा। किंतु विरोधी भारी संख्या में निकलेंगे तो समर्थक भी इसका ध्यान रखेंगे।

हालांकि उम्मीदवारों के चयन, दूसरे दलों से आए लोगों को महत्व मिलने तथा कहीं-कहीं,गठबंधन को लेकर भाजपा समर्थकों और कार्यकर्त्ताओं में थोड़ा असंतोष है तथा एक जाति विशेष ने भी विरोधात्मक रूप अख्तियार किया था। बावजूद यह कहना कठिन होगा कि भाजपा समर्थक मतदाता ही ज्यादा संख्या में नहीं निकले। समर्थक कार्यकर्त्ता थोड़ा असंतुष्ट हों तो इसका असर होता है किंतु विरोधी तेजी से हराने के लिए निकले और इसके बावजूद वह प्रतिक्रिया न दें इस पर विश्वास करना कठिन होता है।

इस बात से इंकार करना कठिन है कि मतदाताओं की उदासीनता चुनाव में आरंभ से ही बनी हुई है। हालांकि विपक्ष के प्रचार के विपरीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को लेकर आम जनता के अंदर कहीं व्यापक आक्रोश या भारी विरोधी रुझान बिल्कुल नहीं दिखा है। कल्याण कार्यक्रमों के लाभार्थी तथा विकास नीति की प्रशंसा करने वाले हर जगह दिखाई देते हैं। श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से लेकर समान नागरिक संहिता एवं नागरिकता संशोधन कानून आदि पर विपक्ष के रवैये ने भाजपा के समर्थकों और मतदाताओं में प्रतिक्रिया भी पैदा की है। आम प्रतिक्रिया यही है कि प्रधानमंत्री तो नरेंद्र मोदी को ही होना चाहिए। लोग अगर वोट डालते समय यह विचार करेंगे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ही बनाना है तो वह किसका समर्थन करेंगे? कार्यकर्त्ताओं, नेताओं और समर्थकों के एक समूह के असंतोष का कुछ असर हो सकता है।

उन्होंने अगर काम नहीं किया या उनमें से कुछ ने मतदान से अपने को अलग रखा तो परिणाम पर इसके प्रभाव से इंकार नहीं किया जा सकता। भाजपा नेतृत्व को इसका संज्ञान लेते हुए दूर करने का प्रयास करना चाहिए। हालांकि जिनके अंदर असंतोष है उनमें भी यह भाव है कि अगर यह सरकार हार गई तो कहा जाएगा कि दुश्चहदुत्व विचारधारा की हार हो गई है। जिस जाति के विद्रोह की चर्चा हो रही है वहां भी लोगों के अंदर भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर सहानुभूति का भाव दिखता है। इसलिए यह मानने में भी कठिनाई है कि इन्होंने बिल्कुल एक मस्त आक्रामक होकर भाजपा के विरोध में मतदान किया होगा।

ऐसा होने का अर्थ मतदान बढ़ना होना चाहिए। मतदान कम होने को भाजपा विरोधी संकेत मानना उचित नहीं होगा। मतदान प्रतिशत सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के एक-दूसरे के विरुद्ध प्रखर वायुमंडल बनाने से ही बढ़ता है। सत्ता पक्ष अपने कार्यकर्त्ताओं, समर्थकों के साथ आम लोगों के एक समूह के अंदर यह संवेग पैदा कर दे कि हर हाल में उसी की सत्ता में वापसी उनके एवं देश के हित में है तथा विपक्ष के आने से अहित होगा तो लोग अपने आप बाहर निकलते हैं।

इसी तरह विपक्ष यदि अपने समर्थकों, कार्यकर्त्ताओं एवं गैर-दलीय मतदाताओं के अंदर यह भाव बिठा देगा कि यह सरकार आपके हितों के विरुद्ध काम कर रही है, इसका जाना ही आपके हित की रक्षा करेगा तो वह भी सरकार को हराने की मानसिकता में भारी संख्या में निकलेंगे। मतदान में गिरावट का अर्थ है कि या तो यह दोनों स्थिति नहीं बनी या कम बनी है या फिर इनमें से किसी एक में अवश्य कमी है।

आसपास का दृश्य समाज का बाहरी परिवेश ही निर्धारित करता है

अपनी वास्तविक चेतना के अनुसार जीना और उस दिशा में कार्य करना एक व्यक्ति के रूप में दृष्टा की पहचान होती है। पूर्व निर्धारित और प्रचलित धारणाओं से अलग जिसका नया, मौलिक और स्वंतत्र अस्तित्व होता है, उसका जीवन दर्शन और दृष्टि किसी बाहरी प्रभाव और मान्यताओं पर आश्रित नहीं होते और वह अकेला भी अपने व्यक्तित्व में हिमालय के शिखर की तरह खड़ा हो सकता है। आत्मविश्वास अपने आप में जो शक्ति देता है, उसके साथ वह किन्हीं हालात का सामना करता है। वह एक निश्चित अवधारणा और लीक का अनुकरण करने की अपेक्षा विकल्प की नई चुनौतियों को स्वीकार कर सकता है जो जीवन के लिए अपने मुक्त दृष्टिकोण के प्रति उसके प्रबुद्ध दृष्टा होने का प्रमाण होगा।

मीना बुद्धिराजा

दृश्य और दृश्य की सत्ता अलग-अलग है, लेकिन दोनों का संयोग ही समस्या और दुख का मूल कारण बनता है। जबकि दृश्य की उपादेयता ही दृष्टा को मुक्त और स्वतंत्र करने में होती है। उसे कहने भर को मात्र भोक्ता न बनाकर एक साक्षी के रूप मे स्थापित करना है। जीवन के प्रवाह में तटस्थ रहकर उसके सभी अनुभवों को मुक्त होकर देखने में ही दृश्य और दृष्टा की सार्थकता है। दृश्य में ही अनुरक्त हो जाना दर्शक का उससे बाहरी अर्थ में एकरूप हो जाना है और अगर दोनों में कोई भेद नहीं रहा तो उसके वास्तविक अर्थ तक पहुंचना असंभव हो जाता है, जो आमतौर पर सतह पर दिखाई देते स्थूल दृश्य में अंतर्निहित होकर नेपथ्य की गहराई में छिपा होता है। हमारे आसपास का जो विशाल दृश्य है, उसे समाज का बाहरी परिवेश ही निर्धारित करता है। व्यक्ति के आतंरिक और स्वंतत्र अस्तित्व की उसमें कोई भूमिका नहीं होती। वास्तव में दृश्य का अस्तित्व दृष्टा के बिना कुछ नहीं है, क्योंकि मानवीय चेतना निरतंर विकासशील होती है, जो व्यक्ति के आत्मविवेक और जागृति पर आधारित है। उसकी संवेदना और विचार वे माध्यम होते हैं, जिसके कारण वह अपने आसपास के परिवेश के यथार्थ से अपना एक अलग सबंध जोड़ सकता है। यह सबंध अगर समाज के वर्तमान परिदृश्य से एकता का हो सकता है तो उससे विपरीत और भिन्नता का भी संभव हो सकता है। यह बोध और पहचान की प्रवृत्ति न केवल बाहर की जड़ और यांत्रिक परिस्थितियों से प्रतिक्रिया करती है, बल्कि उसमें अपनी चेतना और स्थिति का मूल्यांकन भी करती है।

मगर विचारक और दृष्टा जानता है कि जीवन सतत बदलता है और उसमें कोई भी चीज स्थायी नहीं है। इसलिए प्रकृति के इस स्वभाव को स्वीकार कर लेना जरूरी है। अपने अस्तित्व को उसके सभी अनुकूल-प्रतिकूल दृश्यों के रूप और सभी मनोदशाओं के साथ इस सतत प्रवाह में आगे बढ़ना ही जीवन का अर्थ हो सकता है। एक ही स्थिति में जीने की चाह और जीवन के एक ही दृश्य के साथ स्थायी और जड़ होकर बंध जाने में जो बंधन और तकलीफ है, वह मुक्त होकर नई संभावनाओं की तलाश और स्वतंत्रता को रोक देती है। यह पता भी नहीं चल पाता है कि कब किस चीज का रास्ता किसने रोक दिया। हमारी साधारण वृत्ति दूसरे पर निर्भरता की रहती है, क्योंकि जीवन के रोजमर्रा के अनुभव किसी न किसी की स्वीकृति के सिद्धांत को पुष्ट करते हैं। हमारा भौतिक अस्तित्व प्रमाणित करता है कि पूर्णता के अनुभव के लिए दूसरे का आश्रय और अनुकरण जरूरी है। ज्यादातर दृश्यों में भी देखी जा रही विषयवस्तु ही सच का प्रमाण मानी जाती है जो किसी भीड़ के लिए एक जैसा होते हुए भी किसी दृष्टा के लिए उसका सच नहीं हो सकता। दृश्य इस अर्थ में स्थिर और जड़ न होकर निरंतर परिवर्तनशील होता है, क्योंकि बदलाव को न देखने की साधारण आदत के कारण हम किसी वस्तुगत यथार्थ को उसी रूप में देखने के अभ्यस्त हो जाते हैं। अपनी वास्तविक चेतना के अनुसार जीना और उस दिशा में कार्य करना एक व्यक्ति के रूप में दृष्टा की पहचान होती है। पूर्व निर्धारित और प्रचलित धारणाओं से अलग जिसका नया, मौलिक और स्वंतत्र अस्तित्व होता है, उसका जीवन दर्शन और दृष्टि किसी बाहरी प्रभाव और मान्यताओं पर आश्रित नहीं होते और वह अकेला भी अपने व्यक्तित्व में हिमालय के शिखर की तरह खड़ा हो सकता है। आत्मविश्वास अपने आप में जो शक्ति देता है, उसके साथ वह किन्हीं हालात का सामना करता है। वह एक निश्चित अवधारणा और लीक का अनुकरण करने की अपेक्षा विकल्प की नई चुनौतियों को स्वीकार कर सकता है जो जीवन के लिए अपने मुक्त दृष्टिकोण के प्रति उसके प्रबुद्ध दृष्टा होने का प्रमाण होगा। जीवन में विभिन्न अनुभव होना एक अलग बात है और उन अनुभवों को गहराई से समझना और सीखना अलग बात है। यह दृश्य से पूरी तरह तादात्म्य करके नहीं, बल्कि साक्षी भाव से और कुछ दूरी रखकर समझा जा सकता है, क्योंकि साध्य तक पहुंचने के लिए साधन सिर्फ माध्यम होते हैं। जो दृश्य में अपने होने की संकीर्ण सीमाओं से खुद को आजाद करता है, वही जीवन के उद्देश्य तक यानी मंजिल तक पहुंचा सकता है। दृष्टा के भाव में जीने के लिए जीवन अनंत संभावनाओं से भरा होता है और उसके लिए उन्मुक्त उदार दृष्टि रखने से परिपूर्ण कई नए रास्ते भी खुलते रहते हैं।यही जीवन की विधि और स्वभाव होना चाहिए कि उसकी दृष्टि कहीं जड़ और स्थिर होकर ठहरती नहीं, क्योंकि जो दृष्टि भोगना नहीं चाहती, वह जीवन के असीमित विकल्पों की खोज कर सकती है। इस दृश्य के विस्तार में कोई अंतिम बिंदु नहीं होता, क्योंकि अतीत के बोझ और भविष्य की आकांक्षा से मुक्त सिर्फ वर्तमान ही वह अकेला केंद्र होता है, जिस पर दृष्टा की चेतना कार्य करती है। दृश्य और दृष्टा का यही संबंध एक सहज, स्वतंत्र और गतिशील जीवन को निर्धारित करता है, जिसमें अपनी-अपनी सीमाओं से आजाद होकर दोनों का मुक्त अस्तित्व संभव है। इसमें दृष्टा की बुद्धिमता और संवेदनशीलता दृश्य को नया आयाम देती है और जीवन की यथास्थिति को हिलाकर उसे सार्थकता का सौंदर्य और सृजनात्मक ऊंचाई की दिशा दिखाती है।

RNI (JHAHIN/2016/69693) स्वत्वाधिकारी स्वदेश मीडिया नेटवर्क के लिए, मुद्रक एवं प्रकाशक मंगल प्रताप पाण्डेय द्वारा 237-बी,रोड़ न.2,अशोकनगर,रांची 834002 से प्रकाशित एवं शिवासाई पब्लिकेशन प्रा.लि. काठीटांड, (नियर टेंडर बगीचा) रातू, रांची-835222 झारखंड से मुद्रित।
प्रधान संपादक : मंगल पाण्डेय, **संपादक** : रौशन कुमार *, **विज्ञापन एवं प्रसार :** 8092174888, 9031730388, **कार्यालय:** 0651-7961780, किसी भी प्रकार के विवाद में न्यायिक क्षेत्र रांची होगा। (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार*)

लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

स्वदेश संवाददाता

हजारीबाग। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के मतदान की तिथि नजदीक आने लगी है तथा सुगम और शांतिपूर्ण मतदान में लिए जिला प्रशासन भी तैयारियों को मुक्कमल करने में युद्ध स्तर पर जुट गईं है। इसी क्रम में मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में सभी सीओ, बीडीओ एवं थाना प्रभारियों के साथ तैयारियों के बाबत समीक्षा बैठक की गईं। बैठक में उन्होंने कहा कि मतदान दिवस के पूर्व चिन्हित किए गए जिन विद्यालयों में सीएपीएफ की टीम निर्वाचन कार्य को लेकर ठहराव करेगी उन विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं को बहाल किया जाना अतिमहत्वपूर्ण हैं, जिसके अंतंगत उन्होंने केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानो के लिए आवासन, स्नानागार, शौचालय, बिजली, पंखा, मोबाईल चार्जर शॉकेट, पानी का टैंकर, जेनरेटर एवं भवन मरम्मती कार्य को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रखंडवार चिन्हित केंद्रों में किए जा रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति का जायज़ा लिया। साथ ही उन्होंने बचे हुए कार्यों का आकलन कर तय समय से एजेंसियों से कार्य समाप्त करने को कहा। उन्होंने गर्मी के देखते हुए सभी केंद्रो में अतिरिक्त पानी का टैंकर लगाने को कहा। उपायुक्त बल देते हुए कहा कि सभी केंद्रो में आवश्यक सुविधाओ को लेकर विभिन्न एजेंसियों द्वारा कार्य कराए जा रहे है उन सभी कार्यों को 10 मई तक पूर्ण करें। साथ ही उन्होंने सभी मतदान केंद्रों में भी एएमएफ सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारीयों को समन्वय बनाकर प्राथमिकता के साथ कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर जरूरी दिशा-निर्देश दिया। इस अवसर पर उपायुक्त के आलावा, पुलिस अधिक्षक अरविंद कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त प्रेरणा दीक्षित, कमांडेंट सीआरपीएफ मोहित कपूर, एसडीपीओ शिवाशीष कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी पंकज तिवारी, सदर एवं बरही एसडीओ सभी सीओ, बीडीओ एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

समर्पित सेवा भाव से हज़ारीबाग की सेवा ही मेरा लक्ष्य : संजय मेहता

स्वदेश संवाददाता

हजारीबाग। लोकसभा चुनाव को लेकर मंगलवार को जेबीकेएसएस समर्थित प्रत्याशी संजय मेहता नेबतौर निर्दलीय प्रत्याशी अपना नामांकन पर्चा जिला निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष दाखिल किया। बता दें कि संजय मेहता के नामांकन कार्यक्रम की रैली मटवारी गांधी मैदान से निकली और हजारीबाग समाहरणालय स्थित निर्वाचन कार्यालय पहुंची। रैली में जेबीकेएसएस के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो समेत बड़ी संख्या में समर्थक दिखे। अपने समर्थकों के बीच संजय मेहता ने नामांकन पश्चात हज़ारीबाग लोकसभा के लिए विकास के नए कृतिमान गढ़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि समर्पित सेवा भाव से अपनी माटी का सेवा करना ही मेरा लक्ष्य है। जिस तरह पिछले 3 वर्षों से झारखंड बचाने के लिए हमलोगों ने जनता की आवाज बुलंद किया है। आगे भी सड़क से सदन तक झारखंडियत कि आवाज बुलंद करता रहूंगा। वहीं जयराम महतो ने कहा कि जनता इस बार पार्टियों को यह संदेश जरूर देगी की अगर अच्छा जनप्रतिनिधि नही देंगे तो वो उन्हें वोट नहीं देगी। नामांकन कार्यक्रम में हज़ारीबाग लोकसभा एवं कोडरमा, गिरिडीह, चतरा, रांची समेत झारखंड के कई जिलों से भारी संख्या में झारखंडी लोग मौजूद रहे।

एनडीए गठबंधन के भाजपा उम्मीदवार मनीष जायसवाल आज करेंगे नामांकन

स्वदेश संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के भाजपा उम्मीदवार मनीष जायसवाल बुधवार को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन दाखिल करेंगे। प्रेसवार्ता कर श्री जायसवाल ने बुधवार को मीडियाकर्मियों को उक्त जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस खास मौके पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, दीपक प्रकाश, जदयू नेता सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो, आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो, आजसू नेता सह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी समेत झारखंड के विधायक दल के नेता अमर कुमार बाउरी, विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, विधायक भानु प्रताप शाही, विधायक बिरंची नारायण, विधायक राज सिन्हा, विधायक नीरा यादव, विधायक समरी लाल, विधायक किसुन दास, आलोक चौरसिया, विधायक अमित मंडल समेत एनडीए गठबंधन में शामिल भाजपा, आजसू, जदयू, और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के कई प्रदेश यूनिट और स्थानीय स्तर के कई दिग्गत नेता एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि नामांकन दाखिल करने से पूर्व हजारीबाग के कर्जन ग्राउंड परिसर में नामांकन- सह-आशिर्वाद सभा का आयोजन होगा, जिसमें हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सभी पांच विधानसभा हजारीबाग सदर विधानसभा, बड़कागांव विधानसभा, मांडू विधानसभा, बरही विधानसभा और रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के हर बूथ से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की शिरकत होगी।

बड़कागांव कांग्रेस कोर कमेटी की बैठक संपन्न

स्वदेश संवाददाता

बड़कागांव। प्रखंड कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में बड़कागांव झारखंड कॉलेज में कोर कमेटी की बैठक हुई। कांग्रेस कमेटी की बैठक में महागठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल के नामांकन में प्रखंड क्षेत्र के सभी हिस्सों से शामिल होने को लेकर विचार विमर्श हुआ। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे ने की। विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि महागठबंधन समर्थित कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल को पूरा हजारीबाग लोकसभा में आपार जन समर्थन मिल रहा है, आने वाले दिनों में बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में धुआंधार प्रचार करने का कार्य किया जाएगा। गांव में डोर टू डोर प्रचार प्रसार होगी। वहीं इस दौरान दिन बुधवार को जयप्रकाश भाई पटेल के नामांकन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने पर सहमति बनी। विधायक ने हर गांव एवं टोला से नामांकन में शामिल होने की अपील की। अंबा प्रसाद द्वारा इस दौरान लोकसभा चुनाव के मदेनजर प्रखंड में कोर कमेटी का गठन करते हुए कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव से संबंधित कार्यों की जिम्मेदारी दी गई। मौके पर 20 सूत्री अध्यक्ष हाजी तबस्सुम, प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, जगत नंदन प्रसाद गुप्ता, त्रिलोकी साव, कामेश्वर सिंह, रमेश सिंह भोक्ता, फिरोजा बेगम,प्रेमचंद महतो, दिनेश प्रसाद, परमेश्वर महतो, लालू यादव, गिरधारी प्रजापति, सुरेश चौधरी, श्याम भार्गव, ननकू राम, सिद्धार्थ कुमार, बालेश्वर महतो, शिवकुमार महतो, संजय कुमार, टुकन कुमार साव, चंद्रिका प्रसाद, मोहम्मद तसलीम, सुरेश महतो, गुरदयाल कुमार जिज्ञासु, दशरथ प्रसाद, अजय पासवान, हरिनाथ बेदिया, विशाल कुमार, गोविंद राम, बबलू कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।

रंगोली बनाकर स्कूली बच्चों की ओर से मतदाताओं को किया गया जागरूक

स्वदेश संवाददाता

दारू(हजारीबाग)। प्रखंड क्षेत्र के महेशरा प्लस टू उच्च विद्यालय में मंगलवार को स्वीप कार्यक्रम के तहत स्कूली बच्चों के बीच रंगोली, मेहंदी , पेंटिंग, क्विज और भाषण प्रतियोगिता आयोजित कर बच्चों के माध्यम से वोटरों को जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने एक से एक कलाकृति बनाकर चुनावी महापर्व के अवसर पर लोगों को।अधिक से अधिक वोट डालने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया गया। इस दौरान मौजूद बीडीओ ने स्कूली बच्चों की कलाकारी को प्रोत्साहित करते हुए अच्छी प्रस्तुति देने वाले बच्चे बचियों को पुरस्कृत किया साथ ही साथ वोटरो से अधिक से अधिक वोट देने का अपील किया। प्रखंड मुख्यालय मे भी मुख्य द्वार पर सेल्फी पॉइंट लगाकर और हस्ताक्षर अभियान चलाकर लोगों को वोट का इस्तेमाल करने की अपील किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या मे लोग सेल्फी खिंचाते नज़र आये।स्वीप योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम मे विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रेम् प्रकाश, पंचायती राज पदाधिकारी रविंद्र कुमार, गंगासागर ,आशीष कुमार, दिलीप कुमार, स्वाति वर्मा ,दिग्विजय सिंह ,नीलम कुमारी, सफीक खान, सुदामा राम आशीष सिंह शाहिद बड़ी संख्या में प्रखंड कर्मी व अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

इंटर आर्ट्स कॉलेज ने परचम लहराया, खुशी जायसवाल प्रखंड टॉपर बनी।

स्वदेश संवाददाता

बड़कागांव। इंटर 2024 की परीक्षा में इंटर आर्ट्स कॉलेज के बच्चो ने प्रखंड में अपना परचम लहराया। खुशी जायसवाल 429 अंक लाकर प्रखंड में टॉपर बनी । वही इशिका ने 428 अंक लाकर द्वितीय स्थान में रही, पलक कुमारी 425 अंक लेकर तीसरा स्थान लाई।नीलम कुमारी 412 , सोनी कुमारी 407,मनोज कुमार 405 ,दिनकर 393,विवेक 384,रोशनी 383, रुचि कुमारी 398, सुनीता 381,रानी 379, सुप्रिया भारती 370 ,राहुल331 अंक लेकर प्रखंड में प्रथम स्थान प्राप्त किया ।रिजल्ट की जानकारी प्राचार्य मो. अली दी उन्होंने कहा की कम समय में इंटर आर्ट्स कॉलेज आर्ट्स के क्षेत्र में आगे और बेहतर करेगी।कॉलेज परिवार इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है ।मौके पर शिक्षक रागिब अफजल, अवधेश , मिथलेश , रेणु , आमिर सोहेल , बाबर , सपना , सोनी तिवारी , शंकर राणा ,सुमित , जफर इकबाल , कुंवर ने खुशी व्यक्त की और बच्चों को बधाई देते उज्जवल भविष्य की

पारा चढ़ा, नल जल योजना भी नहीं दे रहा राहत

नल जल योजना लूट की योजना है : मुखिया अब्बास अंसारी

श्याम किशोर पांडेय

पानी की किल्लत से जूझ रहे बरकट्ठा के लोग

बरकट्ठा। सरकार की महत्वकांक्षी नल जल योजना से लोगों को काफी उम्मीदें थी कि खोलेंगे नल और मिलेगा जल ।लेकिन सारी उम्मीदें धरी की धरी रह गई। बरकट्ठा दक्षिणी पंचायत में कुछ लोगों के दरवाजे तक नल तो पहुंचा लेकिन जल अब तक नसीब नहीं हुआ है। इस भीषण गर्मी में लोगों को पेयजल की किल्लत से जूझना पड़ रहा है। इस बाबत मुखिया अब्बास अंसारी ने बताया कि यह योजना सिर्फ लूट की योजना है। इन समस्यायों से अनेकों वरीय पदाधिकारियों व कनीय अभियंता को अवगत कराया गया लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। संवेदक सिर्फ खानापूर्ति कर रहे हैं। लोगों की चिंता उनको नहीं है। वहीं वार्ड संख्या 12 के पंचायत सदस्य लक्ष्मण तूरी ने बताया मेरे वार्ड में पानी की भारी किल्लत है। चापकल का लेयर भी काफी नीचे चला गया है। पेयजल की समस्यायों से लोगों को जुझना पड रहा है। वहीं संवदेक के कर्मियों से पूछने पर टालमटोल जबाब देकर चुप लगा देते हैं। लोगों को सरकार की महत्वकांक्षी योजना से पानी कब नसीब होगा यह आश लगाए हुए हैं।

मनीष जायसवाल के नामांकन मे आजसू पार्टी के सैकड़ो कार्यकर्ता होंगे शामिल : गौतम वर्मा

स्वदेश संवाददाता

बड़कागांव। एनडीए से भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल के 1 मई नामांकन में शामिल होने को लेकर आजसू पार्टी प्रखंड कमेटी कि अहम बैठक की गई। बैठक बड़कागांव विधानसभा प्रभारी रोशन लाल चौधरी के निर्देश पर गुरु चट्टी आवासीय कार्यालय में किया गया।जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष गौतम वर्मा व संचालन प्रखंड प्रवक्ता तपेश्वर कुमार तापस ने किया। कार्यकर्ताओं को सख्त निर्देश दिया गया की दिनांक 1 मई दिन बुधवार क़ो सुबह 9:30 बजे +2 हाई स्कुल मैदान मे अपने -अपने गाड़ी मे आजसू पार्टी का झंडा और पट्टा के साथ उपस्थित होना है। तत्पश्चात प्रत्याशी मनीष जायसवाल के नामांकन कार्य हजारीबाग में शामिल होना निर्धारित है सभी गाड़ी एक साथ हजारीबाग के लिए रवाना होंगे। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष गौतम वर्मा, केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाह,प्रखंड प्रवक्ता तपेश्वर तापस, केंद्रीय सचिव अनिकेत कुमार,केंद्रीय सदस्य कामेश्वर महतो ,तुलेश्वर राम, सुरेश महतो ,अजय कुमार ,सेवक प्रसाद ,मनोज कुमार ,गणपति साहू, प्रमोद महतो, सुनील कुमार ,दिलीप महतो, रंजीत महतो सहित अन्य उपस्थित थे।

इंदिरा पसेरीया जंगल से पुलिस ने अवैध कोयला लदा ट्रैक्टर जप्त किया

स्वदेश संवाददाता

बड़कागांव। थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में अवैध कोयला कारोबार को लेकर जंगलों में छापेमारी की गई, जिसमें इंदिरा पसरिया जंगल मैं अवैध रूप से संचालित खदान से कोयला उत्खनन कर ले जा रहे अवैध कोयला लदा ट्रैक्टर को जप्त किया गया। पुलिस के द्वारा कार्रवाई देख ट्रैक्टर चालक घने जंगल में घुस गया और फरार हो गया। करवाई मंगलवार की सुबह 5:00 की है। थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह ने ग्रामीणों से कहा कि कोई भी अवैध कारोबार नहीं करें जो भी पकड़े जाएंगे उन्हें छोड़ नहीं जाएगा निश्चित तौर पर कड़ी कार्रवाई होगी और उसे जेल भेजा जाएगा।

इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी जय प्रकाश भाई पटेल आज भरेंगे नामांकन पर्चा

स्वदेश संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी जय प्रकाश भाई पटेल आज अपना नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे। नामांकन दाखिल करने के बाद जिला स्कूल मैदान पहुंचकर जनसभा करेंगे। बता दें कि जनसभा में झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, विधायक दल के नेता आलमगीर आलम, मंत्री सत्यानंद भोक्ता समेत कई विधायक एवं पूर्व विधायक शिरकत करेंगे। मंगलवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए श्री पटेल ने कहा कि झारखंडवासियों के रक्त में उलगुलान है। यहां के लोगों ने ही सबसे पहले अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान किया था। सरकार की दमनकारी नीतियों के खिलाफ टेकलाल बाबू ने लड़ाई लड़ी थी। झारखण्ड आंदोलन में उन्होंने अहम भूमिका निभाते हुए राज्यसभा में अलग राज्य का बिल पास कराया था। उन्होंने कहा कि झारखंड को हमने लड़कर अलग कराया था, आज केंद्र की भाजपा सरकार उसे पूरा नहीं होने दे रही। यहां के जल जंगलों को पूंजीपतियों को सौंपा जा रहा है। सरना धर्म कोड को मोदी सरकार मंजूरी नहीं दे रही। ख़तियानी नियोजन नीति को भाजपा के इशारे पर रोक दिया गया मगर अब वक्त आ गया है उलगुलान करने का।

स्ट्रॉन्ग रूम का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

स्वदेश संवाददाता

हजारीबाग। लोकसभा निर्वाचन के लिए विनोबा भावे विश्वविद्यालय एवं संत कोलंबा महाविद्यालय, हजारीबाग में बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम का जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नैंसी सहाय ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रजिस्टर, पंजी व आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह, उप निर्वाचन पदाधिकारी मां देव प्रिया, सदर एसडीओ शैलेश कुमार, बरही एसडीओ व अन्य मौजुद रहे।

प्रत्येक दिन अखबार पढ़ने की आदत डालें : डॉ बीके सिन्हा

स्वदेश संवाददाता

डिजिटल टेक्नोलॉजी को आत्मसात करें : डॉ प्रवीण सिंह

हजारीबाग। राजनीति विज्ञान विभाग के अच्छे विद्यार्थी बनने के लिए प्रत्येक दिन अखबार पढ़ने की आदत डालें। अखबार राजनीति विज्ञान का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। अखबार में आपको देश-दुनिया के महत्वपूर्ण घटनाक्रम के साथ-साथ कई प्रकार के अच्छे आलेख पढने को मिलेंगे। उक्त बातें संत जेवियर्स कॉलेज रांची के राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ बी के सिन्हा ने कही। डॉ सिन्हा मंगलवार को राजनीति विज्ञान विभाग में एक कार्यशाला को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। विषय था "राजनीति विज्ञान का सफल विद्यार्थी कैसे बने।" डॉ सिन्हा ने आगे बताया कि अखबार पढ़ने के साथ-साथ किताब पढ़ने की भी आदत डालें। वर्तमान समय में मोबाइल में अनेक प्रकार के साहित्य उपलब्ध होते हैं। लेकिन किताब की एक अलग सुगंध होती है। विशेष कर किसी लेखक द्वारा रचित जो मूल ग्रंथ होते हैं। इसके लिए हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी भाषा पर भी ध्यान दें। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने की। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक प्रोफेसर बी पी सिंह, डॉ रीता कुमारी, डॉ प्रमोद कुमार के अलावे विभाग के शोधार्थी, इंस्पायर फेलो एवं चतुर्थ वह द्वितीय समसत्र के विद्यार्थी उपस्थित थे।

जीएम इंटर महाविद्यालय, इचाक का कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन

स्वदेश संवाददाता

इचाक। झारखंड अधिविद् परिषद रांची द्वारा इंटरमीडिएट कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय का परिणाम जारी किया गया, जिसमें जी एम इंटर महाविद्यालय इचाक का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। इस परीक्षा परिणाम में वाणिज्य संकाय में विद्यार्थियों ने शत प्रतिशत प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए, जिसमें पूजा कुमारी 406 अंक लाकर महाविद्यालय की टॉपर रही।, राहुल कुमार 379, अमर कुमार 379 अंक लाकर सेकेंड टॉपर रहे। वही कला संकाय में महाविद्यालय का 99 प्रतिशत परिणाम रहा। कला संकाय में 606 विद्यार्थियों में से 360 प्रथम श्रेणी एवं 223 द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। महाविद्यालय से छात्रा पल्लवी कुमारी 409 अंक लाकर महाविद्यालय टॉपर बनी।405 अंक लाकर अमन कुमार सेकंड टॉपर और 404 अंक लाकर साक्षी राणा थर्ड टॉपर रही, उसके बाद क्रमशः नितेश कुमार 400 अंक, रानी कुमारी 388, अंक लाकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। विज्ञान संकाय में महाविद्यालय का 82 प्रतिशत परिणाम रहा जिसमें अमन कुमार 443 प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान पूर्णिया कुमारी 426, जिया वर्मा 417 तृतीय एवं राजेश कुमार 412 अंक लाकर चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। छात्र-छात्राओं के इस बेहतरीन प्रदर्शन से छात्र-छात्राओं में हर्ष एवं खुशी व्याप्त हो गई है, प्राचार्य शंभू कुमार ने छात्र-छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और कहा कि उनकी इस सफलता के पीछे खुद उनकी मेहनत और लगन साथ ही साथ शिक्षकों का मार्गदर्शन रहा है। सचिव विनय कुमार ने अपने मेहनती शिक्षकों सहित सभी कर्मचारियों को बधाई दी और कहा कि सही मार्गदर्शन के बदौलत आज महाविद्यालय का बेहतरीन प्रदर्शन रहा है और आगे भी महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं अपना परचम लहराते रहेंगे। छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय हर प्रकार की उचित सुविधा देती रही है और देती रहेगी। विदित हो की विगत 15 वर्षों से जी एम इंटर महाविद्यालय कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करता रहा है जिसके बदौलत यहां के छात्र-छात्राएं सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों में नौकरी पाकर अपना तथा महाविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। मौके पर उपस्थित महाविद्यालय प्रभारी पंकज कुमार एवं शिक्षक शिक्षिकाओं ने बताया कि यह जी एम ग्रुप आफ कॉलेज हजारीबाग का एक महत्वपूर्ण संस्थान है जो छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। इस अवसर पर शिक्षक रत्नेश कुमार राणा, संगम कुमारी, प्रणत कुमार रविदास, दीपक प्रसाद, संजीत कुमार यादव, राजकुमार दास, अजीत हंसदा, आशीष पांडे और कृष्ण कुमार, राजू कुमार, कृष्ण यादव, सुनीता कुमारी, प्रिया कुमारी, इत्यादि उपस्थित थे।

मार्खम कॉलेज में रसायनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ आरके कर्ण हुए सेवानिवृत्त

स्वदेश संवाददाता

विदाई समारोह आयोजित कर दी गई भावभीनी विदाई

हजारीबाग। स्थानीय मार्खम कॉलेज में रसायनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ आरके कर्ण सेवा निवृत्त हो गए। इस अवसर पर नए विज्ञान भवन के सभा कक्ष में विदाई समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गई। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ संध्या प्रेम ने कहा कि सेवानिवृत्ति सेवा काल का एक पड़ाव है। उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षकों को अलग सम्मान मिलता है। शिक्षकों का प्रथम दायित्व छात्र हित होता है। कॉलेज के रसायनशास्त्र विभाग के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ अजीत कुमार तिवारी ने कहा कि डॉ कर्ण ने अपने सेवाकाल में दायित्वों का भरपूर निर्वहन किया। कॉलेज के भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी इंसान को कार्य करते रहना चाहिए। कॉलेज के प्रोफेसर इंचार्ज डॉ श्याम किशोर सिंह ने कहा कि डॉ कर्ण लंबे सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं। ये एक कर्मठ व्यक्तित्व के प्रतिभाशाली व्यक्ति है। इनके अनुशासित कार्यों ने हमेशा इनको अलग बनाया।समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षक डॉ आरके कर्ण ने कहा कि परिवर्तन एक सत्य है, जो सेवाकाल के बाद सेवानिवृत्ति के रूप में आती है। समारोह में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो गजेंद्र कुमार सिंह, वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ ब्रह्मदेव त्रिवेदी,इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ जय गोविंद प्रसाद,भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ रंजीत कुमार दास, बीएमएलटी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ शालिनी, प्रयोगशाला सहायक रामानुज शर्मा ने भी उद्गार व्यक्त किए। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक को मोमेंटो व बुके दे कर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। समारोह में मंच का संचालन राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ रंजीत कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो एसएन त्रिपाठी, प्रो अंजना मर्सी तिर्की, डॉ अमृता एक्का, प्रो बलवंती कुमारी, प्रो काजल किरण, प्रो अनुभा तिर्की, डॉ संजय लकड़ा, डॉ आशीष प्रवीण, डॉ केपी पांडेय, डॉ कल्पना छाया लकड़ा,डॉ नितिन नीरज, डॉ सुधीर तिवारी, प्रो डीपी यादव, डॉ रूपम कुमारी, डॉ लाडली कुमारी, डॉ कनक रागिनी, प्रो संतोष रविदास, प्रो रणधीर कुमार, प्रो चंदा प्रसाद, प्रो आरती कुमारी, प्रो सज्जाद आलम,समेत कई शिक्षकगण व शिक्षकेत्तर कर्मियों में एसके गांगुली, विनोद वर्मा समेत कई कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

लाल सागर में हूती विद्रोहियों ने फिर दागीं ताबड़तोड़ मिसाइल, निशाने पर क्यों सऊदी अरब का माल

साना, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में सोमवार को एक कंटेनर पोत को निशाना बनाकर कथित रूप से मिसाइल से हमला किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। इस अहम समुद्री मार्ग पर अंतरराष्ट्रीय पोतों के खिलाफ उनके अभियान की कड़ी में यह नया हमला है। ब्रिटेन की सेना की 'यूनाइटेड किंगडम मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर' ने कहा कि यह हमला यमन में मोखा के अपतटीय क्षेत्र में हुआ। इसके अलावा उसने और कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई। उसने क्षेत्र से गुज़रने के दौरान पोतों से सतर्कता बरतने का आग्रह किया है। निजी सुरक्षा कंपनी 'अम्ब्रे' ने कहा कि माल्टा का ध्वज लगे कंटेनगर पोत को ताबड़तोड़ तीन मिसाइल के जरिए निशाना बनाया गया है। यह कंटेनर ज़िबूती से सऊदी अरब के जेद्दा की ओर जा रहा था। 'अम्ब्रे' ने कहा कि पोत को इसलिए निशाना बनाया गया, क्योंकि इसके सूचीबद्ध संचालक का इज़रायल के साथ व्यापारिक संबंध है। हालांकि पोत के संचालक ने कहा कि पोत ज़िबूती में ही है और घटना में इसे निशाना नहीं बनाया जा सकता है। हूती ने तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन शक उनपर ही है।

अमेरिका में अपराधी को गिरफ्तार करने गई पुलिस पर दागीं गोलियां 4 अधिकारियों की मौत

चार्लोट, एजेंसी। अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना में एक चौंकाने वाली घटना हुई हैं। यहां पुलिस जिन बदमाशों को पकड़ने गई थी उन्ही ने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इससे चार अधिकारियों की मौत हो गई। वहीं, चार अन्य अधिकारी घायल हो गए। यह सभी अधिकारी बंदूक रखने के आरोप में वांछित एक अपराधी के वारंट की तामील करने उत्तरी कैरोलिना के एक घर में गए थे। तभी बदमाशों ने गोलीबारी शुरू कर दी जिसमें चार पुलिस कर्मियों की मौत हो गई तो वहीं चार घायल हो गए। चार्लोट-मैकलेनबर्ग पुलिस प्रमुख जॉनी जेनिंग्स ने कहा कि मारे गए अधिकारियों की पहली खेप को बचाने के लिए चार्लोट पड़ोस में पहुंचे कुछ अधिकारी घायल हो गए क्योंकि वांछित व्यक्ति को मारने के बाद दूसरे शूटर ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर अमेरिकी मार्शल सेवा ने पुष्टि की है कि उत्तरी कैरोलिना के चार्लोट में एक भगोड़े वारंट अपराधी को पकड़ने के लिए चलाए गए ऑपरेशन के दौरान एक उप अमेरिकी मार्शल की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। कई अन्य मार्शल सर्विस टास्क फोर्स के सदस्यों और स्थानीय अधिकारियों को भी गोली मार दी गई और घायल कर दिया गया। जेनिंग्स ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आज हमने कुछ नायकों को खो दिया जो हमारे समुदाय को सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहे थे। इस मुठभेड़ के बाद घर में एक महिला और एक 17 वर्षीय पुरुष पाए गए हैं। जेनिंग्स ने कहा, दोनों से पूछताछ की जा रही है।

लॉटरी जीतने का पता चला तो निकल पडे आंसू

लंदन, एजेंसी। इंग्लैड के विल्टशायर के निवासी 51 वर्षीय व्यक्ति ट्रोब्रिज ने 18 मई 2023 को टिकट खरीदा था। शख्स ने कई दिनों तक टिकट की जांच नहीं की। उन्होंने कहा कि वह पलस्तर का एक दिन पूरा करने के बाद अपनी वैन में बैठकर कॉफी पी रहा था और तभी उसकी नजर छज्जे के पीछे टिकट पर पड़ी। वह एक दुकान के करीब था इसलिए उसने सोचा कि वह अंदर जाएगा और टिकट की जांच करवाएगा, इस उम्मीद में कि शायद कुछ हो जाए।जब स्टोर सहायक ने इसे जांचने के लिए मशीन में डाला, तो मशीन ने वास्तव में अजीब आवाज निकाली, कुछ ऐसा जो उसने पहले कभी नहीं सुना था। तब सहायक ने उससे कहा कि उसे टिकट पर दिए गए नंबर पर कॉल करना होगा क्योंकि यह एक विजेता टिकट था लेकिन वह उसे भुगतान नहीं कर सकती। जॉन ने सोचा कि शायद उसने केवल दस हजार रुपये ही जीते हैं, और जब उसे पता चला कि उसने इससे कहीं अधिक राशि जीती है तो उसकी आंखों में आसू आ गए। अपनी वैन में वापस गया उसी क्षण रेडियो पर एक राष्ट्रीय लॉटरी का विज्ञापन आया, जिसमें एक विजेता का टेलीफोन कॉल बज रहा था। और सचमुच ही उसके कॉल का जवाब था। फोन के अंत में महिला ने जॉन से कहा, 'क्या आप बैठे हैं?' फिर उसने पुष्टि की कि उसने शीर्ष पुरस्कार जीता है।जॉन लंबे समय तक काम करने, धूल में सने रहने और बिलों की चिंता से तंग आ चुका था। लाटरी विजेता शख्स एक झील के किनारे घर बनाने और मछली पकड़ने की उम्मीद करता है। युवक अब मछली पकड़ने और फोटोग्राफी के अपने शौक को पूरा करने की योजना बना रहा है।

नेतन्याहू होंगे गिरफ्तार! अरेस्ट वारंट से भड़का अमेरिका, दी अंजाम भुगतने की चेतावनी

येरुशलम, एजेंसी। गाजा पट्टी में भीषण नरसंहार के चलते इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ ऐक्शन हो सकता है। रिपोर्ट है कि अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय उनकी गिरफ्तारी का वारंट जारी करने वाली है। वारंट सिर्फ नेतन्याहू ही नहीं इजरायली रक्षा मंत्री और आईडीएफ चीफ के खिलाफ भी जारी हो सकता है। आईसीसी के इस कदम ने अमेरिका को भड़का दिया है। उसने चेतावनी दी है कि अगर ऐसा हुआ तो आईसीसी अंजाम भुगतने को तैयार रहे।

गाजा पट्टी में इजरायली सेना के कत्लेआम से मरने वालों की तादाद 34 हजार पार कर गई है। गाजा में मरने वालों में ज्यादातर निर्दोष बच्चे और महिलाएं हैं। गाजा पर जमीनी और हवाई ऑपरेशनों रोकने के लिए यूएन समेत कई अंतरराष्ट्रीय संगठन आवाज उठा चुके हैं लेकिन, नेतन्याहू ने अपने कदम पीछे नहीं किए।

एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में दोनों पार्टियों के सांसदों ने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय को चेतावनी दी है कि यदि शीर्ष इजरायली अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया तो वाशिंगटन अदालत के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा। बता दें कि आईसीसी नेतन्याहू, इजरायली रक्षा मंत्री समेत आईडीएफ चीफ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस मामले

पर आईसीसी ऐक्शन लेने की तैयारी कर रहा है। हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के अध्यक्ष माइकल मैककॉल ने कहा कि आईसीसी अधिकारियों को मंजूरी देने के लिए एक विधेयक पास होने की उम्मीद है, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों को लगता है कि उसकी धमकी के बाद आईसीसी अपने कदम वापस ले सकता है। अमेरिकी सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने गाजा युद्ध के लिए नेतन्याहू के गिरफ्तारी वारंट जारी करने को लेकर आईसीसी की निंदा की है।

जॉनसन ने एक बयान में कहा, यह अपमानजनक है कि आईसीसी कथित तौर पर इजरायल के प्रधान मंत्री नेतन्याहू और अन्य वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों के खिलाफ निराधार गिरफ्तारी वारंट जारी करने की योजना बना रहा है। आईसीसी की ऐसी अराजक कार्रवाई सीधे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को कमजोर करेगी। यदि बाइडेन प्रशासन द्वारा चुनौती नहीं दी गई, तो आईसीसी अमेरिकी नेताओं, हमारे राजनयिकों और सैन्य कर्मियों के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी कर सकती है। इससे हमारे देश की संप्रभुता खतरे में पड़ सकती है।

पुतिन के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी कर चुका आईसीसी बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब आईसीसी ने किसी देश के सर्वोच्च नेता पर इस तरह का ऐक्शन लिया हो। इससे पहले आईसीसी ने यूक्रेन पर युद्ध के आरोप में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इस ऐक्शन के तहत आईसीसी के नियमों को मानने वाले किसी भी देश के दौरे पर उस नेता पर गिरफ्तारी का खतरा रहता है।

हमास संचालित स्वास्थ्य प्राधिकरण का दावा, राफा में इजरायली हमलों में 27 लोग मारे गए

गाजा/तेल अवीव , एजेंसी। दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा शहर पर ताजा इजरायली हमलों में कम से कम 27 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। क्षेत्र के हमास-नियंत्रित स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह दावा किया। अधिकारियों ने कहा कि रात के दौरान विभिन्न हमलों में सीमावर्ती शहर की आवासीय इमारतों में 20 लोग मारे गए।

सोमवार सुबह गोलाबारी में राफा में एक परिवार के सात सदस्यों की भी कथित तौर पर मौत हो गई। जानकारी को स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं किया जा सका। इजरायली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि वह घटनाओं के सटीक निर्देशांक के बिना टिप्पणी नहीं कर सकते।

इजरायल ने कहा है कि वह फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के शेष गढ़ों को खत्म करने के लिए राफा में आक्रामक अभियान शुरू करेगा। इजरायल के सहयोगियों ने बार-बार सावधानी बरतने का आग्रह किया है, क्योंकि सैकड़ों हजारों विस्थापित फिलिस्तीनी नागरिक शहर में शरण ले रहे हैं। नियोजित सैन्य अभियान को अभी भी टाला जा सकता है, हमास का एक प्रतिनिधिमंडल फ़िलिस्तीनी कैदियों के बदले में इजरायली बंधकों की रिहाई पर बातचीत करने के लिए सोमवार को मिस्र पहुंच रहा है।

कई सालों से आग में झुलस रहा अमेरिका का सेंट्रलिया शहर

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के पेनसिल्वेनिया का यह खौफनाक शहर सेंट्रलिया दशकों से जमीन के नीचे की आग की चपेट में है। आज इसकी आबादी केवल 5 लोगों की रह गई है। 1962 में सेंट्रिलिया की खदान में आग लग गई थी जिसने आज तक थमने का नाम नहीं लिया है और अब पूरा का पूरा बसाया बसाया शहर जमीन के अंदर लगी आग के धुएं से तबाह हो चुका है।

1920 के दशक में सेंट्रलिया दुकानों से भरा एक हलचल भरा शहर हुआ करता था, जिसके निवासी बढ़ते खनन उद्योग से लाभान्वित होते थे। जैसे-जैसे इसकी अर्थव्यवस्था बढ़ती गई, इसके 1,200 निवासी स्थानीय खदानों से प्राप्त कोयले पर खुशी से जीवन व्यतीत करने लगे।पर आज यह शहर पूरी तरह से वीरान है, इसकी अधिकांश इमारतें नष्ट हो चुकी हैं। यह सब एक खदान में लगी आग से शुरू हुआ जो 1962 में शुरू हुई और 50 साल से अधिक समय बाद भी जल रही है, जिसके धुएं से शहर पूरी तरह से तबाह हो गया। पिछली अमेरिकी जनगणना के अनुसार शहर की आबादी अब घटकर केवल 5 लोगों की रह गई है, जो अब धुएं वाले इलाके के करीब रहते हैं। फायर अंडरग्राउंड में डेविड डेटोक ने लिखा कि यह अप्रासंगिक, छोटे शहर के इतिहास जैसा लग सकता है।कूड़े के ढेर को साफ़ करने के लिए सेंट्रलिया काउंसिल का तरीका यह था कि उसमें आग लगा दी जाए। ऐसा माना जाता है कि विशाल डंप आग ने शहर के नीचे एक बड़ी खदान में आग लगा दी, जिसके कारण जल्द ही सेंट्रलिया की कोयला खदानों के पूरे नेटवर्क में आग फैल गई। आग बुझाने के कई प्रयास किए गए लेकिन ये असफल रहे।

हैती में व्यवस्था बहाल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सेना में शामिल होने को बांग्लादेश सहमत

वाशिंगटन, एजेंसी। हैती में व्यवस्था बहाल करने में मदद करने के लिए बांग्लादेश एक अंतरराष्ट्रीय सेना में शामिल होने के लिए सहमत हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी। यूएन के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने सोमवार को कहा कि बांग्लादेश उन छह देशों में से एक है, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को लिखा है कि वे हैती में बहुराष्ट्रीय सुरक्षा सहायता मिशन (एमएसएसएम) में कर्मियों का योगदान देंगे। गौरतलब है कि सुरक्षा परिषद ने हैती में स्थिति को सुधारने में मदद करने के लिए एमएसएसएम मिशन का गठन किया है। यह मिशन संयुक्त राष्ट्र से स्वतंत्र रूप में कार्य करेगा। केन्या के नेतृत्व वाली सेना में बहामास, बारबाडोस, बेनिन, चाड और जमैका शामिल हैं। गौरतलब है कि हैती की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस सहित देश के कई हिस्सों में सशस्त्र गिरोह अराजकता फैलाए हुए हैं। इस दौरान हजारों लोग मारे गए हैं। 1.4 मिलियन लोगों को अकाल का सामना करना पड़ रहा है और चार मिलियन लोगों को गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। इस साल फरवरी में हैती के प्रधानमंत्री एरियल हेनरी, देश छोड़कर अमेरिका भाग गए थे। उन्होंने पिछले सप्ताह अमेरिका में निर्वासन के दौरान इस्तीफा दे दिया।

भारत महाशक्ति बन रहा है और हम भीख मांग रहे हैं : मौलाना फजलुर रहमान

इस्लामाबाद, एजेंसी। गरीबी,भुखमरी और आतंकवाद के लिए खुद की पहचान बना चुके पाकिस्तान का दर्द एक बार फिर छलका है। दरअसल पाकिस्तानी संसद में विपक्ष के एक सांसद ने भारत की तारीफ करते हुए अपने ही देश की बुरी गत का जिक्र कर दिया। नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता और जेयूआई-एफ प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने बयान दिया कि एक तरफ भारत है जो लगातार महाशक्ति बनने की तरफ बढ़ रहा है, दूसरी तरफ हम हैं जो दिवालिया होने से बचने के लिए दूसरे देशों से भीख मांग रहे हैं। रहमान ने शहबाज शरीफ पर निशाना भी साधा। आरोप लगाया कि पाकिस्तान में सरकारें महलों में बनती हैं। पर्दे के पीछे के कुछ लोग फैसले ले रहे हैं और हम सिर्फ कठपुतली बने हुए हैं। सांसद अब खुलेआम

पीएम शहबाज शरीफ को खरी-खोटी सुनाने में लगे हैं। नेशनल असेंबली पर अपने भाषण में मौलाना फजलुर रहमान का शहबाज पर जमकर गुस्सा फूटा। उन्होंने कहा कि एक तरफ भारत महाशक्ति बनने का सपना देख रहा है और हम दिवालिया होने से बचने के लिए भीख मांग रहे हैं। इसका जिम्मेदार कौन है? रिपोर्ट के अनुसार, मौलाना फजलुर रहमान ने देश की दुर्दशा के लिए पर्दे के पीछे से फैसले लेने वाली अदृश्य ताकतों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने देश की निर्वाचित सरकार को महज उनकी कठपुतली बताया। साथ ही दावा किया कि हमारी दीवारों के पीछे कुछ ऐसी शक्तियां हैं जो हमें नियंत्रित कर रही हैं और वे ही सारे निर्णय ले रहे हैं जबकि हम सिर्फ कठपुतलियां हैं।रहमान ने संसद की वैधता पर सवाल उठाते हुए संविधान के सिद्धांतों को त्यागने और लोकतंत्र को बेचने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, सरकारें महलों में बनती हैं और नौकरशाह तय करते हैं कि प्रधानमंत्री कौन होगा? मौलाना फजल ने सवाल किया, कब तक हम समझौता करते रहेंगे? कब तक हम विधायक चुने जाने के लिए बाहरी ताकतों से मदद मांगते रहेंगे। दरअसल, 2024 के संसदीय चुनाव के बाद पाकिस्तान में नई सरकार का गठन तो हो गया लेकिन, हालात अभी भी नहीं सुधरे हैं। जोड़-तोड़ कर सरकार बनाने वाले शहबाज शरीफ एक बार फिर पीएम की कुर्सी पर विराजमान हो चुके हैं। तमाम वादों के बावजूद पाकिस्तान की आर्थिक दुर्दशा में रत्ती भर भी फर्क नहीं आया। शहबाज शरीफ लगातार दूसरे देशों में जाकर आर्थिक मदद ला रहे हैं, जिसके दम पर सरकार चल रही है। हालत ये हो गई है कि अब सांसदों ने भी शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रहमान ने 2018 और 2024 दोनों समय लोकसभा चुनावों में हुई धांधली की निंदा की और कथित तौर पर नकली प्रतिनिधियों के सत्ता में आने की निंदा की। रहमान ने दावा किया कि देशवासी असुरक्षा से ग्रस्त हैं और इसके प्रति हमारी सरकार को होश में आने की जरूरत है।

ये सरेंडर तो शर्मनाक... इजरायल की युद्ध कैबिनेट दो फाड़; मंत्री क्यों बोले खतरे में नेतन्याहू सरकार

राफा, एजेंसी। दक्षिण गाजा पट्टी के राफा शहर के तीन आवासीय इमारतों पर इजरायल की ओर से किए गए हवाई हमलों में करीब 20 फिलीस्तीनी मारे गए हैं। फिलिस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी वफा ने सोमवार को बताया कि गाजा पट्टी के राफा शहर के आवासीय क्षेत्र में इजरायल ने हवाई हमले किए, जिसमें करीब 20 लोगों की जान चली गई। पीड़ितों में बच्चे और महिलाएं शामिल हैं ओर कई अन्य लोग अभी भी मलबे में फंसे हुए हैं। नागरिक सुरक्षा दल उन्हें बचाने के लिए काम कर रहे हैं।

ये हमले काहिरा में हमास नेताओं और मिस्र के मध्यस्थों के बीच नए दौर की संघर्ष विराम वार्ता से ठीक पहले हुए हैं। इसके बावजूद मिस्र के विदेश मंत्री ने कहा है कि वह गाजा में युद्ध विराम के नए प्रस्तावों को लेकर आशान्वित हैं। सूत्रों के अनुसार गाजा में युद्धविराम के संबंध में आंदोलन की प्रतिक्रिया देने और इजरायल के साथ बंधक और कैदियों की अदला-बदली समझौते पर बातचीत करने के लिए हमास प्रतिनिधिमंडल आज

काहिरा जाने वाला है।

इधर, बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच इजरायल की युद्ध कैबिनेट ने भी गाजा में युद्ध विराम के प्रस्तावों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कैबिनेट के मंत्री इस मुद्दे पर आपस में ही उलझते और दो फाड़ दिखे। रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज ने कहा है कि अगर इजरायली सरकार बंधकों की रिहाई के समझौते को रोकती है तो उसे सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं रहेगा। दूसरी तरफ वित्त मंत्री बेजालेल स्मोटरिच ने कहा कि सरकार समझौते के लिए तैयार होती है तो यह शर्मनाक सरेंडर होगा। कट्टरपंथी इजरायली मंत्री प्रधानमंत्री नेतन्याहू को चेतावनी दे रहे हैं कि अगर हमास के साथ बंदियों के बदले युद्ध विराम पर सहमति बनी तो उनकी सरकार गिर जाएगी।ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने कहा है कि नई वार्ता के अनुसार इसमें 40 दिनों का युद्ध विराम शामिल होगा। अमेरिकी विदेश मंत्री ने भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हमास इस उदार प्रस्ताव को स्वीकार करेगा। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन किर्बी ने कहा है कि इजरायल ने अमेरिका समेत अन्य पश्चिमी देशों को भरोसा दिया है कि वो रफाह में हमला नहीं करेगा।

हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा है कि पिछले 24 घंटों के दौरान इजरायल की ओर से किए गये हमलों में करीब 66 फिलिस्तीनियों की मौत हो गयी और अन्य 138 घायल हो गए हैं। पिछले साल सात अक्टूबर को इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष शुरू होने के बाद से गाजा पट्टी में मरने वालों की कुल संख्या 34,454 तक पहुंच गयी है और 77,575 लोग घायल हो गए।

स्कॉटलैंड के पहले मुस्लिम प्रथम मंत्री हमजा यूसुफ का इस्तीफा, पार्टी में हलचल; उत्तराधिकारी की तलाश तेज

स्कॉटलैंड, एजेंसी। मार्च 2023 में स्कॉटलैंड के पहले मुस्लिम प्रथम मंत्री के रूप में पदभार संभालने वाले पाकिस्तानी मूल के हमजा यूसुफ ने स्कॉटिश नेशनल पार्टी (एसएनपी) के नेतृत्व वाली सरकार से इस्तीफा दे दिया। बता दें कि पार्टी के अंदरखाने कई दिनों से उथल-पुथल चल रही थी। 39 वर्षीय यूसुफ ने बढ़ते नीतिगत मतभेदों के बीच पिछले सप्ताह स्कॉटिश ग्रीन पार्टी (एसजीपी) के साथ गठबंधन भी समाप्त कर दिया था। इस तरह से अल्पमत वाली एसएनपी सरकार पर संकट के बादल मंडराने लगे थे।

मैं किसी के साथ सौदा नहीं कर सकता- हमजा यूसुफ : इससे पहले एसएनपी की सहयोगी एसजीपी ने विपक्षी पार्टियों के साथ मिलकर दो अविश्वास प्रस्तावों का समर्थन किया था। पहला अविश्वास प्रस्ताव यूसुफ के नेतृत्व को लेकर था जबकि दूसरा प्रस्ताव स्कॉटिश सरकार के संबंध में था। इसे लेकर हमजा यूसुफ का कहना है कि अविश्वास प्रस्ताव को लेकर उनके पास भी विकल्प मौजूद था लेकिन उन्होंने वह रास्ता नहीं चुना। हमजा ने कहा कि मैं केवल सत्ता में रहने के लिए अपने मूल्यों और सिद्धांतों का व्यापार कर किसी के साथ सौदा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा काफी सोचने के बाद वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि देश के लिए सबसे अच्छा क्या है।

मुझे जो अवसर मिला, उसके लिए आभारी हूं- हमजा यूसुफ : एडिनबर्ग के ब्यूट हाउस में दिए गए अपने भाषण में यूसुफ ने कहा कि मुझे दुख है कि मंत्री के रूप में मेरा कार्यकाल समाप्त हो रहा है, लेकिन नेतृत्व का जो अवसर मुझे मिला उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। उन्होंने अपने भाषण में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, लंदन के मेयर सादिक खान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब मैं छोटा था, तो मेरे जैसे दिखने वाले लोग राजनीति में प्रभावशाली पदों पर नहीं थे। अब हम ऐसे ब्रिटेन में रहते हैं जहां एक ब्रिटिश हिंदू प्रधानमंत्री और एक मुस्लिम मेयर भी हैं। यूसुफ ने कहा अब हम एक उत्तराधिकारी को कमान सौंपने की तैयारी करेंगे और मुझे पूरा यकीन है कि वह बेहतरीन काम करेंगे।

उत्तराधिकारी की तलाश जारी : यूसुफ अपने पद पर तब तक बने रहेंगे जब तक कि स्कॉटिश संसद में उनके स्थान पर प्रथम मंत्री का चयन नहीं हो जाता। यह स्कॉटिश नेशनल पार्टी (एसएनपी) के लिए उथल-पुथल का समय है। उधर विपक्षी दलों ने भी उनके इस्तीफे का स्वागत किया। पाकिस्तान मूल के राजनीतिज्ञ हमजा यूसुफ मार्च 2023 में यूनाईटेड किंगडम के स्कॉटलैंड में पहले इस्लामिक फर्स्ट मिनिस्टर बने थे। उन्हें 37 वर्ष की उम्र में सत्तारूढ़ स्कॉटिश नेशनल पार्टी (एसएनपी) के नए नेता के रूप में चुना गया था।

कनाडा में मुसलमानों को हलाल लोन देंगे ट्रूडो, शरिया कानून के हिसाब से करेगा काम

टोरंटो, एजेंसी। खालिस्तान समर्थक कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडोअब हलाल लोन को लेकर चर्चा में हैं। कनाडाई सरकार ने मुसलमानों को शरिया कानून के तहत हलाल के तहत होम लोन देने की घोषणा की। कनाडा एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है और हलाल लोन की घोषणा से कनाडा के लोग में गुस्सा है। हालांकि ट्रूडो सरकार का कहना है कि मुसलमानों को होम लोन देने में सुविधा देने के लिए हलाल मोर्गेज (लोन) लाया जा रहा है। इसमें मुसलमानों को फायदा भी होगा और वह शरिया कानून के तहत लोन ले सकेंगे।

पिछले सप्ताह कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने संघीट बजट पेश करते हुए देश के मुसलमानों को हलाल लोन के रूप में नया तोहफा दिया। उन्होंने घोषणा की कि मुसलमानों को होम लोन की सुविधा के लिए हलाल मोर्गेज दिया जाएगा। यह लोन पूरी तरह से शरिया कानून के तहत कार्य करेगा। उधर, ट्रूडो सरकार की घोषणा के बाद लोगों में गुस्सा है। आरोप है कि किसी धर्म विशेष के प्रति झुकाव नहीं रखने वाले कनाडा देश में तुष्टिकरण की राजनीति हो रही है।

क्या है हलाल लोन और कैसे दिया जाएगा : जस्टिन ट्रूडो और वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने 16 अप्रैल को 2024-25 का बजट जारी किया था, जिसमें अपने सपनों का घर खरीदने की इच्छा रखने वाले मुसलमानों के लिए

हलाल लोन की घोषणा की गई। इसके तहत किसी भी मुस्लिम को घर के लिए लोन दिया जा सकेगा। इस प्रक्रिया में शरिया कानून के तहत कार्यवाही की जाएगी। क्योंकि शरिया कानून के तहत ब्याज लेना हराम है। इसलिए लोन लेने वाला कर्ज चुकाने के दौरान उस घर पर बतौर किराएदार रह सकता है और कर्ज की रकम किराए के तौर पर बैंक को अदा करेगा। जैसे-जैसे उसका कर्ज कम होता जाएगा, उस घर पर उसका स्वामित्व होता जाएगा।

ट्रूडो सरकार का मामले में कहना है कि लोगों को कर्ज लेने के लिए सुविधा को देखते हुए ऐसा कदम उठाया गया है। मुसलमानों के लिए ब्याज की रकम हराम है, इसलिए लोन को शरिया कानून के तहत दिया जाएगा। इसलिए इस प्रक्रिया को हलाल मोर्गेज नाम दिया गया है। ट्रूडो का यह आदेश ऐसे समय में आया है जब कनाडाई सरकार ने विदेशियों के घर खरीदने पर प्रतिबंध बढ़ा दिया है।

ट्रूडो की लिबरल सरकार ने संघीय बजट 2024 में घोषणा तो कर दी है लेकिन, उसने वित्तीय संस्थानों और विभिन्न समुदायों के साथ मामले में परामर्श भी शुरू कर दिया है। सरकार का लक्ष्य यह समझना है कि सरकार की नीतियां घर खरीदने के इच्छुक कनाडाई लोगों की विविध आवश्यकताओं को कैसे बेहतर ढंग से पूरा कर सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

शहतूत के फल के सेवन से सेहत को अनगिनत फायदे

नई दिल्ली, एजेंसी। शहतूत के फल का सेवन से सेहत को अनगिनत फायदे पहुंचाता है. इसकी पत्तियां, फल हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद ही फायदेमंद हैं. क्योंकि इसमें बहुत सारे औषधि गुण मौजूद होते हैं, जिससे यह हमें कई बीमारियों से छुटकारा दिलाता है।

भीषण गर्मियां शुरू होने से पहले यानी अप्रैल में इस फल की खूब पैदावार होती है। विशेषज्ञ की मानें तो शहतूत दो प्रकार के होते हैं, एक तो हरे रंग का दूसरा काले रंग का। इसमें बहुत सारे औषधीय गुण होते हैं। शहतूत एक छोटा सा रसीला और स्वादिष्ट फल होता है, जो लाल, काले और सफेद रंग का होता है। इस फल में एंटीऑक्सिडेंट के साथ विटामिन ए, विटामिन-सी, एंथोसायनिन समेत कई अन्य पॉलीफेनोलिक यौगिक भरपूर मात्रा में होते हैं। यह हमें शुगर, कोलेस्ट्रॉल, अपच, कब्ज, चेहरे की झुर्रियां, अल्सर, पेट संबंधित कई बीमारियों से छुटकारा दिलाता है। अगर किसी का ब्लड शुगर बहुत हाई रहता है, उनको इसकी पत्तियों का रस निकाल करके सुबह-शाम खाना खाने से आधा घंटा पहले सेवन करना चाहिए। यह शुगर लेवल को बहुत ही जल्दी कंट्रोल कर देता है। वहीं अपच, कब्ज, कोलेस्ट्रॉल में भी शहतूत का फल काफी लाभ पहुंचाता है। वहीं अगर पेट संबंधित समस्या है जैसे अल्सर या पेट खराब रहता है, उसमें भी शहतूत फायदा पहुंचाता है।

आप नेता संजय सिंह ने कहा- लवली ने आप पार्टी गठबंधन में निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी। इस्तीफे पर आप नेता संजय सिंह ने कहा कि लवली ने आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने ही दिल्ली में इंडिया गठबंधन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। जब सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया जा रहा था, तो अरविंदर सिंह लवली कांग्रेस से पहुंचने वाले पहले व्यक्ति थे। लेकिन अब वह ऐसा क्यों कह रहे हैं। कोई उन्हें बताए। सूत्रों के अनुसार, अरविंदर सिंह लवली के त्यागपत्र देने व उसे स्वीकार करने के बावजूद अभी उत्तराधिकारी की ताजपोशी नहीं होगी। कांग्रेस आलाकमान लोकसभा चुनाव के बाद ही नए अध्यक्ष की नियुक्ति करेगा। फिलहाल, चुनाव पूरे दमखम से लड़ने और गठबंधन धर्म निभाने के लिए कार्यकारी अध्यक्ष के अलावा प्रदेश के 4-5वरिष्ठ नेताओं की एक कमेटी गठित करने पर विचार किया है। कांग्रेस आलाकमान लवली के संपर्क में हैं और उनसे उनकी नाराजगी के बारे में बात कर रहे हैं। इसी सबके बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस पर हमला बोला है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला : मुश्किल में पूर्व सीएम के करीबी अधिकारी, टुटेजा से ईडी की पूछताछ जारी

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में कथित शराब घोटाले मामले को लेकर पूछताछ का दौर जारी है। ईडी की टीम लगातार शराब मामले में आरोपियों से पूछताछ कर रही है। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री के बेहद ही करीब अधिकारी पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा से पूछताछ के बाद एक बार फिर कोर्ट में पेश किया गया। जहां कोर्ट ने टुटेजा को 4 मई तक रिमांड पर भेज दिया है। ईडी का कहना है कि अनिल टुटेजा से हुई पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली है। ईडी इस मामले में नए सिरे से जांच कर रही है जिसमें अनिल टुटेजा की भूमिका बेहद ही अहम मानी जा रही है। कई सबूत जिसे आमने-सामने बैठकर करनी है चर्चा- ईडी शराब घोटाले मामले को लेकर पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा को कोर्ट में पेश करने के बाद रायपुर के विशेष अदालत ने टुटेजा को 5 दिनों की रिमांड पर भेज दिया है। अनिल टुटेजा से ईडी 4 मई तक मामले में पूछताछ करेगी। इस पूरे मामले को लेकर ईडी के अधिवक्ता सौरभ पांडे ने बताया कि कोर्ट ने दोनों पक्ष के तर्क सुनने के बाद अनिल टुटेजा की रिमांड बढ़ाई है। सौरभ पांडे ने कहा कि टुटेजा से पूछताछ में कई हम सबूत मिले हैं। जिसके तथ्य हमारे पास मौजूद हैं, इस विषय पर आमने-सामने बैठकर चर्चाएं करनी है। इस पूरे कथित 2000 करोड़ के शराब घोटाले मामले को लेकर ईडी की पहले रेड की कार्रवाई की बाद में कई आरोपित से पूछताछ की गई। जिसके बाद उन्हें ज्यूडिशियल रिमांड पर भेज दिया गया था। बाद में सभी आरोपियों को जमानत मिल गई। इसके बाद एसीबी मामले की जांच नए सिरे से शुरू कर दी है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग का केस मामले से खत्म करने के बाद ईडी ने इस पूरे मामले में नई एफआईआर दर्ज करते हुए दूसरी तरफ मामले की नए सिरे से जांच कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट में बोली मुस्लिम युवती- साहब मुझे हिंदुओं जैसा संपत्ति का अधिकार चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के सामने कई बार चौंकाने वाले मामले आते हैं। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली खंडपीठ के सामने एक ऐसी अर्जी आई, जिसमें एक मुस्लिम युवती ने यह कहते हुए भारतीय उत्तराधिकार कानून के तहत संपत्ति बंटवारे का निर्देश देने की मांग की थी कि वह इस्लाम नहीं मानती है। महिला का तर्क था कि वह भले ही मुस्लिम परिवार में जन्मी है लेकिन उसकी आस्था अब इस्लाम धर्म में नहीं है। इसलिए उसकी पैतृक संपत्ति का बंटवारा शरिया कानून के तहत ना होकर भारतीय उत्तराधिकार कानून के तहत करने का निर्देश दिया जाय।खंडपीठ में जस्टिस चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी थे।

महिला के वकील के तर्कों को सुनने के बाद तीनों जजों की बेंच ने उस पर गहन विचार-विमर्श किया और इस नतीजे पर पहुंची कि यह मुद्दा महत्वपूर्ण है। इसके बाद सीजेआई ने अटॉर्नी जनरल को इस मामले में एमिकस क्यूरी बहाल करने का निर्देश दिया, जो अदालत को कानूनी और तकनीकी पहलुओं से परिचित करा सके। इस मामले की अगली सुनवाई अब जुलाई 2024 के दूसरे सप्ताह में निर्धारित है।याचिका पर सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि भारतीय उत्तराधिकार कानून मुस्लिम धर्म में जन्मे व्यक्तियों को धर्मनिरपेक्ष कानून का लाभ उठाने से रोकता है, भले ही वे शरीयत कानून की धारा 3 के तहत औपचारिक रूप से ये घोषणा करें कि वे अब इस्लामी कानून का पालन नहीं करना चाहते हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि भारतीय उत्तराधिकार कानून की धारा 58 में कहा गया है कि यह मुसलमानों पर लागू नहीं होता है। भले ही आप शरिया अधिनियम के तहत घोषणा न करें, वसीयत आदि पर कोई धर्मनिरपेक्ष अधिनियम नहीं है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि जब आप शरियत भी नहीं मानेंगे तो फिर आप पर कौन सा नियम लागू होगा यह एक अहम विषय है। इसके बाद सीजेआई ने इस पर एक कानूनी अधिकारी के नियुक्ति का आदेश दिया।

यह रिट याचिका केरल की एक महिला सफिया पीएम ने दायर की है। सफिया केरल में पूर्व-मुस्लिमों (जो मुस्लिम परिवार में जन्में लेकिन अब इस्लाम में आस्था नहीं रखते) का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संघ की महासचिव हैं। अपनी याचिका में सफिया ने एक डिक्लेरेशन दिया कि जो व्यक्ति मुस्लिम पर्सनल लॉ से बंधे नहीं रहना चाहते हैं, उन्हें देश के धर्मनिरपेक्ष कानूनों, विशेष रूप से 1925 के भारतीय उत्तराधिकार कानून के तहत वसीयत और गैर वसीयत उत्तराधिकार के मामलों में अधिकार मिलना चाहिए। महिला ने तर्क दिया कि संविधान का अनुच्छेद 25 उसे किसी भी धर्म में आस्था रखने या न रखने की आजादी देता है। इसके साथ ही उनसे कहा कि उसके में पिता भी इस्लाम में आस्था नहीं रखते हैं इसलिए वह भी शरिया कानून के मुताबिक वसीयत नहीं लिखना चाहते हैं। इस पर सीजेआई ने कहा कि अगर आप इसकी घोषणा नहीं करते हैं, तो धारा 3 के तहत आप इस कानून के अधीन नहीं आएंगे।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, मैं महिला हूँ, और मेरे भाई को डाउन सिंड्रोम है, उसे 2/3 संपत्ति दी गई है तो क्या मुझे भी वसीयत नहीं की जा सकती है। मेरी एक बेटी है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा, इसकी हम घोषणा कैसे कर सकते हैं सीजेआई ने कहा, आपके अधिकार या हक आस्तिक या नास्तिक होने से नहीं मिलते बल्कि ये अधिकार आपको आपके जन्म से मिले हैं। अगर मुसलमान के रूप में पैदा होते हैं,तो आप पर मुस्लिम पर्सनल लॉ लागू होगा। जहां तक आपके पिता का सवाल है तो वह भी धारा-3 से बाध्य हैं। जब तक वह भी घोषणा नहीं करते तब तक वह धारा- 2 से बंधे रहेंगे।

एक मई को अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है महाराष्ट्र दिवस

मुंबई, एजेंसी। एक मई, मई महीने का पहला दिन, दुनिया भर के श्रमिकों, कामगारों को समर्पित है। इसलिए इस दिन को इंटरनेशनल लेबर डे यानी अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाता है। मजदूर दिवस को मजदूर दिवस या मई दिवस के नाम से भी जाना जाता है। श्रमिकों को सम्मान देने के अलावा यह दिन श्रमिकों के अधिकारों के लिए आवाज उठाने और समाज में श्रमिकों की स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से भी मनाया जाता है। किसी भी देश के विकास में श्रम की अहम भूमिका होती है। प्रत्येक कार्य क्षेत्र श्रमिकों की मेहनत पर निर्भर करता है। श्रमिक किसी विशेष क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि मजदूरों को एक खास दिन कब और कैसे समर्पित किया गया पहली बार मजदूर दिवस क्यों मनाया गया

यह दिवस पहली बार कब मनाया गया था : अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस हर साल 1 मई को मनाया जाता है। 1889 में पहली बार मजदूर दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। इस दिन को मनाने की योजना अमेरिका के शिकागो में शुरू हुई, जब मजदूर एकजुट होकर सड़कों पर उतरे।

हम मजदूर दिवस क्यों मनाते हैं : यह आंदोलन 1886 से पहले अमेरिका में शुरू हुआ था। अमेरिकी कर्मचारी सड़कों पर उतर आये. मजदूर अपने हक के लिए हड़ताल पर चले गये. इस आंदोलन का कारण मजदूरों के काम के घंटे थे. उन दिनों मजदूर 15-15 घंटे काम करते थे. प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने मजदूरों पर फायरिंग कर दी. इस दौरान कई मजदूरों की जान चली गई. सैकड़ों मजदूर घायल हो गए.

मजदूर दिवस मनाने का प्रस्ताव : इस घटना के तीन वर्ष बाद 1889 में अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन हुआ। इस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्रत्येक मजदूर को प्रतिदिन केवल 8 घंटे काम करना होगा। सम्मेलन के बाद 1 मई को मजदूर दिवस मनाने का निर्णय लिया गया. हर वर्ष इस दिन श्रमिकों को छुट्टी देने का भी निर्णय लिया गया। बाद में अमेरिका के श्रमिकों की तरह कई अन्य देशों में भी 8 घंटे काम का नियम लागू हो गया।

भारत में मजदूर दिवस : अमेरिका में मजदूर दिवस मनाने का प्रस्ताव 1 मई 1889 को लागू हुआ, लेकिन भारत ने 34 साल बाद इस दिन को मनाना शुरू किया। भारत में भी मजदूर उत्पीड़न और शोषण के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। मजदूरों का नेतृत्व वामपंथियों ने किया. उनके आंदोलन के मद्देनजर 1 मई 1923 को चेन्नई में पहली बार मजदूर दिवस मनाया गया।

यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, अक्तूबर में शुरू होगी यात्री उड़ानें

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से अक्तूबर 2024 में यात्री उड़ानें शुरू होने जा रही है। इससे पहले हवाई अड्डे की प्रमुख शहरों से सीधे कनेक्टिविटी के लिए सड़क मार्गों से जोड़ने का काम तेजी से चल रहा है। जेवर में तैयार हो रहा नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा 15 जून तक यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ जाएगा जबकि हवाई अड्डे से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी के लिए अभी इंतजार करना होगा। दोनों को जोड़ने वाले 31 किमी लंबे ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का काम हरियाणा सीमा में शुरू तक नहीं हो पाया है। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से अक्तूबर में यात्री उड़ानें शुरू हो जाएंगी। इससे पहले हवाई अड्डे की प्रमुख शहरों से सीधे कनेक्टिविटी के लिए सड़क मार्गों से जोड़ने का काम तेजी से चल रहा है। निर्माणकर्ता कंपनी कि माने तो, यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले इस हिस्से का 80 प्रतिशत काम हो चुका है बाकी को जल्द पूरा कर लिया जाएगा। वहीं दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए हरियाणा के बल्लभगढ़ से एयरपोर्ट तक ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) कर रहा है। इसका 22 किमी का हिस्सा हरियाणा में और 9 किमी का हिस्सा उत्तर प्रदेश की सीमा में तैयार होना बाकि है।

ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराएगी लग्जरी ट्रेन,28 जून शुरु होगी यात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईआरसीटीसी की रामायण सर्किट यात्रा की सफलता के बाद 28 जून से देव दर्शन यात्रा के लिए सुपर लग्जरी एसी ट्रेन शुरू करने का निर्णय लिया गया है। लग्जरी ट्रेन में एसी-1 के कुपे व केबिन के साथ एसी-2 और एसी-3 श्रेणी के कोच होंगे। ट्रे में ऑनबोर्ड रेस्त्रां होगा। एसी-1 व एसी-2 के तीर्थ यात्री रेस्त्रां में बैठकर नश्ता, खाना, सुबह-शाम चाय-काफी का लुफ्त उठा सकेंगे। जबकि एसी-3 के शिवभक्तों को उनकी बर्थ पर खाना, चाय, नाश्ता आदि दिया जाएगा। भारतीय रेल वाराणसी स्थिति बाबा विश्वनाथ, काशी कॉरिडोर और गंगा आरती के दर्शन के लिए अगले माह से सुपर लग्जरी ट्रेन चलाने जा रही है। रेलवे देव दर्शन यात्रा में बद्रीनाथ, जोशीमठ, सहित देश के कई ज्योतिर्लिंग मंदिरों के दर्शन कराएगी। सुपर लग्जरी ट्रेन में रेस्त्रां महादेव भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। जहां शुद्ध व ताजा शकाहारी नश्ता, भोजन मिलेगा। सभी भक्तों का बीमा और ट्रेन में ऑनबोर्ड सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम रहेगा।

आईआरसीटीसी के प्रवक्ता ने बताया कि

ई-टिकट के पीएनआर में छह यात्री में से किसी एक यात्री की बर्थ कन्फर्म है और शेष पांच की वेटिंग टिकट होने के बावजूद सभी यात्रियों को रेल यात्री वैकिल्पक बीमा कवर दिया जाता है। नियमतः पीएनआर में एक यात्री के कन्फर्म टिकट पर शेष यात्री वेटिंग टिकट पर यात्रा करने के लिए वैध हैं। यदि पीएनआर में एक भी यात्री का टिकट कन्फर्म नहीं है तो रेलवे सिस्टम स्वतः टिकट रद कर देता है और पैसे उनके बैंक खाते में आ जाता है। जिससे उक्त पीएनआर पर यात्रा नहीं की जा सकती है। इसी प्रकार पांच साल से कम उम्र के बच्चे व आधी टिकट पर सफर करने वाले बच्चों को बीमा कवर दिया जाता है। ये रहा सफर का किराया रेलवे के अधिकारी ने बताया कि देव दर्शन ट्रेन दिल्ली के सफदरजंग से सफर शुरू करेगी। ट्रेन में गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर से तीर्थ यात्री सवार हो सकेंगे और राजकोट, पालनपुर, अजमेर, रेवाणी से उतर सकेंगे। ट्रेन दिल्ली से जोशीमठ, बद्रीनाथ, ऋषिकेश, वाराणसी, कांचीपुरम, रामेश्वरम, पुणे, नासिक, द्वारकाधीश से होते हुए दिल्ली में आकर समाप्त होगी। 17 दिन की यात्रा में जोशीमठ, ऋषिकेश, काचीपुरम, रामेश्वरम, पूणे द्वारकाधीश, वाराणसी, नासिक में एक से दो रात का डीलक्स श्रेणी होटल में ठहराव होगा व ज्योतिर्लिंग मंदिरों के दर्शन कराए जाएंगे। सुपर लग्जरी ट्रेन के एसी-1 का किराया 1,55,740 से 1,80,440 लाख रुपये, एसी-2 का 1,44,325 से 1,67,725 लाख रुपये व एसी-3 का 83,970 से 95,520 हजार रुपये होगा। ट्रेन के प्रत्येक कोच में सुरक्षा गार्ड मौजूद रहेंगे। सभी कोचों में इलेक्ट्रॉनिक लॉकर और सीसीटीवी कैमरे की सुविधा होगी।

कश्मीर में भारी बारिश से बिगड़े हालात, भूस्खलन होने से नेशनल हाईवे ठप; बंद रहेंगे स्कूल

कश्मीर , एजेंसी। कश्मीर में बीते तीन दिनों लगातार बारिश हुई, जिसके कारण नदियों और नालों का जल स्तर काफी बढ़ गया है। इसे देखते हुए एहतियात के तौर पर मंगलवार को घाटी के सभी स्कूलों को बंद करने की घोषणा की गई। कश्मीर यूनिवर्सिटी ने भी मंगलवार को होने वाली परीक्षाएं टाल दी हैं। घाटी में भारी बारिश के बाद भूस्खलन की अनेक घटनाएं हुईं। इसे देखते हुए सोमवार को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को यातायात के लिए बंद कर दिया गया। कश्मीर को देशभर से जोड़ने वाले इस राजमार्ग पर रामबन जिले के मेहर, गांगरू, मोम पस्सी और किश्तवाड़ी पाथेर में भूस्खलन देखा गया। अधिकारियों ने कहा कि बारिश जारी होने की वजह से मरम्मत का काम नहीं हो पा रहा है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि जब तक राजमार्ग से मलबा साफ नहीं हो जाता, तब तक यहां से गुजरने से बचें। जम्मू के पुंछ और राजौरी जिलों को दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले से जोड़ने वाला वैकल्पिक मार्ग मुगल रोड भी पीर की गली और आसपास के क्षेत्रों में हिमपात की वजह से तीसरे दिन बंद रहा। एक अधिकारी ने कहा कि रविवार को हुंजाला में नायगड़ जल आपूर्ति योजना के 250 मिलीमीटर के मुख्य पाइप क्षतिग्रस्त हो गई। इसके बाद किश्तवाड़ शहर में जल आपूर्ति रुक गई थी जिसे बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। बाशा-सिंबूल गांव में भूस्खलन से ढहे 2 मकान पुलिस अधिकारियों ने कहा कि किश्तवाड़ के बाशा-सिंबूल गांव में भूस्खलन से 2 मकान ढह गए। रामबन और सांबा जिलों में रात में बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में बड़ी संख्या में मवेशी मारे गए। वहीं, पीपुल्स

कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने बाढ़ के खतरे को देखते हुए प्रशासन से निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि घाटी में रविवार शाम से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने स्थानीय आबादी पर कहर बरपाया है। साथ ही कश्मीर संभाग के गांवों और कस्बों में बाढ़ के खतरे की जद में हैं। उन्होंने कहा, मुझे कुपवाड़ा, बंदीपोरा, सोपोर और यहां तक कि श्रीनगर शहर के कुछ हिस्सों सहित विभिन्न जिलों से फोन आ रहे हैं।

रेप पीड़िता के माता पिता से बात कर सुप्रीम कोर्ट का आदेश पलटा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला की पीठ ने 22 अप्रैल को मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट देखने के बाद 14 साल की नाबालिग को गर्भपात कराने की अनुमति दे दी थी। पीठ ने संविधान के अनुच्छेद-142 के तहत पूर्ण न्याय करने की अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए यह फैसला दिया था। इसके साथ ही, पीठ ने अपने आदेश में कहा था कि 'मेडिकल बोर्ड ने नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता के स्वास्थ्य की जांच की है और रिपोर्ट से साफ है कि गर्भावस्था जारी रहने से पीड़िता को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।' सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार 14 साल की नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता के गर्भ में पल रहे 31 सप्ताह के भ्रूण को समाप्त करने की अनुमति देने के अपने आदेश को वापस ले लिया। शीर्ष अदालत ने नाबालिग बच्ची के माता-पिता से बातचीत करने के बाद अपना आदेश वापस लिया है। बच्ची के माता-पिता ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ से बातचीत की और उन्होंने अपनी बेटी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताते हुए, बच्चे को जन्म देने की इच्छा जाहिर की थी।

शीर्ष अदालत ने बंबई हाईकोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए नाबालिग को गर्भपात की अनुमति दी थी। हाईकोर्ट ने नाबालिग को गर्भपात कराने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। इस मामले में पीठ ने 19 अप्रैल को पीड़िता के स्वास्थ्य की जांच के लिए मेडिकल बोर्ड गठित करने का आदेश दिया था। मेडिकल बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट में पेश अपनी रिपोर्ट में कहा गया कि यदि पीड़िता गर्भावस्था को जारी रखने से उसकी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ेगा। कानून के मुताबिक 24 सप्ताह से अधिक के गर्भ को अदालत की अनुमति के बगैर खत्म नहीं किया जा सकता है। पीठ ने कहा था कि मेडिकल रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए पीड़ित नाबालिग लड़की को गर्भपात की अनुमति दी जा रही है। इसके साथ ही, मुंबई के सायन अस्पताल के डीन को नाबालिग का गर्भपात कराने के लिए डॉक्टरों के दल का तत्काल गठन करने का आदेश दिया था।बच्ची की माता-पिता से बातचीत करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बच्चे का हित सर्वोपरि है। पीठ ने कहा कि नाबालिग पीड़िता के माता-पिता ने बेटी को घर ले जाने और बच्चे को जन्म देने की इच्छा जाहिर की है। इसके मद्देनजर, 22 अप्रैल को पारित आदेश को वापस लिया जाता है, जिसके तहत गर्भपात कराने की अनुमति दी गई थी।

बिहार से लोकतंत्र में महिलाओं की हिस्सेदारी ना के बराबर...भाजपा और कांग्रेस ने किसी महिला प्रत्याशी को नहीं दिया टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला सशक्तीकरण की मिसाल से भरी माता जानकी की भूमि मिथिला में महिलाओं को लोकतंत्र में वह हिस्सेदारी नहीं मिल सकी, जो संविधान ने उन्हें दी है। बिहार में अबतक 17 बार लोकसभा चुनाव हुए और महज 34 महिला ही सदन पहुंचने में सफल हुई है।

विधायिका में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करने वाले राजनीतिक दलों ने भी महिलाओं की इस बार कोई सुध नहीं ली और टिकट बंटवारे के समय चुप्पी साध ली। भरपूर सम्मान एवं बराबरी की हिस्सेदारी का दावा करने वाले राजनीतिक दल इस चुनाव में भी आधी आबादी से किए अपने वादे भूल गए। बिहार में अबतक हुए लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक चार बार जीतने वाली रमा देवी को भाजपा ने इस बार के चुनाव में शिवहर से बेटिकट किया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में सीटों में तालमेल के तहत शिवहर सीट जदयू को मिली है। जदयू ने शिवहर सीट से पूर्व सांसद लवली आनंद को उतारा है।महिला आरक्षण बिल या नारी शक्ति वंदन विधेयक पास कराने वाले एनडीए ने इस बार के लोकसभा चुनाव में महिला शक्ति को नजर अंदाज किया है। भाजपा ने बिहार में एक भी महिला उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया है।

राजग के घटक दल जदयू ने दो महिला सीवान से विजया लक्ष्मी देवी और शिवहर से लवली आनंद को टिकट

दिया है। वहीं लोजपा-रामविलास ने वैशाली से वीणा देवी और समस्तीपुर से शांभवी चौधरी को उम्मीदवार बनाया है। वहीं हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने किसी महिला को प्रत्याशी नहीं बनाया है। कुल मिलाकर राजग ने चुनाव में 40 सीट में से चार सीट पर महिलाओं को टिकट दिया है। जबकि इंडिया गठबंधन ने छह महिला शक्ति पर भरोसा जताया है।

राजद ने बिहार में आधी आबादी को टिकट देने के मामले में इस बार सभी दलों से बाजी मार ली है। गैया बकरी चरती जाए, मुनिया बेटी पढ़ती जाए। नारा देने वाले राजद सुप्रीमो लालू ने सर्वाधिक छह महिलाओं को मैदान में उतारा है। इसमें राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की दो पुत्री मीसा भारती और रोहिनी आचार्य, बीमा भारती, रितु जायसवाल, अनिता देवी और अर्चना रविदास शामिल है। इसमें मीसा भारती को छोड़ अन्य पांच महिला शक्ति पहली बार लोकसभा के रण मे अपनी तकदीर आजमा रही हैं। इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस ने किसी महिला शक्ति को मौका नहीं दिया है। इंडिया गठबंधन में शामिल वामदल ने भी किसी महिला को चुनाव में नहीं जगह दी है। वामदल में शामिल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी (भाकपा-माले) से कोई महिला चुनावी मैदान में नही हैं। इंडिया गठबंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने भी इस चुनाव में महिला शक्ति की उपेक्षा की और किसी महिला को मौका नहीं दिया। फिलहाल लोकसभा में बिहार की तीन महिला सांसद हैं, जो महज 7.5 फीसद भागीदारी हैं। यदि महिला आरक्षण लागू हुआ।

पाकिस्तान के नए टेस्ट कोच गिलेस्पी ने कहा

वह बनने की कोशिश मत करो जो तुम नहीं हो

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी ने कहा कि पाकिस्तान के नए टेस्ट कोच के रूप में उनका सिद्धांत यह होगा कि कुछ ऐसा बनने की कोशिश न करें जो वो नहीं हैं। पाकिस्तान के टेस्ट कोच के रूप में गिलेस्पी का पहला कार्यभार अगस्त में बांग्लादेश के साथ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला होगी, जिसमें टीम वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर है। यह पहली बार है कि गिलेस्पी किसी अंतरराष्ट्रीय टीम के कोच होंगे। इससे पहले वह यॉर्कशायर के मुख्य कोच के रूप में काम कर चुके हैं,

साथ ही ससेक्स और साउथ ऑस्ट्रेलिया को भी कोचिंग दे चुके हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स (पूर्व में किंग्स इलेवन पंजाब) और एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ टी20 कोचिंग भूमिकाएं भी निभाई। जेसन गिलेस्पी ने कहा, देखो, मैं बस इतना चाहता हूं कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम उस शैली की क्रिकेट खेले जो उनके अनुकूल हो, मेरे लिए यही महत्वपूर्ण है। मेरा मानना है कि कुछ ऐसा बनने की कोशिश मत करो जो तुम नहीं हो! टेस्ट क्रिकेट प्रारूप की लोकप्रियता में योगदान देने पर, गिलेस्पी ने कहा, मुझे टेस्ट क्रिकेट पसंद है। यह शारीरिक और मानसिक रूप से आपके खेल के हर हिस्से का टेस्ट लेता है। यह टेक्नीक का परीक्षण करता है और यही सच्ची परीक्षा है। आपको केवल दुनिया भर के खिलाड़ियों से बात करनी है और वे सभी टेस्ट खेलना पसंद करते हैं। हम प्रशंसकों, खिलाड़ियों, कोचों, मीडिया, सभी को इसका लुत्फ उठाते देखते हैं। इससे पता चलता है कि विश्व कैलेंडर में टेस्ट क्रिकेट को कितना महत्व दिया जाता है।

तेपे सिगमन शतरंज

अर्जुन नें विश्व महिला शतरंज चैम्पियन को हराया , विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर पहुंचे

मालमो , स्वीडन , एजेंसी। विश्व के शीर्ष 10 खिलाड़ियों में शामिल होने और देश के नंबर एक खिलाड़ी बनने के बाद भारत के अर्जुन एरिगैसी को दुनिया के कई बड़े टूर्नामेंट में अब लगातार मौका मिल रहा है । अर्जुन नें दुनिया

के प्रतिष्ठित सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट में से एक तेपे सिगमन शतरंज के 29वें संस्करण में पहले राउंड में विश्व महिला शतरंज चैम्पियन जू वेंजून को पराजित करते हुए शानदार शुरुआत की है । अर्जुन नें सफ़ेद मोहरो से केटलन ओपनिंग में 30 चालों में जीत दर्ज की । इस जीत के साथ ही अर्जुन को विश्व रैंकिंग में 2 स्थान का सुधार करते हुए पांचवें स्थान पर पहुँच गए है । पहले दिन के अन्य मुकाबलों में जर्मनी के विन्सेंट केमर नें वर्तमान विश्व जूनियर चैंपियन फ्रांस के मार्क एंड्रिया मौरिज्जी को हराया , उक्रेन के अंटोन कोरोबोव नें उज्बेक्सितान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक को पराजित कर उलटफेर किया तो नीदरलैंड के निल्स ग्रंडेलीयूस और फीडे के पीटर स्वीडलर नें आपस में आधा अंक बांटा ।

आईपीएल:2024 में अच्छा प्रदर्शन करना

टी-20 विश्व कप चयन की गारंटी नहीं देता : इरफान

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि मौजूदा आईपीएल 2024 में कुछ खिलाड़ियों का प्रदर्शन वेस्टइंडीज में होने वाले आगामी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए चयन की गारंटी नहीं दे सकता। इरफान पठान ने टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया के चयन पर अपनी बात रखी है। पठान ने स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम शो के टिकट टू वर्ल्ड कप एपिसोड में कहा कि जब चीका सर (कृष्णमाचारी श्रीकांत) चयनकर्ता थे, तब मैं भारतीय टीम का हिस्सा था। भारत के लिए खेलने के बावजूद मुझे चोटिल होने के कारण बाहर कर दिया गया। लेकिन, मुझे कोई शिकायत नहीं है। मेरे मन में उनके प्रति बहुत सम्मान है, लेकिन मैं कह रहा हूं उस समय स्थिति अलग थी। शायद कप्तान या चयन समिति की सोच भी अलग थी। 2007 टी20 विश्व कप फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे पठान ने कहा कि जब आप चयन समिति में होते हैं, तो आपको किसी खिलाड़ी के बारे में नहीं भूलना चाहिए। सिर्फ आईपीएल को चयन का आधार नहीं, बल्कि खिलाड़ी के पिछले प्रदर्शन को भी ध्यान में रखना होगा।

अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के सामने टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का चयन करना काफी मुश्किल काम है, क्योंकि जहां कुछ नए चेहरे आईपीएल 2024 में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं कई ऐसे बड़े नाम भी है, जिनका प्रदर्शन अब तक टूर्नामेंट में ज्यादा अच्छा नहीं रहा है।

जब पठान से पूछा गया कि क्या टी20 विश्व कप के लिए युवा खिलाड़ियों को चुना जाना चाहिए, तो उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ी आ सकते हैं, लेकिन टूर्नामेंट वेस्टइंडीज और यूएसए की पिचों की धीमी परिस्थितियों में खेला जा रहा है, इसलिए अनुभवी खिलाड़ियों को चुना जाना महत्वपूर्ण है। तो आप जो सवाल पूछ रहे हैं, वह यह है कि युवा खिलाड़ियों को चयनकर्ताओं द्वारा समर्थन दिया जा रहा है, खासकर आईपीएल के प्रदर्शन के बाद।

टी-20 वर्ल्ड कप

टी20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम का एलान, बावुमा स्क्वॉड से बाहर

जोहानिसबर्ग, एजेंसी। टी20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम का एलान हो गया है। 15 सदस्यीय स्क्वॉड की कमान एडेन मार्करम को सौंपी गई है। वहीं, पूर्व कप्तान तेम्बा बावुमा को टीम से बाहर कर दिया गया है। ओटनील बार्टमैन और रेयान रिकेल्टन के रूप में टीम में दो नए चेहरे हैं। यह पहली बार है जब किसी आईसीसी इवेंट में मार्करम कप्तानी करते दिखेंगे। दक्षिण अफ्रीका की टीम में सबसे दिलचस्प चीज एनरिक नॉर्त्जे को

शामिल करना रहा है। वह नौ महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। दाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज आईपीएल 2024 सीजन खेल रहा है। इससे पहले वह पीठ की चोट से जूझ रहे थे। इस समस्या की वजह से वह सितंबर 2023 से एक्शन से बाहर थे। इस खास टूर्नामेंट के जरिए क्विंटन डिकॉक भी राष्ट्रीय टीम में वापसी करेंगे। उन्होंने 2023 क्रिकेट विश्व कप के बाद वनडे फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। डिकॉक 2022 में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं। नॉर्त्जे और डिकॉक, दोनों क्रिकेटरों को हाल ही में क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर रखा गया था।टी20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम: एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएत्जी, क्विंटन डिकॉक, ब्योर्न फोर्तुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसेन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नॉर्त्जे, कगिसो रबाडा, रेयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

रिंकू का नाम 15 सदस्यीय टी-20 विश्व कप टीम में होना चाहिए : श्रीकांत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मुख्य चयनकर्ता रहे कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा कि बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह को आगामी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिए। रिंकू आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स की पारी की आखिरी पांच गेंदों पर पांच सिक्स जड़ने के साथ सुर्खियों में आए। आईपीएल में उन्होंने लगातार अपनी फिनिशिंग टच से फैंस का दिल जीता है। इतना ही नहीं पिछले सीजन में अपने दमदार प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने साल के अंत में भारत के लिए टी20 में डेब्यू किया और 15 मैचों में 356 रन बनाए, जिनमें से सात मैच में 176.23 की स्ट्राइक रेट से नाबाद रहे।

केकेआर के शीर्ष क्रम ने आईपीएल 2024 में अब तक टीम के लिए बड़े पैमाने पर स्कोरिंग की है। रिंकू को बल्लेबाजी के लिए ज्यादा समय नहीं मिला है, उन्होंने आठ मैचों में 157.74 की स्ट्राइक-रेट से 112 रन बनाए हैं। श्रीकांत भारत की 2011 विश्व कप विजेता टीम के मुख्य चयनकर्ता थे। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम शो के टिकट टू वर्ल्ड कप एपिसोड में कहा कि रिंकू सिंह मेरे 15 खिलाड़ियों में से एक है। उसे आईपीएल में बल्लेबाजी करने के ज्यादा मौके नहीं मिले हैं, लेकिन आप उसका अंतर्राष्ट्रीय ट्रैक रिकॉर्ड देखें, यह अद्भुत है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि आईपीएल के जरिए कई भारतीय युवा खिलाड़ी को अपना दमखम दिखाने का मौका मिला है, जिनकी अब आगामी पुरुष टी20 विश्व कप की चयन दौड़ में चर्चा हो रही है। 2007 संस्करण का विजेता भारत, अपने पुरुष टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत 5 जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ करेगा। उसे ग्रुप ए में पाकिस्तान, कनाडा और टूर्नामेंट के सह-मेजबान अमेरिका के साथ रखा गया है।

थॉमस कप बैडमिंटन-

भारतीय टीम क्वार्टर फाइनल मे

- **आखिरी ग्रुप मुकाबले में इंग्लैंड को 5-0 से हराया**
- **अब मुकाबला इंडोनेशिया से होगा**

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने सोमवार को चेंगदू, चीन में अपने दूसरे ग्रुप सी मुकाबले में इंग्लैंड को 5-0 से हराकर थॉमस कप 2024 के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारत क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया ने भिड़ेगा। थॉमस कप पुरुष टीमों के बीच होने वाला मल्टीनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट है। महिलाओं के इस टूर्नामेंट को उबर कप कहा जाता है। इन टूर्नामेंट दो टीमों के एक मुबाले में तीन सिंगल्स और 2 डबल्स मैच खेले जाते हैं।

एचएस प्रणय ने जीता पहला मैच

भारत-इंग्लैंड मुकाबले की शुरुआत सिंगल्स मैच से हुई। भारत की ओर से वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट एचएस प्रणय उतरे। वहीं, इंग्लैंड के लिए दुनिया के 106वें नंबर के खिलाड़ी हैरी हुआंग आए। प्रणय ने यह मैच 42 मिनट में 21-15, 21-15 से जीत लिया।

सात्विक-चिराग की जोड़ी तीन गेम में जीती- दूसरा मैच डबल्स का खेला गया। दुनिया की तीसरे नंबर की

जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 19वीं रैंकिंग वाली जोड़ी बेन लेन और सीन वेंडी को हराया। भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला एक घंटा और पांच मिनट में 21-17, 19-21, 21-15 से जीता। तीसरा मैच सिंगल्स का हुआ। इसमें भारत के पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 किदांबी श्रीकांत ने नदीम दलवी को 21-16, 21-11 से हराया। दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन को इस मुकाबले के लिए आराम दिया गया था। चौथे मैच में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला ने रोरी ईस्टन और एलेक्स ग्रीन को 21-17, 21-19 से हराया। आखिरी मैच सिंगल्स का हुआ। इसमें दुनिया के 36वें नंबर के खिलाड़ी किरण जॉर्ज ने 209वें नंबर के चोलन कायान को 21-18, 21-12 से हराया। साल 2022 में भारत ने पहली बार थॉमस कप जीता था। भारत ने फाइनल में इंडोनेशिया को 3-0 से हराया था। 1948-1949 के बाद से आयोजित 30 थॉमस कप टूर्नामेंटों में से केवल छह देशों ने खिताब जीता है। इंडोनेशिया सबसे सफल टीम है, जिसने 14 बार जीत हासिल की है। चीन, जिसने 1982 से पहले प्रतिस्पर्धा शुरू नहीं की थी, 10 खिताबों के साथ इंडोनेशिया से पीछे है, जबकि मलेशिया ने 5 खिताब जीते हैं।

Uber Cup

चीन के आगे फीका पड़ा भारत का युवा जोश

चेंगदू (चीन), एजेंसी। कनाडा और सिंगापुर के खिलाफ लगातार मुकाबलों में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम ने अश्मिता चालिहा को 15 बार की चैंपियन टीम के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतारा।

भारत की महिला टीम को मंगलवार को चेंगदु में चल रहे उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए मैच में चीन ने 5-0 से रौंद दिया। युवा सनसनी अनमोल खरब टखने में चोट के कारण आंखों में आंसुओं के साथ कोर्ट से हटना पड़ा। कनाडा और सिंगापुर के खिलाफ लगातार मुकाबलों में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम ने अश्मिता चालिहा को 15 बार की चैंपियन टीम के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतारा। भारत इस टूर्नामेंट में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के बिना खेल रहा है जिन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया। इसके अलावा अश्विनी पोनप्पा-तनीशा क्रास्तो और त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद के बिना भारतीय टीम यह टूर्नामेंट खेल रही है।

प्लेऑफ के करीब पहुंची केकेआर

इन टीमों पर अभी भी संकट के बादल

नईदिल्ली, एजेंसी। जीत के रथ पर सवार हुई ऋषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स अब एक और हार का सामना करना पड़ा है। इस बीच श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली कोलकाता नाइटराइडर्स ने जीत दर्ज कर अपनी प्लेऑफ में जाने की संभावनाओं को और भी मजबूत कर

लिया है। खास बात ये है कि अब तक लीग में 47 मुकाबले हो चुके हैं, लेकिन ना तो कोई टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हुई है और ना ही कोई टीम इसमें एंट्री कर पाई है। आने वाले वक्त में मैच और भी रोचक होने की उम्मीद है।

राजस्थान रॉयल्स अभी भी टेबिल टॉपर

आईपीएल की ताजा अंक तालिका पर नजर डालें तो हम पाते हैं कि संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स की टीम इस वक्त टॉप पर चल रही है। टीम ने 9 में से अपने 8 मुकाबले जीते हैं और 16 अंकों के साथ टॉप पर चल रही है। टीम को प्लेऑफ में जाने के लिए यहां से बस एक और मैच जीतना जरूरी होगा। वहीं डीसी पर जीत हासिल करने के बाद केकेआर की टीम अभी भी दूसरे नंबर पर है। केकेआर ने अब तक 9 मुकाबले खेले हैं, इसमें से 6 जीतकर उसके पास कुल 12 अंक हो गए हैं।

पाकिस्तान को कम से कम एक आईसीसी ट्रॉफी दिलाना चाहते हैं कोच गैरी क्सर्टन

टी20 विश्व कप को लेकर कही यह बात

कराची, एजेंसी। क्सर्टन के मुताबिक पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग के शीर्ष चार से पांच पद में से एक है और दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों के साथ काम करने का प्रस्ताव उन्हें आकर्षित कर रहा था। पाकिस्तान के नवनियुक्त मुख्य कोच गैरी क्सर्टन चाहते हैं कि उनकी टीम अगले तीन साल में आईसीसी के तीन टूर्नामेंट्स में से कम से कम एक ट्रॉफी जीते। कर्स्टन इस साल जून में होने वाले टी20 विश्व कप के अलावा 2025 में होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 में होने वाले टी20 विश्व कप में पाकिस्तान टीम की कोचिंग करते दिखेंगे। भारत की विश्व कप (2011) विजेता टीम के मुख्य कोच रह चुके क्सर्टन चाहते हैं कि बाबर आजम और उनकी टीम इन तीन में से कम से कम एक टूर्नामेंट जीते।

वनडे-टी20 में पाकिस्तान के हेड कोच हैं क्सर्टन- मौजूदा समय में आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मार्गदर्शक (मेंटर) कर्स्टन को रविवार को वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए पाकिस्तान का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व बल्लेबाज के पाकिस्तान

के इंग्लैंड दौरे से पहले 22 मई से अपनी नई जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद है।

पाकिस्तान टीम के साथ यह है क्सर्टन का लक्ष्य- कर्स्टन से उनके कार्यकाल के दौरान उनके लक्ष्यों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पॉडकास्ट में कहा- अगर आप उन तीन आईसीसी प्रतियोगिताओं में से एक जीत सकते हैं तो यह एक शानदार उपलब्धि होगी। चाहे वह आगामी टी20 विश्व कप हो या अब से दो साल बाद।

टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे- उन्होंने कहा, मेरा काम यह सुनिश्चित करना है कि टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे। यदि टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है तो हमारे पास हमेशा ट्रॉफी जीतने का अच्छा मौका होगा। इसलिए मेरे लिए यह समझना वास्तव में महत्वपूर्ण होगा कि टीम अभी कहां हैं और टीम को शीर्ष पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होने के लिए कहां जाने की जरूरत है।

टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिए कम समय बचा- क्सर्टन के मुताबिक पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग के शीर्ष चार से पांच पद में से एक है और दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों के साथ काम करने का प्रस्ताव उन्हें आकर्षित कर रहा था।

संक्षिप्त समाचार

रिकॉर्ड मुनाफे के बाद जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों में तूफानी तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों में जोरदार तेजी आई है। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयर मंगलवार को 20 पर्सेंट की तेजी के साथ 599 रुपये पर पहुंच गए हैं। स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयर मंगलवार को अपने लाइफ टाइम हाई पर जा पहुंचे हैं। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों में यह तेज उछाल मार्च 2024 तिमाही में तगड़े मुनाफे और बैंक की एसेट क्वॉलिटी में सुधार के बाद आया है। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 365 रुपये है। बेंगलुरु बेस्ड जना स्मॉल फाइनेंस बैंक ने इस साल 14 फरवरी को स्टॉक मार्केट में एंट्री की थी। लिस्टिंग के बाद से स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों में 40 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आ गया है। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों का इश्यू प्राइस 414 रुपये था। मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंक का मई-जून 2025 तक यूनिवर्सल बैंक लाइसेंस के लिए अप्लाई करने का प्लान है। बेंगलुरु बेस्ड जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के टैक्स भुगतान के बाद मुनाफे में मार्च 2024 तिमाही में 296.8 पर्सेंट का तगड़ा उछाल आया है। मार्च 2024 तिमाही में बैंक को टैक्स चुकाने के बाद 321.4 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में टैक्स देने के बाद बैंक का मुनाफा 81 करोड़ रुपये था। वहीं, दिसंबर 2023 तिमाही के मुकाबले बैंक का पीएटी (टैक्स देने के बाद मुनाफा) 134.6 करोड़ रुपये था। बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम मार्च 2024 तिमाही में सालाना आधार पर 26.4 पर्सेंट बढ़कर 590.7 करोड़ रुपये रही है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 467.3 करोड़ रुपये थी। वहीं, दिसंबर 2023 तिमाही के मुकाबले बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम 7.7 पर्सेंट बढ़ी है। मार्च 2024 तिमाही में बैंक की अदर इनकम 179.9 करोड़ रुपये रही है।

137 से टूटकर 19 पर आया जयप्रकाश पावर वेंचर्स का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। पावर सेक्टर से जुड़ी कंपनी- जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड ने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट बढ़ा है। तिमाही नतीजे के ऐलान के बाद मंगलवार को जयप्रकाश पावर के शेयर पर निवेशक टूट पड़े। सप्ताह के दूसरे कारोबारी इस शेयर में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया और भाव 19.99 रुपये पर पहुंच गया। बता दें कि 12 फरवरी 2024 को शेयर की कीमत 23.99 रुपये पर पहुंच गई। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। मई 2023 में शेयर की कीमत 5.57 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का निचला स्तर है। इस पावर कंपनी के शेयर 4 जनवरी 2008 को 137 रुपये पर थे। मार्च 2020 में कंपनी के शेयर 99 पर्सेंट से ज्यादा लुढ़ककर 27 मार्च 2020 को 60 पैसे पर पहुंचे थे। मार्च तिमाही में जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड का प्रॉफिट 588.79 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से आय बढ़ने से कंपनी का लाभ बढ़ा है। 31 मार्च, 2023 को समाप्त तिमाही में कंपनी को 43.99 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 1,863.63 करोड़ रुपये हो गई।

मई 2024 से आपकी जेब पर बढ़ जाएगा भार? नए महीने के नए नियम बजट पर डालेंगे असर

नईदिल्ली, एजेंसी। नए महीने के साथ वित्तीय जगत से जुड़े कई बदलाव होने वाले है। ये परिवर्तन सीधे आम आदमी की जेब पर असर डालेंगे। मई महीने में सिलेंडर की कीमतों में बदलाव हो सकता है। म्युचुअल फंड निवेशकों और बैंक ग्राहकों से जुड़े कई नियम भी बदलने वाले हैं। मई महीने में कुछ बैंकों के बचत खातों पर लगने वाले शुल्क में इजाफा होगा। कुछ बैंक क्रेडिट कार्ड के जरिए यूटिलिटी भुगतान पर सरचार्ज भी लगाने वाले हैं। वरिष्ठ नागरिकों की सावधि जमा के डेडलाइन में भी परिवर्तन हो सकता है।

पेट्रोलियम कंपनियां हर महीने पेट्रोल-डीजल और एलपीजी के कमर्शियल व घरेलू सिलेंडरों की कीमतों की समीक्षा करती है। ऐसे में संभव है एक मई से इनकी कीमतों में परिवर्तन देखने को मिले। हालांकि इसका एलान 30 अप्रैल की मध्यरात्रि के बाद ही होने की संभावना है। देश में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं ऐसे में पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में होने वाले किसी भी बदलाव पर आम आदमी की नजर बनी रहेगी।

म्युचुअल फंड निवेशकों के लिए जरूरी बदलाव

अगर आप म्युचुअल फंड में निवेश करते हैं तो एक मई 2024 से एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। 30 अप्रैल 2024 के बाद अगर आपके म्युचुअल आवेदन पर लिखा नाम आपके पैन कार्ड पर लिखे नाम के सामान नहीं हुआ तो आपका आवेदन रद्द हो जाएगा। आधिकारिक रिकॉर्ड में आपका नाम एक जैसा दिखे यह सुनिश्चित करने के लिए केवाईसी नियमों में बदलाव किया गया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के अनिवार्य केवाईसी नियम कहते हैं कि आपका नाम एक समान होना चाहिए। इसे अनुसार आप पहली बार म्यूचुअल फंड फोलियो में निवेश कर रहे हैं, तो आपका नाम और आपकी जन्मतिथि आपके पेन पर लिखे नाम और जन्मतिथि के साथ-साथ आपके इनकम टैक्स रिकॉर्ड के समान होना चाहिए। राहत की बात यह है कि नया नियम नए निवेशकों को प्रभावित करेगा, न कि मौजूदा निवेशकों को।

आईसीआईसीआई बैंक में होंगे ये बदलाव

1 मई से आईसीआईसीआई बैंक बचत खाता सेवाओं पर लगने वाले शुल्क में परिवर्तन करेगा। इसमें डेबिट कार्ड पर लगने वाले 200 रुपये तक की सालाना फीस शामिल है। ग्रामीण इलाकों के लिए यह शुल्क 99 रुपये प्रति वर्ष है। चेक बुक की बात करें तो एक वर्ष में 25 चेक तक को शुल्क देय नहीं होगा पर इससे अधिक के लिए बैंक 4 रुपये प्रति चेक का शुल्क वसूल करेगा।

बैंक आउटवर्ड इमीडिएट पेमेंट सर्विस (आईएमपीएस) लेनदेन के लिए 2.5 रुपये से 15 रुपये प्रति लेनदेन के हिसाब से शुल्क लेगा। डिमांड ड्राफ्ट या पे ऑर्डर को रद्द करने, डुप्लिकेट या रिवैलिडेशन के लिए बैंक 100 रुपये का शुल्क लेगा। बैंक हस्ताक्षर सत्यापन के लिए प्रति आवेदन के लिए 100 रुपये और बैंक शाखा के जरिए किसी विशेष चेक के भुगतान को रोकने के लिए 100 रुपये चार्ज करेगा हालांकि कस्टमर केयर आईवीआर और नेट बैंकिंग के माध्यम से यह सुविधा मुफ्त में मिलेगी। वित्तीय कारणों से ईसीएस/एनएसीएच डेबिट रिटर्न पर 500 रुपये जुर्माना लगेगा।

यस बैंक के बचत खातों से जुड़े शुल्क बदलेंगे

यस बैंक ने 1 मई बचत खाता सेवाओं पर लगने वाले शुल्क में बदलाव की घोषणा की है। बैंक ने बचत खातों में अनिवार्य औसत मासिक शेष (एएमबी) से कम होने की स्थिति में अधिकतम शुल्क बढ़ा दिया है। अब बैंक ऐसी स्थिति में 250 रुपये से 1,000 रुपये के बीच चार्ज करेगा। इससे पहले यह शुल्क 250 रुपये से 750 रुपये के बीच था। बचत खाते के प्रकार, बैंक शाखा के स्थान और खाते में कमी की राशि के आधार पर यह शुल्क अलग-अलग होते हैं। अपर्याप्त धनराशि के कारण ईसीएस (इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सर्विस) रिटर्न की स्थिति में बैंक अब पहली बार 500 रुपये का शुल्क लेगा। दूसरे रिटर्न पर बैंक 550 रुपये का चार्ज करेगा।

वरिष्ठ नागरिकों की एफडी से जुड़ा बदलाव

एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ नागरिकों के सावधि जमा खातों में निवेश की आखिरी तारीख 02 मई 2024 है। इन खातों में सामान्य एफडी खातों की तुलना में 0.75 प्रतिशत अधिक ब्याज दिया जाता है। यह ऑफर 60 वर्ष या उससे से अधिक के वरिष्ठ नागरिकों के लिए है। संभव है कि बैंक की ओर इन खातों में जमा की आखिरी तारीख में बदलाव किया जाए और इसे आगे बढ़ा दिया जाए।

क्रेडिट कार्ड से यूटीलिटी पेंमेंट पर लगेगा चार्ज

यस बैंक और आईडीएफसी बैंक ने एक मई से क्रेडिट कार्ड के जरिए यूटिलिटी भुगतान पर सरचार्ज लगाने का एलान किया है। टेलीफोन बिल, इलेक्ट्रिक बिल, गैस, पानी, इंटरनेट सेवाएं और केबल सर्विसेज से जुड़े पेमेंट यूटिलिटी भुगतान के अंतर्गत आते है। अगर यूटिलिटी सेवाओं का भुगतान 15000 रुपये से अधिक है तो यस बैंक उस पर 1 प्रतिशत के सरचार्ज के अलावे जीएसटी भी वसूलेगा। आईडीएफसी बैंक ने 20,000 रुपये से अधिक के यूटिलिटी भुगतान पर 1 रुपये सरचार्ज के साथ जीएसटी चार्ज करने की बात कही है।

भारत एंटरेप्रेन्योरशिप में बना ग्लोबल लीडर

ग्लोबल एंटरेप्रेन्योरशिप मॉनिटर (जीईएम) 2023-2024 रिपोर्ट के मुताबिक 49 देशों में दूसरे स्थान पर

मुंबई, एजेंसी। भारत कारोबार शुरू करने के लिए दुनिया भर में सर्वश्रेष्ठ स्थान है, इस दृष्टि से भारत को ग्लोबल एंटरेप्रेन्योरशिप मॉनिटर (जीईएम) 2023/2024 रिपोर्ट के अनुसार 49 देशों में दूसरे स्थान पर रखा गया है। ये रूझान भारत में विशेषज्ञों के साथ किए गए एक सर्वेक्षण पर आधारित हैं, जिसमें उन्हें 13 एंटरेप्रेन्योरशिप फ्रेमवर्क कंडीशन्स (ईएफसी) पर देश का मूल्यांकन करने के लिए कहा गया। यह मूल्यांकन एक अर्थव्यवस्था के नेशनल एंटरेप्रेन्योरशिप कॉन्टेक्स्ट इंडैक्स स्कोर (एनईसीआई) और रैंक पर निर्भर करता है, जिसे युनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो एडम स्मिथ बिज़नेस स्कूल द्वारा जनरेट किया गया है। भारत तीन जीईएम देशों में से एक है जिनका ईएफसी मूल्यांकन पर्याप्त से अधिक रहा (नीदरलैण्ड्स और युनाइटेड अरब अमीरात के अलावा) फ्रेमवर्क कंडीशन्स के अच्छे स्कोर की वजह से भारत का परफोर्मेन्स मजबूत रहा है, जैसे एंटरेप्रेन्योरशिप को समर्थन करने वाले 'सामाजिक एवं सांस्कृतिक नियम' और 'स्कूल में और स्कूल के बाद एंटरेप्रेन्योरशिप की शिक्षा। यह मात्र पांच देशों में से एक है जहां विशेषज्ञों ने महिला उद्यमियों के लिए सामाजिक सहयोग तथा उनके लिए संसाधनों की सुलभता का मूल्यांकन किया और यह संतोषजनक या बेहतर पाया गया। पिछले साल के दौरान भारत की रैंकिंग चौथे स्थान से आगे बढ़कर दूसरे स्थान पर आ गई है। जीईएम इंडिया टीम के नेशनल टीम लीडर और एंटरेप्रेन्योरशिप डेवलपमेन्ट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, अहमदाबाद के महानिदेशक सुनील शुक्ला ने कहा, ''भारत नेशनल ग्लोबल एंटरेप्रेन्योरशिप मॉनिटर (जीईएम) सर्वे 2024 में एंटरेप्रेन्योरशिप कॉन्टेक्स्ट इंडैक्स स्कोर (एनईसीआई) की दृष्टि से 49 देशों में दूसरे स्थान पर रहा है।

एशियन पेंट्स ने विराट कोहली को क्रांतिकारी पेशकश, नियो भारत लेटेक्स पेंट के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया

नईदिल्ली, एजेंसी। एशियन पेंट्स, भारत की सबसे आगे रहने वाली पेंट और डेकोर कंपनी, क्रिकेट आइकन, विराट कोहली को अपने आने वाले नए लॉन्च - नियो भारत लेटेक्स पेंट के ब्रांड एंबेसडर के रूप में शामिल करने की घोषणा गर्व से करती है।

नियो भारत लेटेक्स पेंट के साथ, एशियन पेंट्स इस डायनामिक उद्योग में अपनी मौजूदगी का विस्तार करके और इसे सभी के लिए ज्यादा सुलभ बनाकर पेंट की श्रेणी में क्रांति लाएगा। नियो भारत लेटेक्स पेंट हर तरह से क्रांतिकारी है क्योंकि इसमें विशेष पॉलिमर तकनीक है जो बेहतर फिनिश, ज़्यादा कवरेज और क्लीनेबिलिटीदेती है। ये प्रगति के रंग, जो कि नियो भारत की टैग लाइन है, उन लाखों भारतीयों को समर्पित है जो बेहतर जीवन की तलाश में हैं, और एशियन पेंट्स का लक्ष्य उनकी यात्रा में उनके साथ कदम से कदम मिला कर चलना है। बाजार में सबसे आगे रहते हुए, एशियन पेंट्स ने लगातार ऐसे नए-नए उत्पाद पेश किए हैं जो बेहतरीन होने को फिर से परिभाषित करते हैं, और नियो भारत लेटेक्स पेंट एक बार फिर इस श्रेणी में क्रांति लाने के लिए तैयार है। विराट कोहली से बेहतर कौन इस स्तर के लॉन्च के साथ न्याय कर सकता है। विराट ब्रांड के मूल्यों और भावना का प्रतीक हैं और यह एशियन पेंट्स के नेतृत्व और उच्च स्तर और प्रदर्शन के लिए समर्पण को दिखाता है, यह उन्हें एशियन पेंट्स और नए ढंग से बने नियो भारत लेटेक्स पेंट दोनों के लिए एक एकदम सही चेहरा बनाता है। आगामी लॉन्च और उसके ब्रांड एंबेसडर के लिए अपना उत्साह दर्शाते हुए, एशियन पेंट्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ, अमित सिंगल ने कहा, हमारा आने वाला लॉन्च, नियो भारत लेटेक्स पेंट, एशियन पेंट्स के इतिहास में सबसे बड़े मौकों में से एक है, और विराट कोहली का इस जबरदस्त ब्रांड के चेहरे के रूप में होना हमारे उत्साह को बढ़ाता है। आज कोहली को खेल और भारतीय टीम को कुछ इस तरह से बदलने का श्रेय दिया जाता है, जैसा कई दूसरे लोग नहीं कर पाए। उनकी लोकप्रियता किसी खास इलाके तक सीमित नहीं है, उनके व्यक्तित्व से नए भारत का आत्मविश्वास झलकता है।

भारत में लॉन्च हुई फर्स्ट-एवर ऑल-इलेक्ट्रिक बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव

मुंबई, एजेंसी। भारत में फर्स्ट-एवर बीएमडब्ल्यू आई5 को लॉन्च किया गया है। जो विशिष्ट बीएमडब्ल्यू ड परफॉमेन्स मॉडल, बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव के रूप में मिलेगी।

यह ऑल-इलेक्ट्रिक स्पोर्टी एग्जिक्यूटिव सिडैन अपनी सुडौल उपस्थिति, नवाचारी टेक्नोलॉजी, और डाइनैमिक कार्यप्रदर्शन के साथ सबसे आगे है। बीएमडब्ल्यू बीएमडब्ल्यू एम जीएमबीएच के परफॉर्मेंस मॉडल के रूप में ऑल-इलेक्ट्रिक बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव बतौर मानक निर्दिष्ट बाहरी फीचर्स के साथ आती है, जो अपनी शानदार स्पोर्ट संभावना को भी स्पष्ट रूप से रेखांकित करती है। फर्स्ट-एवर बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव आज से कम्प्लीटली बिल्ट-अप युनिट के रूप में संपूर्ण भारत में सभी बीएमडब्ल्यू डीलरशिप पर उपलब्ध है।

विक्रम पावाह, प्रेसिडेंट, बीएमडब्ल्यू इंडिया ने कहा कि, फर्स्ट-एवर बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव के साथ आप पूरी तरह रोमांचकारी अनुभव से कम कुछ भी अपेक्षा नहीं कर सकते। इसमें एक साथ स्पोर्टीएस्ट एग्जिक्यूटिव सिडैन - 5 की आठ पीढ़ियों की विरासत, एम का जोश से भरपूर परफॉर्मेन्स और आइ की सस्टेनेबिलिटी समाहित है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया की ओर से छठी इलेक्ट्रिक पेशकश के रूप में बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव, भारतीय लग्जरी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेग्मेण्ट में हमारी लीडरशिप को और मजबूत करेगी। आधुनिक युग के लिए उत्साह को परिभाषित करने वाले समझौताहीन परफॉर्मेन्स के साथ यह एक ऐसा अनुभव है जिसे बेमिसाल रोमांच के लिए अभियंत्रित किया गया है। इन्वॉइस बनाने के समय प्रचलित कीमत लागू होगी। एक्स-शोरूम कीमतों में यथालागू कम्पेन्सेशन सेस सहित शामिल है, लेकिन रोड टैक्स, टैक्स कलेक्टेड ऐट सोर्स टैक्स कलेक्टेड ऐट सोर्स पर ळैज, ट्च् स्टैटूटरी टैक्सेस/फीस, अन्य लोकल टैक्स सेस लेवीज और इन्श्योरेस सम्मिलित नहीं हैं। कीमत और विकल्पों में किसी पूर्व सूचना के बगैर बदलाव हो सकता है। विस्तृत जानकारी के लिए कृपया स्थानीय ऑथराइज्ड बीएमडब्ल्यू डीलर से संपर्क करें। फर्स्ट-एवर बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव नॉन-मटैलिक पेंटवर्क के रूप में अल्पाइन वाइट और निम्नलिखित मटैलिक पेंटवर्क में उपलब्ध है - ड ब्रूक्लीन ग्रे, ड कार्बन ब्लैक, केप यॉर्क ग्रीन, फाइटॉनिक ब्लू, ब्लैक सफायर, सोफिस्टो ग्रे, ऑक्साइड ग्रे, मिनरल वाइट। विकल्प के रूप में निम्नलिखित बीएमडब्ल्यू इंडिविजूअल पेंटवर्क्स भी उपलब्ध हैं - फ्रोजन पोर्टिमाओ ब्लू, फ्रोजन डीप ग्रे, फ्रोजेन प्यूर ग्रे और टैन्सेनाइट ब्लू। मानक इंटीरियर ट्रिम कार्बन फाइबर में है और अपहोल्स्ट्री के विकल्पों में अल्कांटारा/वेगान्जा द्य ब्लैक शामिल है।

आईआईएम संबलपुर के 8वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में 236 विद्यार्थियों को प्रदान की गई डिग्रियां

संबलपुर, एजेंसी। देश के प्रमुख प्रबंधन संस्थानों में से एक आईआईएम संबलपुर का 8वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। संस्थान के इतिहास में यह दिन इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण उपलब्धि वाला दिन रहा, क्योंकि इस दीक्षांत समारोह में 8वें एमबीए बैच (2022-24) के साथ-साथ एग्जीक्यूटिव एमबीए (2021-23) के पहले बैच को भी डिग्रियां प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह में प्रिया पंत और रोमा दाश ने क्रमशः एमबीए और एक्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए चेयरमैन गोल्ड मैडल हासिल किए। आईआईएम संबलपुर के लिए यह गर्व की बात थी और महिला सशक्तिकरण के लिहाज से भी यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि कही जा सकती है कि संस्थान की दो छात्राओं ने प्रथम रैंक प्राप्त कर क्रमशः एमबीए और एक्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम के प्रतिष्ठित चेयरमैन गोल्ड मैडल हासिल किए। यह भी गौरतलब है कि एमबीए बैच में शीर्ष 10 स्कोरों में से 6 आरक्षित श्रेणियों से थे। बंधन बैंक के फाउंडर, एमडी और सीईओ श्री चंद्रशेखर घोष ने मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर आईआईएम संबलपुर के बीओजी की चेयरमैन और सेल्सफोर्स इंडिया की चेयरमैन और सीईओ श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य भी उपस्थित थीं। दीक्षांत समारोह में आईआईएम संबलपुर के डायरेक्टर प्रोफेसर महादेव जायसवाल, डीन, संकाय सदस्य, स्नातक छात्र और उनके अभिभावक भी शामिल हुए।

स्कैनपॉइंट जियोमैट्रिक का राइट इश्यू खुलेगा

मुंबई एजेंसी। स्कैनपॉइंट जियोमैट्रिक लिमिटेड (एसजीएल) जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस की एक प्रमुख प्रदाता, कंपनी का राइट इश्यू 30 अप्रैल, 2024 को खुल रहा है. कंपनी पात्र शेयरधारकों को 67:47 (रिकॉर्ड तारीख पर कंपनी के पात्र इक्विटी शेयरधारकों द्वारा रखे गए पूर्णतः चुकता 47 इक्विटी शेयर्स के लिए 67 इक्विटी शेयर्स) के अनुपात में कुल 49.40 करोड़ मूल्य के 5 प्रति इक्विटी शेयर (3 प्रति इक्विटी शेयर प्रीमियम सहित) मूल्य पर नकद 2 प्रत्येक सम भाव के 9,88,00,000 पूर्णतः चुकता इक्विटी शेयर्स जारी करेगी. इस इश्यू के मार्फत एकत्र किए जाने वाले फंड का उपयोग कंपनी के प्रमाणित असुरक्षित कर्ज का पुनरभुगतान करने, कंपनी के कारोबारी क्रियाकलाप हेतु कार्यशील पूंजी की जरूरत पूरी करने और आम कॉर्पोरेट खर्चों का वित्त पोषण करने के लिए किया जाएगा. राइट इश्यू की लीड मैनेजर विब्रो फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है.

शक्ति पंप्स ने हासिल किया अब तक का सबसे ज्यादा रेवेन्यू और प्रॉफिट

वित्तीय वर्ष 24 में 142 करोड़ रहा शुद्ध लाभ

पीथमपुर, एजेंसी। सोलर स्टेनलेस-स्टील सबमर्सिबल पंप, प्रेशर बूस्टर पंप, पंप-मोटर्स, कंट्रोलर और इनवर्टर सहित अन्य उत्पादों के अग्रणी निर्माता शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की।

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन दिनेश पाटीदार ने कंपनी के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि, एफवाय24 शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के लिए एक उल्लेखनीय वर्ष रहा है, क्योंकि कंपनी ने रेवेन्यू और प्रॉफिट के मामले में अब तक का मजबूत प्रदर्शन किया है। यह हमारी गवर्नमेंट और एक्सपोर्ट बिजनेस दोनों में हमारे उत्कृष्ट प्रदर्शन को बताता है, जिसने एफवाय24 में क्रमशः 52 प्रतिशत और 23 प्रतिशत की रेवेन्यू में ग्रोथ दर्ज की है। हमारी प्रभावशाली ऑर्डर बुक, राशि 2,400 करोड़ रुपये,

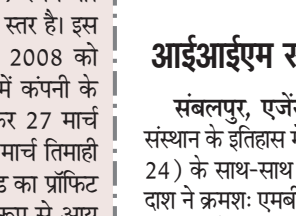

31 मार्च 2024 तक हाल ही में 250.62 करोड़ रुपये के तीन नए ऑर्डर के साथ जनवरी 2024 की शुरुआत से हरियाणा और महाराष्ट्र में विस्तारित हुआ है। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड अपने ऑर्डर बुक के निरंतर विस्तार के बारे में आशावादी है, जो कृषक समुदाय के बीच सोलर पंपों को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

तिमाही के दौरान कंपनी ने सफलतापूर्वक 200 करोड़ रुपये क्यूआईपी के माध्यम दो प्रमुख म्यूचुअल फंडों से प्राप्त किये है। इन राशियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पंप/मोटर्स, इनवर्टर/वीएफडी और सहायक स्ट्रक्चर की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए उपयोग किया जाएगा। रिसर्च और डेवलपमेंट के प्रति हमारा अटूट समर्पण है, क्योंकि हम खुद को एक इनोवेशन केंद्रित इंटरप्राइजेज के रूप में परिभाषित करने का प्रयास करते हैं। यह प्रतिबद्धता हमारे द्वारा हाल ही में हासिल किए गए दो अतिरिक्त पेटेंटों से प्रमाणित होती है, जिसमें फाइल किए गए 29 में से हमें कुल 13 पेटेंट प्राप्त हो गए हैं7 सोलर पीएम कुसुम योजना के नेतृत्व में पंप उद्योग, 14 लाख से अधिक ऑफ-ग्रिड और 35 लाख से अधिक ऑन-ग्रिड सोलर पंपों की अनुमानित स्थापना डिमांड के साथ डेवेलपमेंट के लिए तैयार है। विभिन्न राज्यों में बड़ी संख्या में ऐसे किसान हैं जिन्होंने अपने खेतों की सिंचाई के लिए बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया है। जिसमे डिस्कॉम को बेसिक स्ट्रक्चर उपलब्ध कराने में कॉस्ट शामिल होती है, साथ ही बिजली कम रियायती दरों पर उपलब्ध करानी होती है, जो डिस्कॉम की वित्तीय स्थिति पर और अधिक बोझ डालती है। इसके बावजूद, कई किसान बिजली कनेक्शन से वंचित रह जाते हैं और उनकी जरूरतें पूरी नहीं होती हैं। राज्य और केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से 60-70 प्रतिशत कॉस्ट को कम करने के साथ, सब्सिडी वाले सोलर पंपों के बदलाव से, सरकार को एक सॉल्यूशन प्राप्त होगा। यह पहल केवल 2-3 वर्षों में किसानों को विश्वसनीय बिजली प्रदान करते हुए, स्थिरता की ओर ले जाते हुए, बचत के साथ सब्सिडी को संतुलित करती है। रणनीतिक रूप से मजबूत, शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड निरंतर विकास के लिए तैयार है, ऑर्डर में अनुमानित वृद्धि का लाभ उठाने और संभावित अवसरों के लिए खुद को उपयुक्त स्थिति में लाने के लिए तैयार है।

सागर के वेदांत असाटी 98.53 परसेंटाइल हासिल कर बने सिटी टॉपर

सागर। परीक्षण तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने सागर से अपने स्टूडेंट वेदांत असाटी की असाधारण उपलब्धि की घोषणा करते हुए गर्व महसूस किया, जिन्होंने ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेईई) मेन 2024 के दूसरे सत्र में 98.53 परसेंटाइल हासिल कर सागर मे सिटी टॉप किया है।उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले स्टूडेंट वेदांत असाटी ने 98.53 परसेंटाइल हासिल किया है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों को दिया। उनकी उपलब्धि में उनके परिवार, शिक्षक और आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के समर्थन का बड़ा हाथ है। स्टूडेंट्स का शानदार प्रदर्शन न केवल उनकी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, बल्कि भारत की सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक में परीक्षण किए गए विषयों पर उनकी गहरी पकड़ को भी सामने लाता है।

कार्यालय, जिला पशुपालन पदाधिकारी, लातेहार

-: अतिआवश्यक सूचना :-

पशुपालन निदेशालय, झारखण्ड, रांची के पत्रांक– 521 नि० दिनांक– 23.04.2024 के अनुसार क्षेत्रीय कुक्कुट प्रक्षेत्र, होटवार, रांची में H5N1 Avian Influenza की पुष्टि की गई है। पक्षियों में संभवतः बर्ड फ्लू नामक बीमारी के कारण अधिक संख्या में असामान्य मृत्यु होती है। बर्ड फ्लू मुर्गी, बत्तख एवं अन्य पक्षियों में होनेवाली एक जानलेवा बीमारी है जो कि पक्षियों से मनुष्यों में भी फैल सकती है। अतएव हमें सजग एवं सतर्क रहना अति आवश्यक है।

पक्षियों में बर्ड फ्लू के लक्षण	बर्ड फ्लू संक्रमण रोकने के उपाय
➢ बहुत अधिक संख्या में अचानक मृत्यु होना। ➢ कलगी फूल जाना। ➢ कलगी, बाली एवं पैरों का रंग नीला हो जाना। ➢ नाक से पानी आना। ➢ पतला दस्त होना। ➢ सांस लेने में तकलीफ होना ➢ चलने में लड़खड़ाना	➢ मृत पक्षियों को देखने पर उसे छुएं नहीं, ना ही नजदीक जाए। ➢ आस–पास रहने वाले व्यक्ति मास्क पहन लें। ➢ कुक्कुट फार्म में यदि कुक्कुट की अत्यधिक संख्या में आकस्मिक मृत्यु होती है तो अविलम्ब स्थानीय पशु चिकित्सा पदाधिकारी से सम्पर्क कर उनके निर्देशानुसार कार्य करें। ➢ जब तक उनके फार्म में बर्ड फ्लू की पुष्टि नहीं हो जाती है कुक्कुटपालक घबराऐं नहीं।

यदि पक्षियों में असामान्य मृत्यु अधिक संख्या में हो रही है तो अपने निकटतम पशु चिकित्सालय या प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी से अविलम्ब सम्पर्क करें। साथ ही पशु चिकित्सा पदाधिकारियों को जाँच हेतु पक्षियों के Cloacal, Tracheal Swab लेने में सहयोग करें।

निवेदक :-
जिला पशुपालन पदाधिकारी,
लातेहार

PR.NO.324224 Animal Husbandry(24-25):D

प्रोड्यूसर राजन शाही का खुलासा, बोले-

हिना खान ने किया था शिवांगी जोशी के साथ काम करने से इनकार

मशहूर निर्माता राजन शाही इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। दरअसल हाल ही में उन्होंने अपने शो ये रिश्ता क्या कहलाता है के मुख्य अभिनेता शहजादा धामी और शो में अहम भूमिका निभा रहीं प्रतीक्षा होनमुखे को शो से निकाल दिया। इससे पहले भी राजन शाही अपने शो की प्रमुख अभिनेत्री हिना खान को भी शो से बाहर निकाल चुके हैं। पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान राजन शाही हिना खान के बारे में खुलकर बातें करते दिखाई दिए। ये रिश्ता क्या कहलाता है टेलीविजन इंडस्ट्री के मशहूर शो में से एक शो है। यह शो पिछले कई वर्षों से दर्शकों का मनोरंजन कर है है। हाल ही में शो के निर्माता राजन शाही ने हिना खान के बारे में बातें करते हुए बोले, हिना खान सच में एक अच्छी अभिनेत्री हैं, लेकिन जब हम साथ में काम कर रहे थे तब हमें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। राजन शाही अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, दरअसल हिना खान को शिवांगी जोशी के किरदार से परेशानी होने लगी थी। उन्हें ऐसा लगने लगा था कि नायरा का महिमामंडन किया जा रहा है शो में, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हो रहा था।

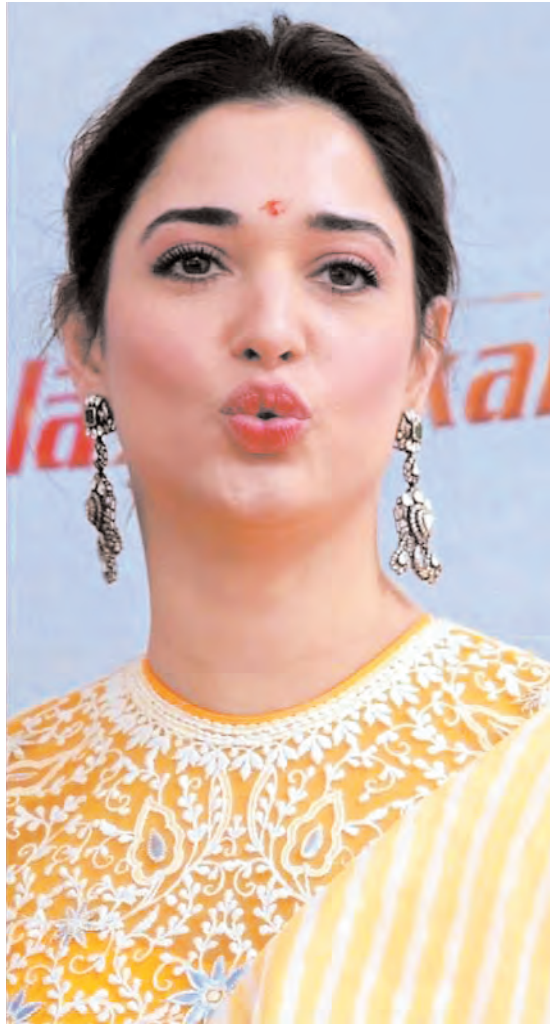

कमल हासन की ठग लाइफ में मचने वाला है बवाल !

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ठग लाइफ को लेकर चर्चा चल रही है कि इसमें बॉलीवुड के दो अभिनेता भी काम करते हुए नजर आ सकते हैं। दोनों ही वेब सीरीज मिर्जापुर में एक साथ काम कर चुके हैं। इन दिनों सुपरस्टार कमल हासन की जो फिल्में चर्चा में हैं, उनमें ठग लाइफभी शामिल हैं। फिल्म में कमल हासन के साथ-साथ तृषा कृष्णन भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। अब इस फिल्म के बाकी कलाकारों को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। यह इतना दिलचस्प है कि हिंदी के दर्शक चौंक उठेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ठग लाइफ को लेकर चर्चा चल रही है कि इसमें बॉलीवुड के दो अभिनेता भी काम करते हुए नजर आ सकते हैं। इन अभिनेताओं में पंकज त्रिपाठी और अली फजल का नाम लिया जा रहा है। दोनों ही वेब सीरीज मिर्जापुर में एक साथ काम कर चुके हैं। अगर यह सच साबित हुआ तो हिंदी के दर्शकों के लिए यह बहुत बड़ी बात होगी। पंकज और अली फजल को कमल हासन के साथ देखना वाकई में मजेदार हो सकता है।

राक्षस में नजर आएंगे रणवीर

फिल्म में होगा नेगेटिव किरदार

साल 2024 रणवीर सिंह के लिए काफी अच्छा साबित हो रहा है। वह लगातार कई फिल्में साइन कर रहे हैं। अभिनेता के पास पहले से ही निर्देशक फरहान अखतर की बहुप्रतीक्षित फिल्म डॉन 3 है। इसके अलावा रणवीर के पास निर्देशक शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की मेगा बजट फिल्म सिंघम अगेन भी है। अब एक और फिल्म रणवीर सिंह ने साइन कर ली है। रणवीर अब निर्देशक प्रशांत वर्मा की फिल्म राक्षस में नजर आएंगे।

प्रशांत वर्मा के साथ मिलाया हाथ

रणवीर अपनी फिल्मों के अपडेट को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रणवीर सिंह जल्द ही साउथ की फिल्मों में नजर आ सकते हैं। इसके लिए रणवीर ने पिछले साल रिलीज हुई फिल्म हनुमान के निर्देशक प्रशांत वर्मा से हाथ मिला लिया है। उनकी यह फिल्म काफी सुपर डुपर हिट हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रशांत अभिनेता के काम को काफी पसंद करते हैं। फिल्म राक्षस को लेकर प्रशांत और रणवीर लगातार मुलाकात कर रहे थे। मीटिंग के दौरान प्रशांत ने रणवीर को फिल्म की कहानी सुनाई और वह उन्हें बेहद पसंद भी आई। रणवीर ने प्रशांत के साथ डील फाइनल कर ली है। फिलहाल, इस फिल्म का नाम राक्षस रखा गया है।

फिल्म राक्षस

फिल्म राक्षस में रणवीर के अलावा किसी स्टार को अप्रोच नहीं किया गया है। फिलहाल, यह फिल्म कब रिलीज होगी इस बात से भी पर्दा नहीं उठाया गया है। राक्षस को स्वतंत्रता पूर्व युग की पौराणिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक पीरियड फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म में रणवीर का किरदार नेगेटिव हो सकता है।

रणवीर की आगामी फिल्में

आखिरी बार रणबीर को फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ आलिया भट्ट को जोड़ी को फैंस ने बहुत पसंद किया था।

इस फिल्म के अलावा रणवीर निर्देशक आदित्य धर की अनाम फिल्म में भी नजर आएंगे। फिलहाल, इस फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। बहरहाल, रणवीर सिंह निर्देशक रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में नजर आएंगे। साथ ही रणवीर निर्देशक फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 3 की शूटिंग जल्द ही शुरू करेंगे।

अवैध स्ट्रीमिंग मामले में तमन्ना भाटिया ने समन पर दी प्रतिक्रिया

साइबर सेल से मांगा और समय

इस बीच अब अभिनेत्री ने आईपीएल मैचों की स्ट्रीमिंग मामले में महाराष्ट्र साइबर सेल के समन पर प्रतिक्रिया दी है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो तमन्ना भाटिया ने साइबर टीम को सूचित किया है कि वह मुंबई में नहीं हैं, और बाद में फिर से पेश हो सकती हैं। साइबर सेल ने अभी नई तारीख की घोषणा नहीं की है। तमन्ना भाटिया इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म ओडेला 2 को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म की शूटिंग मार्च महीने से शुरू हो चुकी है। ओडेला 2 क्राइम-थ्रिलर फिल्म ओडेला रेलवे स्टेशन का दूसरा भाग है। इसका पहला भाग साल 2022 में रिलीज हुआ था। इस बीच अब अभिनेत्री ने आईपीएल मैचों की स्ट्रीमिंग मामले में महाराष्ट्र साइबर सेल के समन पर प्रतिक्रिया दी है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

अवैध आईपीएल मैचों की स्ट्रीमिंग मामले में तमन्ना ने दी प्रतिक्रिया

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अवैध आईपीएल मैचों की स्ट्रीमिंग मामले में महाराष्ट्र साइबर सेल के समन पर प्रतिक्रिया दी है। हालांकि, अभिनेत्री ने अभी तक प्रेस को कोई बयान जारी नहीं किया है, लेकिन उन्होंने साइबर सेल से पेश होने के लिए बाद की तारीख देने का अनुरोध किया है।

इस फिल्म में आएंगी नजर

बता दें कि फिल्म ओडेला 2 में तमन्ना भाटिया के अलावा हेबा पटेल, वशिष्ठ एन. सिम्हा, गगन विहारी, पूजा रेड्डी, सुरेंद्र रेड्डी और भूपाल भी अभिनय करते नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अशोक तेजा कर रहे हैं। वहीं, फिल्म का निर्माण डी मधु क्रिएशन्स और संपत नंदी टीमवर्क्स के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म का संगीत बी अजनीश लोकनाथ ने तैयार किया है।

जौनपुर में दीदी नंबर 1 की शूटिंग कर रहीं भोजपुरी क्वीन रानी चटर्जी

भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने सोमवार को अपनी अपकमिंग फिल्म दीदी नंबर 1 से बिहाइंड-द-सीन (बीटीएस) की एक झलक शेयर की। ससुरा बड़ा पैसावाला, देवरा बड़ा सतावेला और अन्य फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर रानी ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह ब्लैक और ब्राउन कलर के सलवार सूट में नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने बालों की चोटी बनाई हुई है और साथ ही लाल चूड़ियों से अपने लुक को पूरा किया है। उनके हाथ में फिल्म की स्क्रिप्ट है। फिल्म की शूटिंग फिलहाल जौनपुर में चल रही है। संदीप सिंह और अरविंद अग्रवाल द्वारा निर्मित और प्रवीण कुमार गुड्डू द्वारा निर्देशित फिल्म को सतेंद्र सिंह ने लिखा है। रानी के अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो मेरा पति मेरा देवता है, नाचे दूल्हा गली-गली, परिवार के बाबू और भाभी मां शामिल है।

इब्राहिम अली खान ने किया इंस्टाग्राम पर डेब्यू

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान ने फैन्स को एक बड़ा सरप्राइज दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम डेब्यू किया है। उनका पहला एक पोस्ट ही काफी वायरल हो चुका है। इसमें उन्होंने चार फोटो की सीरीज शेयर की है। साथ ही 41 लोगों को फॉलो किया है। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान के बड़े सुपुत्र इब्राहिम इली खान ने 30 अप्रैल को फैन्स का दिन बना दिया। उन्होंने इंस्टाग्राम डेब्यू किया, जिसेक बाद तो फॉलोवर्स की संख्या देखते ही बनी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पहले अपना एक अकाउंट बनाया हुआ था लेकिन वो प्राइवेट कर रखा है। वहीं, उनकी मां अमृता सिंह भी इंस्टाग्राम मौजूद हैं।

मगर उनका भी अकाउंट कोई देख नहीं सकता। अब सारा अली खान के भाई इग्गी ने भी सोशल मीडिया की दुनिया में ऑफिशियली एंट्री कर ली है। और उनका खाता वेरिफाइड हो गया है। इब्राहिम अली खान ने इंस्टाग्राम पर डेब्यू किया और आते ही उन्होंने तहलका मचा दिया।

उन्होंने अपने इस हैंडल पर एक पोस्ट किया। जिसमें 4 अलग-अलग तस्वीरें हैं। जिसको 36 मिनट के अंदर 33,663 लाइक्स और सैकड़ों कमेंट्स मिले। वहीं, उनके फॉलोवर्स की बात करें तो वह भी 564 यानी पांच लाख 64 हजार हो गए।

इरफान के बेटे बाबिल की नेकदिली !

दिवंगत एक्टर इरफान के बेटे बाबिल खान नेकदिल इंसान हैं। इसकी बानगी हाल ही में एयरपोर्ट पर देखने को मिली, जब उन्होंने मुंबई से 100 किलोमीटर दूर पालघर जिले के जव्हार तालुका में जल संकट से निपटने के लिए एक यूट्यूबर को 50 हजार रुपये दान किए। इसी के साथ उन्होंने यूट्यूबर से ये भी कहा कि उनका नाम लिखने की जरूरत नहीं है।

फिल्म इंडस्ट्री में अपना हक नहीं मिला, लॉप फिल्मों की कतार लगाने पर छलका इलियाना का दर्द

अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज ने लंबे समय के बाद पर्दे पर वापसी की है। इस साल मार्च महीने में आई फिल्म तेरा क्या होगा लवली के जरिए उनके फैंस का उन्हें पर्दे पर देखने का इंतजार खत्म हुआ था। अब उनकी एक और नई फिल्म दो और दो प्यार रिलीज हो चुकी है। अब हाल ही में, इलियाना ने अपने फ्लॉप फिल्मी करियर पर खुलकर बात की है। अभिनेत्री इलियाना डीक्रूज ने कहा है कि उन्हें इंडस्ट्री में उचित सम्मान नहीं मिला है और उनके अधिकांश काम पर किसी का ध्यान नहीं गया। अभिनेत्री ने अगस्त 2023 में अपने पहली प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद से सुर्खियों से दूर थीं। हाल ही में, उन्हें तेरा क्या होगा लवली और दो और दो प्यार में देखा गया था, लेकिन दोनों फिल्में छाप छोड़ने में असफल रहीं।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में इलियाना ने खुलासा किया है कि उन्हें ऐसा क्यों लगता है कि इंडस्ट्री में उन्हें उनका हक नहीं मिला है। अभिनेत्री ने कहा, अगर मैं पूरी तरह से ईमानदार हूं, तो नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता कि मुझे मेरा हक मिल गया है। मुझे लगता है कि मैंने जो बहुत सारा काम किया है, उस पर किसी का ध्यान नहीं गया है। और मैं नहीं जानती क्यों।

साउथ एक्ट्रेस टैग के चलते बॉलीवुड में काम मिलने में आ रही परेशानियां : सीरत कपूर

एक्ट्रेस सीरत कपूर का कहना है कि साउथ एक्ट्रेस के रूप में पहचाने जाने के चलते हिंदी सिनेमा में प्रोजेक्ट के ऑफर्स मिलने में परेशानियां हुई है। 31 वर्षीय एक्ट्रेस ने हिंदी सिनेमा में खुद को स्थापित करने में आ रही कठिनाइयों के बारे में बात की। रणबीर कपूर स्टारर फिल्म रॉकस्टार में असिस्टेंट कोरियोग्राफर के रूप में सिनेमा में अपनी जर्नी शुरू करने वाली सीरत ने कहा, कई लोग मुझे साउथ एक्ट्रेस के रूप में जानते हैं और मुझे लगता है कि कभी-कभी यह बॉलीवुड में ऑफर्स मिलने के बीच रूकावटें पैदा करता है। दर्शकों के लिए यह सोचना आसान है कि अगर आप साउथ इंडियन इंडस्ट्री में अच्छा कर रहे हैं तो आपको बॉलीवुड में आसानी से काम मिल सकता है। हालांकि, असल बात यह है कि बॉलीवुड में लीड रोल के लिए कोई भी प्रोजेक्ट पाने की प्रक्रिया बहुत चुनौतीपूर्ण है। सीरत और भी बॉलीवुड फिल्में करने की इच्छुक हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं अपने लाइफटाइम में कम से कम एक बार बॉलीवुड एक्टर्स के साथ काम करूंगी। उन्होंने कहा कि तेलुगु सिनेमा से मेरा नाता हमेशा रहेगा। उन्होंने कहा, टॉलीवुड ने मुझे वह सब कुछ दिया है जो आज मेरे पास है और मैं इसे पीछे नहीं छोड़ना चाहती। यहीं से मैंने शुरुआत की और यह हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा। सीरत ने कई तेलुगु फिल्मों में काम किया है, जैसे रन राजा रन, टाइगर, राजू गरी गांधी 2, ओक्का क्षणम और मां विंता गाधा विनुमा आदि। 2022 में, उन्होंने तुषार कपूर के साथ मारीच के साथ हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत की।

!! श्री गणेशाय नमः !!
झारखंड में अब तक का सबसे बड़ा मेला
अंडर वाटर फिश टनल
सह
डिजनी लैंड मेला
DATE : 08.04.2024 से
TIME 04:00 PM to 10:00 PM
Venue : Shahid Maidan, Dhurwa, Ranchi
- : विशेषताएं : -
- परिवार के सभी सदस्यों के खरीददारी के लिए देश के हर कोने से 125 स्टॉल
- छोटे बड़े सभी के लिए झूले का प्रबंध
- अंडरवाटर फिश टनल में देशी-विदेशी मछलियां
- रांची के लिए अजूबा टनल के अंदर सेल्फी प्वाइंट
BOOK NOW : 7004494715
Organiser : Krishna Kumar Shaw